ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकतांत्रिक व्यवस्था में गुंडागर्दी नहीं चल सकती: सी.टी. रवि @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 25 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-143

गुलजार हाउस अग्निकांड से उजागर हुई सरकार की नाकामी

ये सिर्फ हादसा नहीं, 'कम्प्लीट सिस्टम फेल्योर' है

सियासतदानों, और कितनी जानें आग में झोंकोगे!

हैदराबाद का गुलजार हाउस अग्निकांड किसी भी लोकतांत्रिक नैतिक और संवेद-नशील सरकार के अलमबरदारों के चुल्लू भर पानी में डूब मरने के लिए काफी था। लेकिन यहां न लोकतंत्र है, न नैतिकता और संवेद-नशीलता। साहसी मांओं ने अपने निरीह बच्चों को अपनी गोद में समेट कर हृदयहीन सरकार और नाकारा व्यवस्था के खिलाफ जौहर कर लिया। फिर भी सरकार को शर्म नहीं आई, यही तो यहां की असलियत है। जब सरकार गुलजार हाउस अग्निकांड में झुलस कर मरने वाले आठ बच्चों और महिलाओं समेत 17 लोगों की मौत पर पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा तय कर रही थी तो केवल तेलंगाना क्या, पूरा देश शर्मिंदगी से भर गया था। लोगों के मुंह से बेसाख्ता निकला... छिः... इस छिः से सियासतदानों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। नेता जानता है कि कुछ दिनों की बात है, लोग पहले की तरह फिर भूल जाएंगे, चुनाव का वक्त आने पर फिर उन्हें बेवकूफ बनाया जाएगा और वोट लेकर राजयोग भोगा जाएगा। आम जनता तो दुख भोगने के लिए है ही। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है।

आठ बच्चों समेत 17 लोगों की मौत पर पूरा हैदराबाद, पूरा तेलंगाना और पूरा देश दुखी है। शोक सभाएं चल रही हैं। लोग अपनी वेदनाएं अभिव्यक्त कर रहे हैं। लेकिन सत्ता अलमबरदारों और नौकरशाहों पर इस सामाजिक दुख का कोई असर नहीं। अगर दुख होता तो तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज के शीर्ष अधिकारी से लेकर सारे जिम्मेदार लोगों और नगर पालिका के संबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर मासूम लोगों की जान लेने का आपराधिक मुकदमा दर्ज हो गया होता, अब तक वे निलंबित हो गए होते और सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे होते। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उल्टा, डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज का शीर्ष अधिकारी नेताओं की तरह भाषण देता फिर रहा है और मीडिया को बेवकूफ बना रहा है। उसे अब तक गिरफ्तार हो जाना चाहिए था, लेकिन वह सरकार की तरफ से सफाइयां पेश कर रहा है। गुलजार हाउस में लगी आग बुझाने के लिए आई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में पानी नहीं था। पानी का कोई वैकल्पिक इंतजाम भी नहीं था। एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कम भेजी गई थीं। ऐसे हादसों से निपटने के लिए शहर में सड़कों और नुक्कड़ों पर पानी के स्रोत (फायर हाइड्रेंट) फिट रखे जाते हैं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को पानी कैसे मिले? ऐसे सवालों का हल पहले से तलाश कर रखा जाता है ताकि आपात स्थिति में व्यवस्था दुरुस्त रह सके। लेकिन नगर पालिका का ध्यान तो केवल पैसे बटोरने पर रहता है। गुलजार अग्निकांड ने पूरी व्यवस्था के चेहरे पर पड़ी नकाब भी फूंक डाली। गुलजार हाउस अग्निकांड सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि घोर और अक्षम्य प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। इससे

शुभ-लाभ संवेदना

रेवंत रेड्डी सरकार को झूठ परोसने और सुंदरियां बटोरने से फुर्सत नहीं

बुरी तरह फेल हुआ तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विस

बड़ा और दर्दनाक उदाहरण क्या हो सकता है? जब हर एक सेकंड किसी की जान ले रहा हो और डिजास्टर रेस्पॉन्स शून्य हो तो सियासतदानों को डूब मरना चाहिए कि नहीं? सरकार की प्राथमिकता करोड़ों-अरबों रुपए खर्च कर तमाशा और सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने की हो तो मासूम बच्चे और महिलाएं ऐसे ही आग में झुलस कर मरेंगी ही। जब हैदराबाद राजधानी की बुनियादी आपातकालीन व्यवस्था इतनी लचर और सड़ियल है तो आप प्रदेश के अन्य जिलों की बदहाली का अंदाजा लगा सकते हैं। सरकार की बेशर्मी गुलजार हाउस अग्निकांड में त्रासद मौत का शिकार हुए मासूमों की मौत का अपमान है। इसे आम नागरिकों को याद रखना चाहिए और इसका लोकतांत्रिक प्रतिकार करना चाहिए।

हैदराबाद के गुलजार हाउस अग्निकांड ने शहर के अग्निशमन विभाग की तैयारियों और क्षमता का पर्दाफाश कर दिया है। जबकि हैदराबाद में आग लगने की दुर्घटनाएं आम होती जा रही हैं। हर रोज आग लगने की चार-पांच घटनाएं दर्ज हो रही हैं। खास तौर पर गुलजार हाउस अग्निकांड ने पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने में लापरवाही करने वाले जीएचएमसी, ईवीडीएम, हाइड्रा, अग्निशमन विभाग और पुलिस प्रशासन को नंगा कर दिया है। आग से प्रभावित होने वाली इमारतों सहित पुरानी इमारतों में उचित अग्नि सुरक्षा उपायों जैसे कि स्प्रिंकलर सिस्टम, फायर अलार्म और भागने के रास्ते का सख्ती से समाधान इन विभागों की जिम्मेदारी है। लेकिन इनकी आदत है, हादसे के पहले इंतजाम देखते नहीं, घूस लेकर एनओसी जारी करते हैं या नाकारेपन में एनओसी का ध्यान भी नहीं देते और हादसा होने के बाद जांच बिठा देते हैं। गुलजार हाउस अग्निकांड में भी यही हुआ। सरकार ने उच्च स्तरीय जांच गठित कर दी। जांच समिति अब जांच करेगी और सारे कारणों की लीपापोती कर, गुलजार हाउस में रहने वाले लोगों को जिम्मेदार ठहरा देगी। आप देखते जाएं, यही होने वाला है। इस अग्निकांड के बाद क्या जांचा जाएगा? अग्निकांड न हो इसके लिए पहले जो बातें जांचनी चाहिए थीं, वह क्यों नहीं जांची गईं और उसका उपाय क्यों नहीं किया गया? इन सवालों का जवाब आम नागरिकों को कभी नहीं मिलता।

फायर ब्रिगेड ने गुलजार हाउस में लगी आग बुझाने के लिए 11 फायर टेंडर तैनात किए थे। यह फायर ब्रिगेड महकमे का आधिकारिक बयान है। पानी खर्च होने पर कितने फायर टेंडर मौके से हटे और कितने नए फायर टेंडर पानी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, इस सवाल का जवाब तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा (तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज) के महानिदेशक वाई. नागी रेड्डी के पास नहीं है। जबकि नागी रेड्डी ही रेवंत रेड्डी के प्रवक्ता बने सरकार की तरफ से सफाइयां पेश कर रहे हैं। नागी रेड्डी संकरी गली और इमारत के संकरे प्रवेश द्वार, पहली मंजिल तक जाने वाली संकरी सीढ़ी को अग्निशमन सेवा में बाधा पहुंचाने का तर्क देते हैं। लेकिन नागी रेड्डी यह नहीं बताते कि इतनी खतरनाक स्थितियां थीं तो उनके विभाग ने गुलजार हाउस को एनओसी कैसे जारी कर दी थी। और अगर एनओसी नहीं दी थी तो क्यों? और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आग बुझाने में लगे अधिकांश फायरमैन के पास मास्क क्यों नहीं था?

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पूरे प्रदेश के मुखिया है। लेकिन वे अपनी राजधानी हैदराबाद का ही ख्याल नहीं रख पाते। उनके पहले के मुख्यमंत्री भी ऐसे ही नाकारा रहे हैं। अगर वे आम लोगों के सरोकार के प्रति संजीदा होते तो बिल्डिंग कोड का सख्ती से पालन हुआ होता, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन सेवाओं की कारगर पहुंच का उपाय हुआ होता और अग्नि सुरक्षा के सारे जरूरी इंतजामात प्राथमिकता से हुए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, न हो रहा है और न होता हुआ दिख रहा है...

नीति आयोग की बैठक में बोले पीएम मोदी

विकसित भारत के लिए हमें विकास की गति बढ़ानी होगी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश की आर्थिक वृद्धि और विभिन्न क्षेत्रों में विकास की दर को तेज करने तथा केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया है।

श्री मोदी ने राजधानी में नीति आयोग की संचालन परिषद की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विकसित भारत अब देश के हर नागरिक की आकांक्षा बन गया है। उन्होंने कहा, हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और

सभी राज्यों को टीम की तरह चलना होगा

टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत अब हर नगरिक का लक्ष्य बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब प्रत्येक राज्य विकसित होगा, तो ही भारत विकसित होगा। यह देश के 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।

श्री मोदी ने अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका बढ़ाये जाने पर बल देते हुए कहा, हमें कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून, नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल ▶10 पर

विपक्षी मुख्यमंत्रियों संग पीएम की चाय पर चर्चा

हंसी ठहाके भी खूब लगे... नीति आयोग बैठक में मोदी की अलग रणनीति

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में नीति आयोग की बैठक के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत की। ▶10 पर

नेशनल हेराल्ड मामला : ईडी ने किया बड़ा दावा

सिर्फ 50 लाख में अर्जित कर ली 2,000 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े एक और बड़े खुलासे में प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को दोनों वरिष्ठ नेताओं से जुड़ी एक कंपनी को भारी रकम दान करने के लिए कहा गया था। केंद्रीय एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि यंग इंडियन लिमिटेड को कई कांग्रेस नेताओं से लाखों की रकम मिली है। वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने के लिए कंपनी की अब जांच की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी दान के बहाने यंग इंडियन लिमिटेड को हस्तांतरित धन के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे। मात्र 50 लाख रुपए में 2,000 करोड़ रुपए की संपत्ति अर्जित की।

ईडी का दावा है कि यंग इंडियन लिमिटेड ने नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति

राहुल गांधी और सोनिया गांधी धन के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे : ईडी

केवल 50 लाख रुपये में हासिल की। इस लेन-देन ने संभावित हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। इन विवादास्पद लेन-देन का एक बड़ा हिस्सा कथित तौर पर तेलंगाना से आया था। तत्कालीन विधायक और वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कथित निर्देशों पर काम करते हुए, चार कांग्रेस नेताओं ने 2022 में यंग इंडियन को 80 लाख रुपये से अधिक का दान दिया। कांग्रेस के नेता जिन्होंने दान दिया। दानदाताओं में 2019 के लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार गली अनिल कुमार ने जून 2022 में 20 लाख रुपये का योगदान दिया है। ▶10 पर

मुश्किल में आए राहुल, कोर्ट ने जारी किया गैर जमानती वारंट

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की परेशानियां बढ़ गई है। राहुल गांधी कानूनी समस्या को लेकर फिर से सुर्खियों में आ गए है। राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। अब राहुल गांधी को 26 जून 2025 को अदालत में पेश होना होगा।

अदालत ने राहुल गांधी के वकील की ओर से दाखिल की गई पेशी से छूट की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। बता दें कि जिस मामले में राहुल गांधी को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है वो वर्ष 2018 का मामला है। राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में एक राजनीतिक भाषण दिया था। इस भाषण में राहुल गांधी ने 28 मार्च 2018 को भाजपा के खिलाफ तीखे शब्द कहे थे। इस भाषण के खिलाफ भाजपा नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर किया था। इसके बाद इस मामले को झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 फरवरी को रांची स्थित एमपी ▶10 पर

कनिमोझी ने रूस में पाकिस्तान को किया बेनकाब

भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था...

मास्को, 24 मई (एजेंसियां)। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संघ में कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संसद के दोनों सदनों के सदस्यों और प्रमुख थिंक टैंकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। लेकिन जब भारत ने जवाब दिया, तो हमने जिम्मेदारी से

जवाब दिया। हमने सुनिश्चित किया कि कोई भी नागरिक प्रभावित न हो, सैन्य ठिकानों को कोई नुकसान न पहुंचे। डीएमके नेता ने कहा कि हमने केवल उन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जहां आतंकवादियों को पनाह दी गई और प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी, गुरुद्वारों, मंदिरों, आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां भारतीय नागरिक रहते थे, और यहां तक कि हमारे सैन्य ठिकानों को भी। उन्होंने आगे कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक, ▶10 पर

अगर आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान इसका जंगली संचालक : अभिषेक बनर्जी

टोक्यो, 24 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को टोक्यो में अपने जोशीले भाषण में कहा कि भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के डर के आगे घुटने नहीं टेकेगा। जापान में भारतीय समुदाय के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम यहां यह संदेश और सच्चाई साझा करने के लिए आए हैं कि भारत झुकने से इनकार करता है। हम डर के आगे नहीं झुकेंगे। मैं एक राजनीतिक दल से संबंधित हूं जो विपक्ष में है। ▶10 पर

द आर्ट ऑफ पिचिंग शार्क टैंक वे का सफल आयोजन

नारीशक्ति की प्रभावशाली झलक देखने को मिली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ और साउथ द्वारा, जीतो महिला विंग एपेक्स और केकेजी जोन के सहयोग से, एक प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम द आर्ट ऑफ पिचिंग शार्क टैंक वे का सफल आयोजन आदर्श कॉलेज, चामराजपेट में किया गया। यह आयोजन जेआईआईएफ और जे पॉइंट वर्टिकल के अंतर्गत हुआ, जहाँ स्टार्टअप ऊर्जा, उद्यमशीलता की समझ और नारीशक्ति की प्रभावशाली झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने नवकार मंत्र के उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। जीतो बेंगलूरु साउथ की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने मुख्य अतिथियों एवं सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि एक पिच केवल संवाद नहीं, बल्कि एक साथ सपने देखने का निमंत्रण है। उन्होंने जीतो की विचारधारा सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रतिभागियों की

उपस्थिति ने इसे एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बना दिया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के वाइस चेयरमैन दिनेश बाफना ने कहा, ऐसे मंच उद्यमिता की सोच को प्रोत्साहित करते हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम हैं। केकेजी जोन की कन्वीनर पिंकी जैन ने महिलाओं को उनके विचारों की शक्ति पर विश्वास करने और नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। जीएफ और जे पॉइंट की कन्वीनर अनिता पिरगल ने आयोजन को गर्व का विषय बताया और महिलाओं को समाज की दिशा बदलने वाली बताया। एपेक्स वाइस चेयरपर्सन यश्मा जैन ने दोनों चैप्टर के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए उल्लेख किया कि केवल पाँच दिनों में इस स्तर का कार्यक्रम संभव हो सका। केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना ने महिलाओं को कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर व्यवसाय में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। श्रवण आरोग्यम एपेक्स चेयरमैन रमेश हरण ने साधु भगवंतों के स्वास्थ्य की सेवा से जुड़े कार्यों की आवश्यकता पर बल दिया और जीतो नवकार दिवस की सफलता को उनके आशीर्वाद से जुड़ा बताया। एपेक्स सेक्रेटरी श्रीपाल बछावत ने कहा, महिला विंग ने पहला और अहम कदम उठाया अवसर को पहचाना और उसे अपनाया। मुख्य वक्ता भरत ओसवाल, जीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और बोट्री के चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर ने महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करते हुए कहा कि आज महिलाएं निर्णय निर्माता बन चुकी हैं, और स्मार्ट पिचिंग के जरिए निवेशक स्वयं आकर्षित होते हैं। इसके बाद कन्वीनर नीलम सांड और भाविका कोठारी द्वारा संचालित टॉक शो में दो प्रेरणादायक महिला उद्यमियों श्रुति चाँद अग्रवाल (संस्थापक, नारिका) और शेफाली बाफना (संस्थापक, द रैप्ड हार्ट्स) ने अपने अनुभव साझा किए। उनकी कहानियाँ नवाचार, रणनीति और साहस का प्रतीक रहीं। कार्यक्रम में ऑडियंस इंटरेक्शन के लिए रैपिड-फायर राउंड और अनिता पिरगल द्वारा प्रायोजित लकी ड्रा भी रखा गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों में डेप्युटी इन चार्ज सोनल जैन, एपेक्स चेयरपर्सन शीतल दुगड़, बेंगलूरु साउथ चेयरमैन रंजीत सोलंकी, साउथ चेयरमैन विमल कटारिया, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, विजय सिंघवी, नॉर्थ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, और अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। महेश नाहर (केकेजी जोन, जेएटीएफ के चीफ सेक्रेटरी), बिन्दु रायसोनी (एपेक्स कन्वीनर स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस), मोनिका पिरगल (सीएफई एपेक्स वाइस चेयरपर्सन), कविता जैन (एपेक्स सेक्रेटरी माइनॉरिटी), नेमीचंद दलाल (जीतो महिला विंग कन्वीनर बेंगलूरु नॉर्थ), सुमन वेद मुथा, लता बोहरा, सुमन रांका सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन मुख्य सचिव नॉर्थ रक्षा छाजेड़ ने किया। मुख्य सचिव साऊथ निधि पालरेचा ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया।

सिटी रेलवे स्टेशन पर कुर्सी एवं वाटर कूलर का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत कन्या सुरक्षा बेंचेस एवं समृद्ध राष्ट्रीय योजना के तहत वॉटर कूलर का उद्घाटन क्रांतिवीर संगोली रायण्णा रेलवे स्टेशन पर अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा द्वारा किया गया। रेलवे स्टेशन पर 60 चेयर्स का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा ने तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के श्रम का उल्लेख एवं कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विजयनगर मंडल अखिल भारतीय द्वारा दिए गए सभी कार्यों एवं आयामों को पूर्ण करने हेतु पूरी निष्ठा के साथ सदैव तत्पर रहता है। मंडल को भविष्य में इसी तरह काम करने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि विजयनगर मंडल काफी अच्छा कार्य कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने अभातेममं से संचालित चार आयामों की जानकारी दी। समृद्ध राष्ट्रीय योजना की राष्ट्रीय

संयोजिका वीणा बैद एवं राष्ट्रीय परामर्शिका लता जैन ने मंडल के कार्यों की भूरि – भूरि प्रशंसा की। रेलवे डीसीएम निवेदिता, स्टेशन मास्टर रमेश, रेलवे ऑफीसर समांथा रेड्डी ने कहा मंडल एक बहुत अच्छा काम कर रही है। यह स्टेशन बेंगलूरु का सबसे पुराना स्टेशन है और लगभग 90 प्रतिशत यात्रियों का आवागमन इसी स्टेशन से होता है। आगे ऐसा कोई भी काम है तो रेलवे मंडल के साथ भविष्य में काम करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम में महासभा से प्रकाश लोढा, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, मंडल की निवर्तमान अध्यक्षा प्रेम भंसाली, विजयनगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अणुव्रत समिति से चंद्रशेखर, संघ संवाद से जितेंद्र घोषल, अशोक नागोरी एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मेघना हिरण एवं आभार ज्ञापन संयोजिका बरखा पुगलिया ने किया। इस कार्य में पूर्व सभा गाँधीनगर संगठन मंत्री प्रकाश मांडोत का विशेष श्रम सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सहयोग हेतु प्रायोजक परिवार का सम्मान मंडल द्वारा किया गया।

राजाजीनगर संघ की वार्षिक आम सभा आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर की कार्यकारिणी बैठक स्थानक भवन में सुसम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने स्वागत भाषण द्वारा सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। तत्पश्चात संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने बैठक के मुख्य बिंदुओं की जानकारी प्रदान की। मुख्य रूप से, तप कौमुदी साध्वी निर्मला के आगामी चातुर्मास की तैयारियों पर चर्चा हुई। मंत्री ने समस्त सदस्यों से तन मन धन से सहयोग का विनम्र निवेदन किया। बैठक में आगामी 2 जुलाई को होने वाले चातुर्मासिक प्रवेश से संबंधित व्यवस्थाओं व सुझावों पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में भंवरलाल चोरड़िया,

मिश्रीमल कटारिया, जम्बूकुमार दुग्गड़, किशोरकुमार दलाल, कनकराज चोरड़िया, गौतम मेहता, भागचंद गुगलिया, महेंद्रकुमार धोका, पारसमल भलगट, जयवंतराज मुणोत, संपतराज चाणोदिया, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, मंत्री नमित कोठारी सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्यगण उपस्थित रहे। संघ कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने गत चातुर्मास का आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। यह भी सूचित किया गया कि संघ की वार्षिक आम सभा रविवार को स्थानक भवन में आयोजित की जाएगी। पदमचंद भूरट ने मंगलपाठ प्रदान किया।

धन्यवाद ज्ञापन सह-मंत्री राकेश दलाल द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक का संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सरकार से जैन विकास निगम की स्थापना और अनुदान की मांग

29 से प्रदर्शन की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन डेवलपमेंट फोरम और अन्य संस्थाओं के गठजोड़ द्वारा शनिवार को कर्नाटक सरकार से अल्पसंख्यकों को मिलने वाले अधिकारों और सुविधाओं में जैन समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। फोरम के ललित डाकलिया ने बताया कि प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में हमारी सात महत्वपूर्ण मांगों को उठाया गया, जिसमें प्रथम जैन विकास निगम की स्थापना करें और हर साल जैन विकास निगम को 200 करोड़ रुपये आवंटित करना शामिल था। प्रेसवार्ता में सर्वप्रथम इन्दरमल नाहर ने सभी पत्रकारों का स्वागत किया और सभी सदस्यों का परिचय करवाया। पूर्व पार्षद कविता जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। बाबूभाई मेहता, महेश जैन और अन्य सदस्यों ने समाज की ओर

से दूसरी मांग कर्नाटक सरकार के 414 अल्पसंख्यक छात्रावासों, 314 पुराने और 100 नए में प्रत्येक जिले में एक और जैन आबादी वाले जिलों में और शैक्षिक केंद्रों वाले शहरों में दो छात्रावास जैन समुदाय के लिए आरक्षित हों और जहां केवल शाकाहारी छात्रावास हों वहां 50 प्रतिशत आरक्षण जैन छात्रों के लिए रखा जाए। तीसरी और चतुर्थ मांग के रूप में अब तक कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम और कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद पर जैन समुदाय को स्थान नहीं मिला है। इसलिए अध्यक्ष पद जैन समुदाय को दिया जाए। साथ ही निगम में जैन निदेशकों की नियुक्ति नहीं हुई है, अतः तुरंत दो जैन निदेशकों को नियुक्त करने की विनती है। निगम का अध्यक्ष पद सभी अल्पसंख्यक समुदायों को मिले, इसके लिए नियम बनाया जाए। साथ ही आयोग में जैन सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है, इसलिए तुरंत जैन सदस्यों को आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाए। पांचवें में अल्पसंख्यक विभाग में केवल 5 प्रतिशत आरक्षण जैन समुदाय को है, इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने की मांग की गई। छठी मांग में प्राचीन जैन मन्दिरों, उपाश्रयों, स्थानकों और बस्तियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए सख्त कानून लाया जाए। सभी प्राचीन मन्दिरों और बस्तियों की संपत्तियों का सर्वेक्षण करके अतिक्रमण वाली प्राचीन जैन समाज की सम्पत्तियों से अतिक्रमण हटाने के लिए सरकार विशेष कानूनी व्यवस्था करे।

सातवीं मांग में राज्य में मौजूद सभी प्राचीन जैन मन्दिरों और बस्तियों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति और सोलर लाइट की व्यवस्था की जाए। प्रेस वार्ता में जैन डेवलपमेंट फोरम के चेयरमैन इन्दरमल नाहर, अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, महामंत्री ललित डाकलिया, पूर्व पार्षद कविता जैन, महेश जैन, सुशील तलेसरा, पंचेश आनेकर आदि प्रतिनिधि शामिल थे। सदस्यों ने कहा कि सरकार को कई बार पत्र लिखकर और संघर्ष करने के बावजूद जैन समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांगों को सरकार ने पूरा नहीं किया है। इसलिए अब हम मजबूरी में 29 और 30 तारीख को फ्रीडम पार्क (बेंगलूरु) सत्याग्रह शुरू करने जा रहे हैं। केवल कुछ समुदायों को ही अल्पसंख्यक मानकर और जैन समुदाय के साथ भेदभाव करते हुए कार्य किया जा रहा है। इस तरह सभी महत्वपूर्ण पदों में सरकार ने एक भी पद जैन समुदाय को नहीं दिया है। अल्पसंख्यक आयोग में भी जैन समुदाय को कोई स्थान नहीं मिला। अध्यक्ष पद तो दूर की बात किसी भी विभाग में जैन समुदाय को सम्मान और स्थान नहीं दिया जा रहा है। अल्पसंख्यक विभाग की योजनाओं में केवल 5 प्रतिशत आरक्षण ही जैन समुदाय को दिया गया है, सरकार जैन समुदाय की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। सभी अल्पसंख्यक धर्मों का विकास हो। हमारा यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

कन्या विकास स्तम्भ के निर्माण हेतु भूमि पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं कन्या विकास योजना के अंतर्गत कन्या विकास स्तम्भ के निर्माण हेतु सुभाष चंद्र बोस उद्यान पार्क में स्तंभ के भूमि पूजन का कार्य आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा सरिता डागा ने की एवं गरिमामयी उपस्थिति महामंत्री नीतू ओस्तवाल की रही। मुख्य अतिथि के रूप में अभातेमम की पूर्व महामंत्री वीना बैद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य लता जैन, निवर्तमान अध्यक्षा प्रेम भंसाली, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, मंत्री संजय भटेवरा, दिनेश पोकरणा, विकास बाठिया, धनराज छाजेड़, अभिषेक कावड़िया, धीरज भादानी, मंडल की परामर्शिका, कार्यकारिणी सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। भूमि पूजन का कार्य युवक परिषद द्वारा जैन विधि विधान से संपन्न हुआ। विजयनगर मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। वीना बैद ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। लता जैन ने आगामी कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने आभार व्यक्त किया।

विहार सेवा में लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया के कुशल नेतृत्व एवं विहार सेवा संयोजक पंकज बोहरा, सचिन हिंगड़ के जागरूकता से एक साथ लगभग एक समय पर चार-चार सिंघाडो की रास्ते की सेवा करके अपने विहार सेवा के दायित्व को पूर्ण जागरूकता एवं सजकता के साथ कर श्रावक समाज में एक मिसाल कायम की है। सभी साधु साध्वियों के मुखारविंद से राजाजीनगर विहार सेवा टीम की प्रशंसा होती आ रही है, लेकिन आज यह टीम पूरे समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी है। इस टीम ने अब तक लगभग 790 किलोमीटर तक की विहार सेवा में लाभ लिया। इस मौके पर तेयुप राजाजीनगर के विहार सेवा संयोजक पंकज बोहरा, सहसंयोजक सचिन हिंगड़ एवं रनित कोठारी, अभिषेक पिपाड़ा, महेंद्र मुथा, विक्रम बोहरा, जयंतीलाल गांधी, हर्ष कोठारी आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर कर्नाटक में अणुव्रत की दो दिवसीय संगठन यात्रा सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय पदाधिकारी उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा के नेतृत्व में संगठन मंत्री राजेश चावत, राज्य प्रभारी केसरी चंद गोलेछा और सुरेश कोठारी द्वारा उत्तर कर्नाटक में संगठन यात्रा पूर्ण हुआ। जिसका उद्देश्य अणुव्रत के बारे में जानकारी देना था। अणुव्रत किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय से जुड़ा नहीं है। अणुव्रत में सभी जाति के सदस्य बन सकते है, जो अणुव्रत की आचार संहिता के ग्यारह नियमों को स्वीकार करते हैं। अणुव्रत नियमों में किसी भी धर्म का नाम नहीं है। अणुव्रत जन जन का धर्म है मानव कल्याणक का उपक्रम है। इस यात्रा के प्रथम दिवस में हुब्बल्ली, गदग, कोप्पल, होसपेट समेत अन्य क्षेत्रों में संगठन यात्रा पूर्ण हुई। जिसमें सभी क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ता का सहयोग मिला। इस यात्रा में गदग, कोप्पल के नए समिति का गठन हुआ। जिसमें गदग से दिनेश सकेलचा अध्यक्ष बने एवं कोप्पल से दिनेश संचेती अध्यक्ष बने।

बेटी प्रेमी के साथ भागी : एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने निराशा में झील में कूदकर की आत्महत्या

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में एक भयावह घटना घटी है, जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने अपनी बड़ी बेटी के घर से चले जाने के बाद आत्महत्या कर ली है। महादेवस्वामी, उनकी पत्नी मंजुला और उनकी छोटी बेटी ने एच.डी. कोटे तालुक के बुदनूर झील में कूदकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि महादेवस्वामी की बड़ी बेटी अर्पिता भी अपनी बड़ी बेटी के घर से चले जाने के बाद घर से चली गई। बुदनूर झील के किनारे एक बाइक और तीनों की चप्पलें मिलीं। तीनों लापता सदस्यों की गहन तलाश की जा रही है। एच.डी. कोटे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

राज्य में 35 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, पिछले एक सप्ताह में कोविड पॉजिटिव मामलों में मामूली वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शनिवार को कहा कि कुल 35 लोगों में कोविड की पुष्टि हुई है, जिसमें अकेले बेंगलूरु में 32 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। शहर में मीडिया को जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों को कोविड के आने से घबराने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कोविड तकनीकी समिति ने बैठक कर राज्य में पाए गए कोविड मामलों पर चर्चा की। हमने एहतियाती कदम उठाए हैं। हम केंद्र सरकार के संपर्क में भी हैं। देश में कुल 257 मामले दर्ज किए गए हैं। जिन लोगों में कोविड की पुष्टि हुई है, उनमें हल्के लक्षण हैं। इसके अलावा कोई गंभीर समस्या नहीं पाई गई है। सांस की समस्या और एसएआरआई मामलों वाले लोगों के लिए कोविड जांच अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। दिनेश गुंडू राव ने कहा कि जिन अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों वाले लोग भर्ती हैं, वहां से नमूने एकत्र किए गए हैं और अनिवार्य रूप से कोविड जांच की गई है।

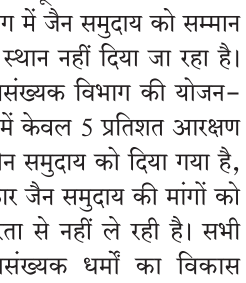

लोकतांत्रिक व्यवस्था में गुंडागर्दी नहीं चल सकती: सी.टी. रवि

निजामगिरी प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि प्रियांक खड़गे ने खुद कहा, निजाम का फतवा 1948 में पारित हुआ था। आप निजाम के वारिस नहीं हैं, लोकतंत्र में निजामवाद दिखाने की कोशिश न करें। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में गुंडागर्दी नहीं चल सकती। लोकतंत्र और गुंडागर्दी एक साथ नहीं चल सकते।

एक विपक्षी पार्टी के नेता को राज्य का छाया मुख्यमंत्री कहा जाता है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ आपका अत्याचार लोकतंत्र के खिलाफ अत्याचार के समान है। हमेशा संविधान की बात करने वाले प्रियांक खड़गे क्या यह संविधान का सम्मान करने जैसा कार्य है? क्या आपको

घटना के बाद पद्म विभूषण देना चाहिए था? उन्होंने इस पर आपत्ति जताई कि ऐसा करके आप यह कह कर हमले को उचित ठहरा रहे हैं कि यह हमला आपने ही किया है। सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी अधिक होती है। अपना व्यवहार जिम्मेदाराना रखें। यदि आप स्वाभाविक रूप से नाराज हैं, तो आपके पिता, जो कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं, को उस समय चुनाव से बाहर रखा गया, जब वे केरल के वायनाड में अपना नामांकन दाखिल करने जा रहे थे। आपको तब नाराज होना चाहिए था। उन्होंने याद दिलाया कि वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को नामांकन प्रक्रिया के दौरान बाहर असहाय छोड़ दिया गया था। यद्यपि हम कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं हैं, फिर भी हमें यह देखकर दुख हुआ कि कांग्रेस पार्टी ने मल्लिकार्जुन खड़गे की राजनीतिक वरिष्ठता और उनकी बढ़ती उम्र दोनों का सम्मान नहीं किया। अगर प्रियांक खड़गे ने उस समय गुस्सा दिखाया होता तो वह स्वाभाविक गुस्सा होता। आइए देखें, आपकी पार्टी के एक प्रमुख नेता ने जब कहा कि हम भविष्य में संविधान बदल देंगे, तो क्या आपने उस पर अपना आक्रोश व्यक्त किया था। यह एक स्वाभाविक आक्रोश होता, संविधान के प्रति चिंता से उत्पन्न आक्रोश। लेकिन उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। क्या अब आप अपने निजाम को दिखाने जा रहे हैं? निजामशाही कायम नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि अब जो अस्तित्व है वह लोकतंत्र है। यदि आप अपना निजामशाही व्यवहार त्याग देंगे तो लोकतंत्र में उन्नति होगी। यदि आप निजामशाही वंश का आचरण जारी रखेंगे तो आपका विकास नहीं होगा। उदाहरण के लिए, सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल पराजित हो गया और देश ने आपातकाल का जवाब दिया। अगर किसी को लगता है कि वे अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर सकते हैं और सभी सेनानियों को खत्म कर सकते हैं। आपकी सत्ता कब तक रहेगी, आप कब तक सत्ता में रहेंगे? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सत्ता स्थायी है?

कर्नाटक के 6 जिलों में भारी बारिश के साथ रेड अलर्ट, तटीय इलाकों में हाई अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तटीय और मलनाड क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना के कारण शनिवार को कर्नाटक के छह जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट वाले जिलों में उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, कोडागु, शिवमोग्गा और चिक्कमगलुरु शामिल हैं। बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, हासन, मांड्या और मैसूरु जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि बेंगलूरु सहित शेष जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मेंगलूरु में भारी बारिश हो रही है, जो शुक्रवार रात से लगातार जारी है। मेंगलूरु शहर और जिले में बारिश जारी है, जिसमें बेल्टांगडी, पुत्तूर, बंटवाल और सुलिया तालुका शामिल हैं। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि अगले चार दिनों में इस क्षेत्र में भारी बारिश जारी रहेगी।

पूर्वानुमान के अनुसार, कर्नाटक में अगले 4-5 दिनों में भारी बारिश होने की उम्मीद है। बेंगलूरु में बादल छाए रहने की सूचना मिली है और बारिश की संभावना है।

हालांकि, शहर में बारिश में कुछ कमी देखी गई है और पिछले तीन दिनों में कोई खास बारिश दर्ज नहीं की गई है। बेंगलूरु में बारिश हल्की और छिटपुट रहने की संभावना है, जबकि तटीय, मलनाड और राज्य के उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश की उम्मीद है। कुछ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट 26 मई तक है। तटीय कर्नाटक में राज्य में सबसे भारी बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने 29 मई तक केरल और कर्नाटक में भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

अरब सागर में हवा की गति बढ़ने और समुद्र की खराब स्थिति के कारण ऊंची लहरें देखी गई हैं। उत्तर कन्नड़ जिला प्रशासन ने समुद्र में गए मछुआरों को वापस लौटने की सलाह दी है और मछली पकड़ने की गतिविधियों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। आईएमडी के अनुसार, अगले पांच दिनों में कर्नाटक में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों में 29 मई तक गरज के साथ बारिश की संभावना है।

आम जनता आज से विधान सौधा देख सकेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधानमंडल के इतिहास में पहली बार, विधान सौधा निर्देशित पैदल यात्रा कार्यक्रम का रविवार को उद्घाटन किया जाएगा, जिसके तहत जनता को विधान सौधा और असेंबली हॉल की भव्यता देखने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, पर्यटन विभाग तथा विधायी कार्य मंत्रालय की साझेदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे विधान सौधा बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। विधान सौधा बेंगलूरु शहर के आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक है और हाल के दिनों में, बेंगलूरु आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटक विधान सौधा को देखने के लिए उत्सुक रहते हैं।

फ्लाईओवर पर हुई दुर्घटनाओं में कचरा ट्रक चालक की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हेब्बाल यातायात पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कोडिगेहल्ली फ्लाईओवर पर शनिवार सुबह तीन वाहनों के बीच हुई दुर्घटनाओं में एक कचरा ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बीबीएमपी कचरा ट्रक चालक जैन अहमद (25) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला था। दुर्घटनाओं में घायल क्लीनर मरघुब रजा (23) का विक्टोरिया अस्पताल में इलाज चल रहा है और लॉरी चालक हरीश (36) का येलहांका केके अस्पताल में इलाज चल रहा है। सुबह बीबीएमपी का एक कचरा ट्रक बीबी रोड पर कोडिगेहल्ली फ्लाईओवर पर ब्रिगेड मैग्नम के पास खराब हो गया, और चालक फैजान अहमद और क्लीनर रघुब रजा इसकी मरम्मत कर रहे थे। इसी मार्ग से सुबह करीब 1.40 बजे खदान के पत्थर से लदी एक ट्रक गुजर रही थी।

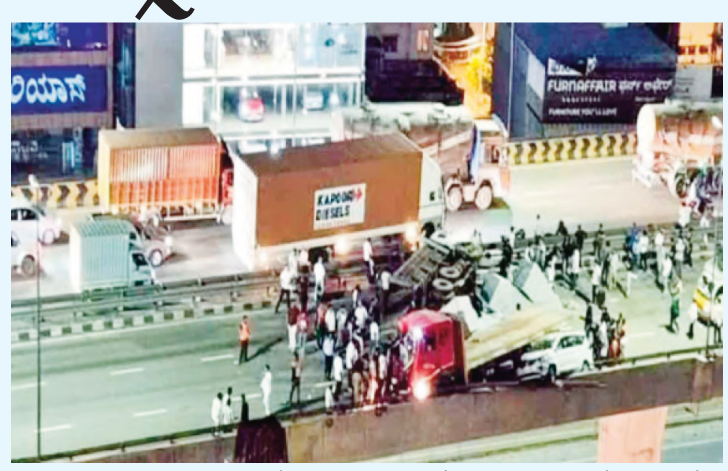

चालक की अत्यधिक गति और लापरवाही के कारण ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क के दाहिनी ओर खड़े बीबीएमपी के कचरा ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद कार सड़क के बाईं ओर चली गई और पीछे से आ रही एक अर्टिगा कार से टकरा गई, जिससे कार फ्लाईओवर बैरियर से टकरा गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब अर्टिगा कार का चालक, जो हवाई अड्डे से यात्रियों को लेकर आ रहा था, उसी फ्लाईओवर से सरजापुर की ओर जा रहा था। दुर्घटना के कारण बीबीएमपी का कचरा ट्रक पलट गया, जिससे चालक के सिर में गंभीर चोट आई। बाद में लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए एंबुलेंस से बैपटिस्ट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की और रास्ते में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। टक्कर के कारण कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन सौभाग्य से कार में सवार लोग सुरक्षित बच गए। खबर मिलते ही हेब्बाल यातायात पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और फ्लाईओवर का निरीक्षण किया।

चूंकि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों को सुबह ही हटा दिया गया था, इसलिए सुबह इस मार्ग पर वाहन सामान्य रूप से चलते देखे गए। ट्रक की टक्कर के कारण खदान के पत्थरों के बड़े-बड़े टुकड़े सड़क पर लुढ़क गए। प्रारंभिक पुलिस जांच से पता चला है कि यह दुर्घटना पत्थरों से भरे ट्रक के चालक द्वारा अत्यधिक गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

कुवेम्पु विश्वविद्यालय ने बीए के छात्रों को गलत प्रश्न पत्र मिलने के बाद परीक्षा स्थगित की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुवेम्पु विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ आर्ट्स के छात्र कन्नड़ वैकल्पिक पेपर की छठे सेमेस्टर (एनईपी बैच) की परीक्षा में शामिल हो रहे थे, कि उन्हें गलत प्रश्न पत्र मिलने पर वे सदमे में आ गए।

परीक्षा शनिवार सुबह 9 से 11 बजे के बीच निर्धारित थी। छात्रों को पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार प्रश्न पत्र दिए गए, जिससे वे अनभिज्ञ रह गए। छात्रों ने इस बारे में परीक्षा पर्यवेक्षकों और संबंधित

कॉलेजों के प्राचार्यों को बताया, जिन्होंने बाद में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (परीक्षा) को सूचित किया। कॉलेजों की शिकायतों के बाद, विश्वविद्यालय ने उस दिन निर्धारित परीक्षा स्थगित कर दी। छात्रों को उत्तर पुस्तिकाएं और प्रश्न पत्र वापस करते हुए कमरे से बाहर जाने को कहा गया। कुवेम्पु विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (मूल्यांकन) प्रो. एस.एम. गोपीनाथ ने बताया कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है और अगली तारीख जल्द ही तय की जाएगी। उन्होंने कहा बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स (इए) के अध्यक्ष की लापरवाही के कारण छात्रों को गलत प्रश्नपत्र प्राप्त हुआ। प्रश्नपत्र गोपनीय तरीके से तैयार किए जाते हैं। इए के अध्यक्ष प्रश्नपत्र को अंतिम रूप देते हैं और अंतिम प्रिंट के लिए जाने से पहले ड्राफ्ट की जांच करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होती है। अध्यक्ष की लापरवाही के कारण छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रजिस्ट्रार ने आगे कहा कि वे दोषी अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगेंगे, कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे और जवाब मांगेंगे। उन्होंने कहा हम इस घटना के लिए दोषी अधिकारी को जिम्मेदार ठहराएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। शिवमोग्गा और चिक्कमगलूरु के कॉलेज कुवेम्पु विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

नारायणस्वामी ने कलबुर्गी एसपी के खिलाफ सत्ता के दुरुपयोग की शिकायत की

विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी टी. नारायणस्वामी ने विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी से संपर्क कर कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की अनुमति मांगी। चूंकि होराट्टी कार्यालय में नहीं थे, इसलिए नारायणस्वामी ने उनसे फोन पर बात की और विधान सौधा के निजी सचिव को प्रस्ताव सौंपा। नारायणस्वामी ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की है कि 21 तारीख को कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में 'तिरंगा यात्रा' कार्यक्रम में जाने के दौरान उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया और उन पर हमला करने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कलबुर्गी के एसपी अदूर श्रीनिवासुलु और अतिरिक्त एसपी महेश

मेघनावर, डीएसपी शंकर गौड़ा पाटिल, सीपीआई के चंद्रशेखर थिगड़ी, नटराज लाडा और अन्य अधिकारी चुप रहे और इस शर्मनाक कृत्य में भाग लिया, अपने कर्तव्यों का पालन इस तरह से किया जिससे विपक्ष के नेता की स्थिति से समझौता हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले राजनीति से प्रेरित गुंडे चित्तपुर के एक गेस्टहाउस के परिसर में इकट्ठा हुए और मुझे छह घंटे तक अवैध रूप से हिरासत में रखा और मुझ पर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस, जो मेरे बचाव में नहीं आई, ने मेरे अधिकारों का हनन किया है।

बीबीएमपी के मुख्य अभियंता प्रहलाद बी-स्माइल में निदेशक के पद पर नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने बीबीएमपी के मुख्य अभियंता के पद को बेंगलूरु स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (बी-स्माइल) के निदेशक (तकनीकी) के साथ विलय करने की घोषणा की है।

सरकारी आदेश के अनुसार, बीबीएमपी के मुख्य अभियंता पद पर कार्यरत बीएस प्रहलाद को अब तत्काल प्रभाव से बी-स्माइल का निदेशक (तकनीकी) नियुक्त किया गया है। आदेश में कहा गया है कि यह पद बीबीएमपी के प्रधान अभियंता के समकक्ष होगा। प्रहलाद मुख्य अभियंता (सड़क अवसंरचना) और मुख्य अभियंता (तूफान जल निकासी) के पदों पर रहते हुए मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे।

नए विलय का मतलब अनिवार्य रूप से बीबीएमपी में मुख्य अभियंता के पद को खत्म करना और अन्य दो पदों पर संभावित नए लोगों की नियुक्ति करना होगा। कर्नाटक बजट, 2025-26 के दौरान, सरकार ने हर साल 7,000 करोड़ का अनुदान आवंटित करके बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे को विकसित

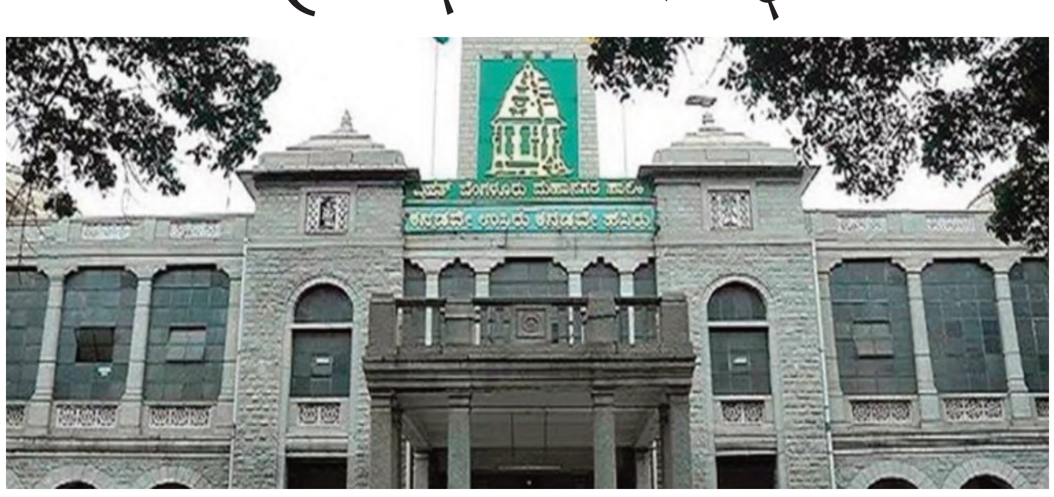

करने की अपनी मंशा व्यक्त की। बी-स्माइल का गठन शहर में प्रमुख विकास कार्यों को लागू करने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में किया गया था और इस महीने की शुरुआत में एक आदेश के माध्यम से इसे लागू किया गया था।

यह उम्मीद की जाती है कि राज्य सरकार एसपीवी के माध्यम से एलिवेटेड फ्लाईओवर, सड़कों की सफेदी आदि जैसी परियोजनाओं का निर्माण करेगी। नवीनतम आदेश में उल्लेख किया गया है कि एसपीवी को तत्काल पूर्णकालिक निदेशक (तकनीकी) के पद की आवश्यकता है, और इसलिए, विलय किया गया। चूंकि ग्रेटर बेंगलूरु अधिनियम अस्तित्व में आ गया है, इसलिए चार महीने के भीतर बीबीएमपी को विभाजित करने और ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन अधिनियम-2024 के तहत नए नगर निगम बनाने का प्रस्ताव है। तदनुसार, बीबीएमपी के मुख्य अभियंता के पद को पूर्णकालिक आधार पर बी-स्माइल के निदेशक (तकनीकी) के साथ विलय करने का निर्णय लिया गया है।

विजय परेड का वीडियो वायरल होने के बाद हनागल सामूहिक बलात्कार के आरोपी वापस सलाखों के पीछे

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। हनागल सामूहिक बलात्कार मामले में हाल ही में जमानत पर रिहा हुए सात मुख्य आरोपियों को वापस जेल भेज दिया गया है। इन आरोपियों का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे अपनी रिहाई का जश्न रोड शो और डीजे संगीत के साथ मना रहे थे। अदालत द्वारा उनकी जमानत रद्द किए जाने के बाद पुलिस ने सभी सातों को फिर से गिरफ्तार कर लिया है।

हाई-प्रोफाइल सामूहिक बलात्कार मामले में जमानत मिलने के तुरंत बाद, आरोपी - आफताब चंदनकट्टी, मदरसाब मंडक्की, समीवुल्ला लालनवर, मोहम्मद सादिक अगासिमानी, शोएब मुल्ला, तौसीफ चोटी और रियाज साविकेरी - तीन दिन पहले हावेरी उप-जेल से रिहा हो गए। चौंकाने वाले घटनाक्रम में, उन्होंने लगभग 30 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर अक्कीहाल में डीजे संगीत के साथ कारों और बाइकों के काफिले में परेड की और रास्ते में विजय चिन्ह दिखाते हुए जुलूस निकाला।

10 से अधिक कारों और 30 बाइकों से युक्त उनके जश्न के जुलूस को रिकॉर्ड किया गया और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। वायरल वीडियो ने न्यायपालिका को त्वरित कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया, जिसके तहत अदालत ने सभी सात आरोपियों की जमानत रद्द कर दी। जवाब में, हावेरी पुलिस ने उन्हें वापस हिरासत में ले लिया और उन्हें उप-जेल में वापस भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार एस के अनुसार, अदालत ने जमानत शर्तों के उल्लंघन के आधार पर जमानत रद्द कर दी। उन्होंने कहा सात आरोपियों, जिन्होंने हाल ही में सामूहिक बलात्कार मामले में जमानत हासिल की थी, ने एक गैरकानूनी जश्न मनाने वाले जुलूस में भाग लिया और जमानत मानदंडों का उल्लंघन किया।

उन सभी के खिलाफ हनागल पुलिस स्टेशन में उनके नाम पर उपद्रवी पत्रक हैं।

अवैध जुलूस निकालने के लिए अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 189(2), 191(2), 281, 351(2), 351(3) और 190 के तहत मामला दर्ज किया गया है। हनागल पुलिस ने विस्तृत समीक्षा के बाद वीडियो में सभी आरोपियों की पहचान की पुष्टि की है। सामूहिक बलात्कार का मामला 8 जनवरी, 2024 का है, जब एक जोड़ा हावेरी के एक निजी होटल में ठहरा हुआ था। आरोपियों ने होटल से 26 वर्षीय महिला का अपहरण किया और उसे पास के जंगल में ले गए, जहाँ उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने मामले के सिलसिले में 19 संदिग्धों को गिरफ्तार किया। जबकि उनमें से 12 को लगभग दस महीने पहले जमानत दे दी गई थी, सात मुख्य आरोपियों की जमानत याचिका बार-बार खारिज कर दी गई थी।

हालांकि, तीन दिन पहले, हावेरी की अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत ने शेष सात को जमानत दे दी, जिसमें पीड़िता द्वारा उन्हें पहचानने में असमर्थता और मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए अपने बयान को बरकरार रखने में विफलता का हवाला दिया गया।

दिल को छू लेने वाली घटना वायरल

घायल बंदर अस्पताल में पहुंचा, दर्द का इशारा किया, इलाज के बाद शांति से चला गया

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। एक उल्लेखनीय और दिल को छू लेने वाली घटना वायरल हुई है, जिसमें दर्द से कराहता हुआ एक बंदर बागलकोट जिले के एक पशु चिकित्सालय में घुसा, हाथ के इशारों से डॉक्टर को अपनी चोट बताई, उपचार कराया और शांति से चला गया।

इस घटना ने स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह असामान्य घटना इल्कल तालुक के गुडूर में एससी पशु चिकित्सा अस्पताल में हुई। कथित तौर पर अपने गुदा क्षेत्र के पास गंभीर दर्द से पीड़ित बंदर अपने आप अस्पताल में घुसा और हाथ के इशारों से प्रभावित क्षेत्र की ओर इशारा किया - पशु चिकित्सक को अपनी परेशानी का स्रोत बताया।

बंदर का इलाज करने वाले पशु चिकित्सा निरीक्षक डॉ. जीजी बिल्लोरे ने कहा एक बंदर को अस्पताल में घुसते और इशारों से अपना दर्द व्यक्त करते देखना वाकई आश्चर्यजनक था। हमने तुरंत उसके गुदा क्षेत्र को प्रभावित करने वाली स्थिति का इलाज शुरू कर दिया। उपस्थित कर्मचारियों के अनुसार, आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने के बाद, बंदर आराम से और शांत तरीके से अस्पताल से चला गया। इस घटना ने बंदर की बुद्धिमत्ता और पशु चिकित्सा कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया के लिए व्यापक प्रशंसा जगाई है। स्थानीय लोगों ने बंदर के व्यवहार को अविश्वसनीय पशु बुद्धिमत्ता का उदाहरण बताया है, और डॉ. बिल्लोरे की समय पर की गई कार्रवाई की व्यापक रूप से सराहना की गई है।

कोर्ट ने अंतरिम कुलपति के रूप में डॉ. मीरा बी.के. की नियुक्ति को किया रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति और राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय के अंतरिम कुलपति (वीसी) के रूप में डॉ. मीरा बी.के. की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। हालांकि, हाईकोर्ट ने कुलपति को कानून के अनुसार अंतरिम कुलपति नियुक्त करने की स्वतंत्रता दी है। न्यायमूर्ति आर. नटराज ने हाल ही में एक आदेश पारित कर महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय के मानविकी और उदार कला विद्यालय के निदेशक

डॉ. टीएम मंजूनाथ द्वारा दायर याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया, जिसमें महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. मीरा को अंतरिम कुलपति नियुक्त करने संबंधी 28 मार्च को कुलपति द्वारा जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई थी। डॉ. उषादेवी सी. की सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया है। याचिकाकर्ता ने कुलपति को उन्हें अंतरिम कुलपति नियुक्त करने का निर्देश देने की मांग की है। हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की यह दलील कि उन्हें अकेले ही अंतरिम कुलपति नियुक्त किया जाना चाहिए, पर विचार नहीं किया जा सकता, क्योंकि कुलपति को राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 की धारा 16(2) के तहत अंतरिम कुलपति की नियुक्ति पर विचार करने की स्वतंत्रता है। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता पात्र है, तो कुलपति कानून के अनुसार याचिकाकर्ता की नियुक्ति पर विचार कर सकते हैं।

लोकायुक्त ने मेंगलूरु के पिलिकुला में औचक निरीक्षण किया, प्रशासनिक खामियां पाईं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त, मेंगलूरु डिवीजन की एक टीम ने पिलिकुला विकास प्राधिकरण परिसर का औचक निरीक्षण किया और कई प्रशासनिक अनियमितताओं का खुलासा किया। निरीक्षण का नेतृत्व लोकायुक्त पुलिस उपाधीक्षक डॉ. गण पी कुमार और सुरेश कुमार पी ने किया। साथ ही पुलिस निरीक्षक भारती जी और चंद्रशेखर के एन भी थे, जिनके साथ सहायक कर्मचारी भी थे। निरीक्षण के दौरान, टीम ने पाया कि हालांकि पिलिकुला स्थित चिड़ियाघर से

काफी राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन प्राधिकरण इसके विकास के लिए धन का पुनर्निवेश करने में विफल रहा है। यह भी पाया गया कि चिड़ियाघर के कर्मचारियों को कम वेतन दिया जा रहा है और उन्हें कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं दिया जा रहा है। चिड़ियाघर का प्रबंधन वन विभाग को सौंपने के पूर्व आदेशों के बावजूद, प्राधिकरण ने बिना किसी वैध औचित्य के हस्तांतरण में देरी की है। टीम ने यह भी पाया कि प्राधिकरण कुछ संगठनों से बकाया राशि नहीं वसूल रहा है, जिन्हें परिसर के भीतर संपत्ति पट्टे पर दी गई है। निविदा प्रक्रिया में भी अनियमितताएं पाई गईं। कर्नाटक लोकायुक्त, मेंगलूरु संभाग के प्रभारी पुलिस अधीक्षक कुमारचंद्र ने कहा कि लोकायुक्त अधिकारियों ने प्रासंगिक दस्तावेज और साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं तथा एक विस्तृत रिपोर्ट लोकायुक्त केंद्रीय कार्यालय को सौंपी जाएगी।

पुलिस ने बेंगलूरु की सेंट्रल जेल में छापा मारा

कैदियों से प्रतिबंधित सामान बरामद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पूर्व डिवीजन की पुलिस की एक विशेष टीम ने परप्पना अग्रहारा की सेंट्रल जेल में छापा मारा और औचक निरीक्षण के दौरान कैदियों से प्रतिबंधित सामान जब्त किया। खुफिया जानकारी के आधार पर अधिकारियों की टीम ने कई टीमें बनाईं और अलग-अलग बैरकों में तलाशी ली और दो मोबाइल फोन, एक इंडक्शन स्टोव, 16,500 रुपये नकद और चार चाकू बरामद किए। छापेमारी में

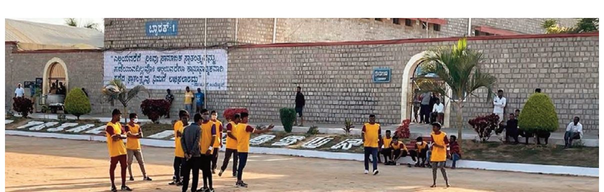

शामिल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बहुस्तरीय सुरक्षा जांच के बावजूद कैदियों से प्रतिबंधित सामान बरामद किया गया।

इस संबंध में परप्पना अग्रहारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर सेंट्रल जेल के जेल अधिकारियों, जेल की सुरक्षा के लिए तैनात कर्नाटक राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारियों और तीन दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनसे प्रतिबंधित सामान जब्त किया गया है। छापेमारी ने एक बार फिर संकेत दिया कि कड़ी सुरक्षा और उन्नत जैमर लगाकर निगरानी बढ़ाने के बावजूद मोबाइल फोन का बेरोकटोक इस्तेमाल किया जा रहा है।

कचरा ढोने वाले ट्रकों ने मेंगलूरु की सड़कों पर फैलाया गंदा पानी

वाहन चालकों को हो रही परेशानी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन के कचरा ढोने वाले वाहन मोटर चालकों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए गंभीर उपद्रव और खतरा बनते जा रहे हैं।

ये कचरा ट्रक, जो पचनाडी डंपिंग यार्ड में कचरा ले जाते हैं, कथित तौर पर शहर की सड़कों से गुजरते समय बदबूदार अपशिष्ट जल लीक कर रहे हैं। इन वाहनों के पीछे चलने वाले मोटर चालकों को ट्रकों के दोनों तरफ से गंदे, बदबूदार पानी के छींटे पड़ने के अप्रिय और अस्वास्थ्यकर

अनुभव का सामना करना पड़ता है। इससे न केवल असुविधा होती है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी पैदा होती हैं। सबसे बड़ी समस्या वाले क्षेत्रों में से एक है पदविनंगडी से पचनाडी रोड की ओर जाने वाला मोड़, जहाँ काफी मात्रा में अपशिष्ट जल फैल जाता है, जिससे यह हिस्सा फिसलन भरा और खतरनाक हो जाता है। लीक होने वाला अपशिष्ट जल पूरे शहर में दुर्गंध फैलाता है और दुर्घटनाओं का जोखिम पैदा करता है, खासकर दोपहिया वाहन सवारों के लिए, जो फिसलन भरी सड़क की सतह पर फिसलने के उच्च जोखिम में होते हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा के लिए स्पष्ट जोखिम के बावजूद, अधिकारियों ने इस मुद्दे को हल करने के लिए कोई प्रभावी उपाय नहीं किए हैं। रिसाव को रोकने के लिए कचरा ले जाने वाले वाहनों को ठीक से सील करने और बनाए रखने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इस समस्या का समाधान न केवल मोटर चालकों की सुरक्षा के लिए बल्कि मेंगलूरु शहर में स्वच्छता और सफाई बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने जन औषधि आदेश पर राज्य सरकार की आलोचना की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने राज्य सरकार पर केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रशासनिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा, राज्य सरकार केंद्र सरकार पर प्रशासनिक दबाव बनाना जारी रखे हुए है। जन औषधि केंद्र पूरे देश में सालाना 2,500 करोड़ रुपये का कारोबार कर रहे हैं। लोगों को बहुत रियायती दरों पर दवाइयाँ मिल रही हैं - 95 रुपये की चीनी की गोलियाँ सिर्फ 5 रुपये में मिल रही हैं और 95 रुपये की कैल्शियम की गोलियाँ 7 रुपये में बेची जा रही हैं। उन्होंने अस्पताल परिसर में चल रहे जन औषधि केंद्रों को बंद करने के राज्य सरकार के निर्देश की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा अगर आप मुफ्त दवाइयां दे रहे हैं, तो जन औषधि केंद्रों को स्वेच्छा से बंद कर दें। आप बंद क्यों कर रहे हैं? यह कदम गरीब मरीजों के लिए बहुत बड़ा झटका है। यह केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल को विफल करने की एक सुनियोजित साजिश है। सीएम सिद्धरामैया और मंत्री दिनेश गुंडू राव, इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। राजनीति के लिए गरीबों को परेशान न करें। भाजपा राज्य सरकार के इस कदम की कड़ी निंदा करती है और इस आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग करती है। हाल ही में ईडी की छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद पुजारी ने स्पष्ट किया ईडी की कार्रवाई में केंद्र सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। ईडी एक स्वायत्त निकाय है, इस तथ्य को एक बार डॉ मनमोहन सिंह ने भी स्वीकार किया था। ईडी दलित और गैर-दलित के बीच अंतर नहीं करता है। यह वित्तीय अपराधों, अवैध संपत्तियों और भ्रष्ट आचरण को लक्षित करता है। इस मुद्दे को जाति या समुदाय के आधार पर कम न करें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को 'मिनी वार' बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद ने कहा, 'इसे 'मिनी वार' कहना हमारे वीर जवानों का अपमान है, जो सीमा पर अपनी जान जोखिम में डालते हैं। वरिष्ठ नेताओं को अपने शब्दों के प्रति अधिक जिम्मेदार होना चाहिए। सीएम सिद्धरामैया को कम से कम विधायक मंजूनाथ कोट्टूर को सलाह देनी चाहिए, जिन्होंने दावा किया है कि उन्होंने चार विमान उड़ाए हैं। ये बयान सरकार और पार्टी को बदनाम कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर संसदीय सत्र बुलाए जाते हैं और जरूरत पड़ने पर युद्ध या राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष सत्र भी बुलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा सभी राजनीतिक दलों ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर केंद्र की प्रतिक्रिया का स्वागत किया है। कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेद और अनुभव की कमी के कारण ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयान आ रहे हैं। जब राष्ट्र की बात आती है, तो हमें एकजुट होना चाहिए। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी को कलबुर्गी में नजरबंद किए जाने की निंदा करते हुए उन्होंने कहा विपक्ष की आवाज को दबाना अलोकतांत्रिक है। क्या यह कांग्रेस का लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान है? क्या दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए लड़ने का दावा करने के बावजूद आप दलित नेता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं? सांसद ने बताया कि बीवाई विजयेंद्र के नेतृत्व में भाजपा ने एक आपात बैठक बुलाई है और जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा नारायणस्वामी पहले ही अपनी पिछली टिप्पणियों के लिए खेद व्यक्त कर चुके हैं। राजनीति में ऐसे कई उदाहरण हैं जहां नेताओं ने माफी मांगी है। लेकिन खेद व्यक्त करने के बाद भी उन्हें हिरासत में लेना अक्षम्य है। बातचीत के बजाय आप धमकियों से आवाज दबा रहे हैं।

विदेश में नौकरी घोटाला

पीड़ितों ने करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया, डेढ़ साल बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के कंकनाडी में एक भर्ती एजेंसी से जुड़े कथित तौर पर बड़े पैमाने पर विदेशी नौकरी धोखाधड़ी मामले में लगभग डेढ़ साल बाद भी कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। एजेंसी द्वारा कथित तौर पर करोड़ों रुपये ठगे गए। पीड़ितों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी निराशा व्यक्त की।

आरोपी की पहचान द लीजेंड आईईएलटीएस के ऑल्विन डी'मेलो के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर विदेश में नौकरी दिलाने का वादा किया था, उम्मीदवारों से बड़ी रकम वसूली थी, लेकिन अपने वादों को पूरा करने या भुगतान वापस करने में विफल रहा। कई व्यक्तियों ने मेंगलूरु में द लीजेंड

आईईएलटीएस एजेंसी के ऑल्विन डी'मेलो पर विदेश में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके उन्हें ठगने का आरोप लगाया है। अनीता नोरोन्हा ने आरोप लगाया कि उन्होंने दुबई में नौकरी के लिए 75,000 रुपये का भुगतान किया था, जो कभी नहीं मिला। ब्रैंडन पिंटो ने दावा किया कि उन्होंने दुबई में वादा किए गए एविएशन जॉब के लिए 1.3 लाख रुपये का भुगतान किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए फर्जी ऑफर लेटर भी मिला और उन्होंने ट्रेनिंग भी ली, लेकिन न तो नौकरी मिली और न ही रिफंड। जैसन डिसूजा ने कहा कि उन्होंने नीदरलैंड में अपने और अपनी पत्नी के लिए क्लेरिकल जॉब के लिए 8.5 लाख रुपये का भुगतान किया था और जब उन्होंने रिफंड मांगा तो उन्हें धमकाया गया। पीड़ितों के अनुसार अब तक करीब 60 लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर सामने आए हैं और अनुमान है कि कुल धोखाधड़ी 15 से 20 करोड़ रुपये के बीच है। पीड़ितों में से एक कैरोल मस्कारेनहास ने कहा मैंने कतर में नौकरी के लिए द लीजेंड आईईएलटीएस से संपर्क किया और वर्ष 2021 में 1.3 लाख रुपये तक का भुगतान किया। अब चार साल से अधिक समय हो गया है और हमें पैसे वापस नहीं मिले हैं।

ईसी की पहल : अब मतदान केंद्र के बाहर मोबाइल जमा कर सकेंगे वोटर

प्रचार नियमों में भी बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। मतदान दिवस की गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाताओं के लिए मोबाइल फोन जमा करने की सुविधा को सुविधाजनक बनाने और मतदान केंद्रों के पास प्रचार मानदंडों को तर्कसंगत बनाने पर केंद्रित दो व्यापक निर्देश जारी किए हैं। ये कदम कानूनी अनिवार्यताओं का पालन करते हुए चुनावी प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने के आयोग के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। शहरी और ग्रामीण दोनों जनसांख्यिकी में मोबाइल फोन के व्यापक उपयोग को देखते हुए

और मतदान के दौरान अपने फोन को संभालने में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) सहित विभिन्न समूहों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों को देखते हुए - ईसीआई ने निर्देश दिया है कि मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा करने की सुविधा स्थापित की जाए। नए दिशा-निर्देशों के तहत, मतदाताओं को मतदान केंद्रों के प्रवेश द्वार के पास रखे गए साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग में अपने मोबाइल फोन जमा करने होंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर मोबाइल फोन को बंद कर देना चाहिए और उसे अंदर नहीं ले जाना चाहिए।

हालांकि, रिटर्निंग अधिकारियों को स्थानीय चुनौतियों के मद्देनजर कुछ मतदान केंद्रों को इस नियम से छूट देने का अधिकार दिया गया है। चुनाव आयोग ने दोहराया कि चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एम, जो मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, का सख्ती से पालन किया जाता रहेगा।

चुनाव के दिन रसद बढ़ाने की एक समानांतर पहल में, आयोग ने प्रचार के लिए अनुमेय मानदंडों को भी युक्तिसंगत बनाया है। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के 100 मीटर के दायरे में अब चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह मतदान स्थल के करीब मतदाताओं पर किसी भी तरह के प्रभाव के खिलाफ एक सख्त रुख को दर्शाता है। अनौपचारिक मतदाता पहचान पर्चियां देने वाले अभियान बूथ अब केवल 100 मीटर की सीमा से आगे ही स्थापित किए जा सकते हैं, जिससे कम दखलंदाजी और अधिक व्यवस्थित मतदान वातावरण सुनिश्चित होगा।

ये उपाय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रावधानों के अनुरूप हैं। वे मतदाता सुविधा को चुनावी कानून के सख्त पालन के साथ संतुलित करने के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ नए निर्देश जारी किए गए। आयोग ने भारत के विशाल मतदाताओं के लिए सुविधाओं को लगातार उन्नत करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सुरक्षा चिंताओं के चलते भद्रवाह में 37 मोबाइल टावर 27 मई तक निलंबित

जम्मू, 24 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर गृह विभाग ने डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में 37 दूरसंचार टावरों पर मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह बंद 27 मई तक प्रभावी रहेगा। सरकारी आदेश संख्या गृह-12 (टीएसटीएस) 2025 के तहत जारी और प्रमुख सचिव चंद्रकेर भारती द्वारा हस्ताक्षरित यह आदेश जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के पहले के निर्देशों की पुष्टि करता है। ये निर्देश दूरसंचार सेवा नियम, 2024 के अस्थायी निलंबन के तहत जारी किए गए थे, जो अधिकृत अधिकारी को राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक शांति के लिए संवेदनशील स्थितियों में तत्काल कार्रवाई करने की अनुमति देता है।

गृह विभाग के अनुसार, अस्थायी दूरसंचार बंद से 2-जी, 3-जी, 4-जी, 5-जी और सार्वजनिक वाई-फाई सुविधाओं सहित सभी मोबाइल डेटा सेवाएं प्रभावित होंगी। आदेश में इन सेवाओं का राष्ट्र-विरोधी तत्वों और बदमाशों द्वारा दुरुपयोग किए जाने की संभावना का हवाला दिया गया है, जिससे संभावित रूप से क्षेत्र में सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है। प्रारंभिक निलंबन 22 मई को रात 8 बजे आईजीपी जम्मू के आदेश संख्या 675 (टीएसटीएस) 2025 के बाद लागू किया गया था। एक सहायक संचार-

पत्र संख्या जेजेड/सीएस/स्नैप-डाउन/2025/678-79- ने संवेदनशील अवधि के दौरान अप्रतिबंधित मोबाइल डेटा एक्सेस से उत्पन्न आसन्न खतरे को रेखांकित किया।

सरकार ने स्पष्ट किया कि स्थिति की तात्कालिकता और गंभीर प्रकृति के कारण इस मामले में सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं थी। यह कदम नए दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत कानूनी प्रावधानों पर आधारित है, जिसे 2024 के निलंबन नियमों के साथ जोड़ा गया है। प्रभावित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को निर्देश दिया गया है कि वे निर्दिष्ट पूरी अवधि के लिए आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें।

सीबीआई की बड़ी कामयाबी

अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी कि सीबीआई ने एक बड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में कुख्यात अपराधी अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित करने में सफलता हासिल की है। भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक पर आरोप है कि उसने शेल कंपनियों का जाल बनाकर ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाले के जरिए अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की चोरी की। बताया जाता है कि उसने धोखाधड़ी से कमाए गए इन पैसों को शेल कंपनियों के माध्यम से भारत और अन्य देशों में ट्रांसफर किया था। सीबीआई ने चंडोक को भारत लाने में काफी मेहनत की है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने मार्च 2022 में जारी एक प्रेस स्टेटमेंट

में बताया था कि चंडोक को अमेरिकी वरिष्ठ नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अदालत ने उसे इस अपराध के लिए 6 साल की सजा सुनाई थी। चंडोक की इस धोखाधड़ी योजना में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिन्हें फर्जी टेक सपोर्ट सेवाओं के नाम पर ठगा गया।

सीबीआई ने चंडोक को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर एक लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। कई वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार सीबीआई ने उसे भारत लाने में सफलता प्राप्त की।

अब भारत में चंडोक को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सीबीआई उसकी हिरासत की मांग करेगी ताकि मामले की गहन जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि इस प्रत्यर्पण को सीबीआई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ भारत की मजबूत कार्रवाई को दिखाता है। भारत में साइबर क्राइम के मामले सामने आते रहे हैं और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपियों पर लगातार कार्रवाई करती रहती हैं।

विदाई भाषण में न्यायमूर्ति ओका ने उच्चतम न्यायालय पर कई गंभीर सवाल उठाये, बोले

उच्चतम न्यायालय "प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत"

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। क्या उच्चतम न्यायालय में सभी न्यायाधीशों का आपस में बेहतर समन्वय है? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को "प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत" बताया और इसकी संरचना में देश के विभिन्न क्षेत्रों से 34 न्यायाधीशों के आने के मद्देनजर इसमें बदलाव की वकालत की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने निचली तथा जिला अदालतों की उपेक्षा की है, जो न्यायपालिका की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालतों में बहुत अधिक मामले लंबित हैं और कुछ मामले तो 30 साल से लंबित हैं। न्यायमूर्ति ओका ने

अपनी विदाई के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, "उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय की तुलना में अधिक लोकतांत्रिक तरीके से काम करते हैं, क्योंकि वहां पांच न्यायाधीशों की एक प्रशासनिक समिति होती है। प्रशासनिक समिति द्वारा प्रमुख निर्णय लिये जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में मैंने पाया है कि शीर्ष अदालत प्रधान न्यायाधीश केंद्रित न्यायालय है और मुझे लगता है कि हमें इसमें बदलाव करने की जरूरत है।" न्यायाधीश ने कहा, "उच्चतम न्यायालय 34 न्यायाधीशों की अदालत है। वे देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं। इसलिए प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत की छवि को बदलने की जरूरत है।"

हम आपको यह भी बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को ही दिन में, न्यायमूर्ति ओका ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय एक ऐसी अदालत है, जो संवैधानिक स्वतंत्रता को कायम रख सकती है और यही संविधान निर्माताओं का सपना था। वकीलों, बार नेताओं, प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की सराहना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति ओका ने कहा, "मुझे स्वीकार करना होगा कि पिछले एक घंटे और 20 मिनट में जो कुछ कहा गया है, उसे सुनने के बाद मैं निःशब्द हूं और शायद आज मेरे पेशेवर जीवन का पहला और आखिरी दिन है, जब मैंने किसी को बोलने से नहीं रोका, क्योंकि मैं रोक नहीं सकता था। मैंने बार के सदस्यों द्वारा मेरे प्रति इतना प्यार और स्नेह देखा है कि मैं निःशब्द हो गया।"

दिन में, एससीबीए के समारोह के दौरान न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि चयनित मामलों को "सूचीबद्ध करने में मैनुअल हस्तक्षेप कम किया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा, "लोग शिकायत करते हैं कि कुछ मामले अगले दिन क्यों सूचीबद्ध होते हैं और अन्य मामले काफी दिनों के बाद भी क्यों लंबित रहते हैं। जब तक हम मैनुअल हस्तक्षेप को बहुत कम नहीं कर देते, हम बेहतर लिस्टिंग (सूचीबद्ध) नहीं कर सकते। हमारे पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक और अन्य सॉफ्टवेयर हैं, जो मामलों को तर्कसंगत तरीके से सूचीबद्ध करने में मदद कर सकते हैं।" न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि अपने दो दशक से अधिक के कॅरियर में उन्होंने कभी भी असहमति वाला फैसला नहीं सुनाया।

उन्होंने कहा, "अपने पूरे कार्यकाल के दौरान मैंने कभी भी असहमति वाला फैसला नहीं सुनाया। न ही मेरे सहकर्मियों ने असहमति जताई। केवल दो दिन पहले एक अपवाद हुआ।" न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि वे सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद साक्षात्कार नहीं देंगे और उन्हें प्रेस से बात करने के लिए कुछ समय चाहिए होगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, "मैंने यह फैसला किया है

वीरता का प्रमाणपत्र सांसद के पास

पहलगाम हमले पर जांगड़ा का बयान-अगर महिलाएं वीरांगना होतीं, तो 26 लोग न मरते

भिवानी, 24 मई (एजेंसियां)। 22 अप्रैल की वो काली शाम, जब पहलगाम की बायसरन घाटी में टूरिस्टों पर बरसी आतंक की गोलियां... 26 मासूमों की जान गई, देश सदमे में डूबा, और सेना ने पीओके में जाकर इसका जवाब भी दिया। लेकिन अब, घटना के एक महीने बाद, हरियाणा से राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने ऐसा बयान दे डाला, जिससे न सिर्फ जख्म हरे हो गए, बल्कि शोक की भावना पर भी सवाल खड़े हो गए। सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरता नहीं थी... इस एक लाइन में सांसद जी ने संवेदना, सम्मान और समझ - तीनों को एक झटके में रौंद डाला। उन्होंने कहा, अगर महिलाओं में वीरांगना जैसा जोश होता, तो इतनी मौतें नहीं होतीं। यानी जो महिलाएं अपने पतियों को खो चुकी हैं, वो शायद और बहादुरी से पेश आतीं, तो

कुछ बच सकता था। ये वो वक्त है जब देश उम्मीद करता है कि नेता मरहम बनें, मगर बयान आग बन गया। किसी की विधवा को साहस की परिभाषा समझाना, क्या सत्ता की संवेदनहीनता का नया चेहरा है?

सांसद जी ने अपने भाषण में ये भी जोड़ा कि अगर यात्री प्रधानमंत्री की 'अग्निवीर योजना' के तहत ट्रेनिंग लेकर आए होते, तो आतंकियों को घेर लेते। यानी टूरिस्ट अब बंदूक के साए में ही घाटी की खूबसूरती निहारें! यह सुझाव जितना हास्यास्पद है, उतना ही असंवेदनशील भी।

क्या अब हर पर्यटक को सेना जैसी ट्रेनिंग दी जाएगी? और जब कोई ट्रेनिंग लेकर भी शहीद हो जाए, तब भी क्या उसकी शहादत को इसी तरह तोला जाएगा?

क्या वीरता केवल हथियार उठाना है? क्या अपने पति, भाई, बेटे को खोकर रोने वाली स्त्रियों की पीड़ा को 'कमजोरी' समझा जाए? क्या आंसू बहाना अब 'कायरता' हो गया? क्या संवेदना पर बयानबाजी का अधिकार सांसदों को संसद देता है? क्या देश की असली ताकत जनता के संयम और सैनिकों की निस्वार्थ शहादत नहीं है?

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। यह ब्याज दर पिछले वित्त वर्ष के समान ही रखी गई है। फरवरी में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने की घोषणा की थी। राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक में ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने यह निर्णय लिया।

वित्त मंत्रालय ने अब वित्त वर्ष 2025 के लिए कर्मचारियों के पीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, इस सप्ताह श्रम मंत्रालय की ओर से एक अधिसूचना

भी सेवानिवृत्ति निधि निकाय को भेजी गई है।

2024-25 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ सदस्यों के खातों में जमा की जाएगी।

ईपीएफओ ने इससे पहले अपने 7 करोड़ सदस्यों के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को 2022-23 में 8.15 प्रतिशत से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था।

इस बीच, ईपीएफओ ने मार्च में 14.58 लाख नेट मेंबर जोड़े और मार्च 2024 की तुलना में नेट पेरोल एडिशन में 1.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

पीएफ संगठन ने मार्च 2025 में लगभग 7.54 लाख नए ग्राहक नामांकित किए, जो फरवरी की तुलना में 2.03 प्रतिशत की वृद्धि और मार्च 2024 की तुलना में सालाना आधार पर 0.98 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है।

श्रम मंत्रालय के अनुसार, नए ग्राहकों की वृद्धि का श्रेय बढ़ते रोजगार अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों को दिया जा सकता है।

आंकड़ों का एक महत्वपूर्ण पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, क्योंकि 18-25 आयु वर्ग में 4.45 लाख नए ग्राहक जोड़े गए, जो मार्च 2025 में जोड़े गए कुल नए ग्राहकों का 58.94 प्रतिशत है।

इसके अलावा, मार्च में 18-25 आयु वर्ग के लिए नेट पेरोल एडिशन लगभग 6.68 लाख था, जो मार्च 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में 6.49 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सीआईएसएफ के जवानों के शहीद होने पर मिलेंगे 1 करोड़

एसबीआई के साथ एमओयू हुआ साइन

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सीआईएसएफ बल के सदस्यों के कल्याण को सशक्तबनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस वेतन पैकेज (सीएपीएसपी) के तहत सेवारत और सेवानिवृत्त सीआईएसएफ कर्मियों के वेतन खातों के प्रबंधन के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. राजधानी दिल्ली में आयोजित इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया। जहां सीआईएसएफ की ओर से रेखा नांबियार, उप महानिरीक्षक/

प्रशासन और सुश्री रंजना सिन्हा, महाप्रबंधक (एनआरआई और एसपी),एसबीआई कॉरपोरेट सेंटर, मुंबई द्वारा तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में सीआईएसएफ कर्मियों के लिए कई तरह के बढ़े हुए वित्तीय लाभ शामिल किए गए हैं, जो सीआईएसएफ द्वारा अपने सदस्यों के कल्याण और वित्तीय सुरक्षा के लिए जारी प्रतिबद्धता में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा।

समझौते के अनुसार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीएआई) (सेवारत) के तहत पहले 50 लाख रुपए मिलते थे अब इसे बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा पीएआई (पेंशनर) को 30 लाख के बजाए अब 50 लाख रुपए मिलेंगे। जबकि हवाई दुर्घटना 1 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.5 करोड़ (शर्त के साथ) हो गया है. स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर 50 लाख रुपए से बढ़कर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। स्थायी आंशिक विकलांगता कवर को भी 50 लाख से 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

चार केजीबीवी को मिलेगा राज्यस्तरीय सम्मान

समाधान बन गईं बेटियों की कहानियां

580 कहानियों में से चुनी गईं 18 श्रेष्ठ रचनाएं

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। जब बेटियों की कहानियां केवल कल्पना नहीं, समाधान का मार्ग बन जाएं, तब वे समाज की चेतना को स्वर देने लगती हैं। उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कहानी प्रतियोगिता के लिए चार केजीबीवी की छात्राओं की कहानियां श्रेष्ठतम के रूप में चयनित हुई हैं। बेटियों की इन रचनाओं में पर्यावरणीय चिंता, समाधान की सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला है। चयनित विद्यालयों को राज्य स्तर पर शीघ्र ही सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल इन बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगा, बल्कि शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल भी स्थापित करेगा। इस राज्यव्यापी कहानी लेखन प्रतियोगिता में 580 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद 18 श्रेष्ठ कहानियां चयनित की गईं, जिनमें से चार विद्यालयों को राज्य स्तरीय शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

केजीबीवी मुरादनगर, गाजियाबाद को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुई। केजीबीवी गौरा, कानपुर देहात को द्वितीय पुरस्कार, केजीबीवी मुफ्तीगंज, जौनपुर को तृतीय पुरस्कार और केजीबीवी देवा, बाराबंकी को चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुई। यूपी के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आयोजित कहानी लेखन गतिविधि ने बच्चों को पर्यावरण की चुनौतियों को समझने और अपने शब्दों में पिरोने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया था। दरअसल, प्रदेश के सभी उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में मीना मंच के ज़रिये किशोरियों में जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, पोषण और जीवन कौशल पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 28 सितम्बर 2024 से आयोजित ऑनलाइन जागरूकता सत्रों की श्रृंखला 15 फ़रवरी 2025 को पूरी हुई। इस दौरान डॉ. अनीता भटनागर जैन (सेवानिवृत्त आईएएस) के मार्गदर्शन में हुए हुए विभिन्न संवादों ने छात्राओं को विषयगत शोध, चर्चा और रचनात्मक टास्क के माध्यम से लिखने के लिए प्रेरित किया। कहानियों में बालिकाओं ने पर्यावरणीय समस्या, समाधान और संवेदना के स्वर के साथ अपनी कल्पना, रचनात्मकता और पर्यावरणीय चेतना के रंगों से भविष्य की धरती का चित्र खींचा है।

प्रदेश भर से कुल 580 से अधिक कहानियां प्राप्त हुईं, जिनका विशेषज्ञों के एक पैनल ने मूल्यांकन किया। अंतिम रूप से 18 उत्कृष्ट कहानियां चयनित की गईं, जिन्हें विभिन्न स्कूलों में बच्चों के सामने प्रस्तुत किया गया ताकि वे अपने विचार साझा कर सकें और प्रेरणा ले सकें। इसका उद्देश्य छात्राओं को जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय पर सोचने, रचनात्मक रूप से व्यक्त करने और उनकी लेखन क्षमताओं को बढ़ावा देना था। प्रत्येक केजीबीवी को पर्यावरण के एक विशिष्ट पहलू पर कहानी लिखने का विषय दिया गया, जिनमें जल संरक्षण, बढ़ता तापमान, शहरों में प्रदूषण, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक और जानवरों की नज़र से पृथ्वी जैसे विषय शामिल रहे। छात्राओं ने अपनी कहानियों के माध्यम से न केवल पर्यावरणीय समस्याओं को उजागर किया, बल्कि समाधान और आशा के संदेश भी दिए। कहानियों के साथ-साथ बच्चों ने रंगीन चित्र बनाकर अपनी कल्पनाशीलता को और भी जीवंत बनाया। यह प्रयास एक समूह गतिविधि के रूप में हुआ, जिसमें बच्चों ने मिलकर सहयोग किया और सीखने का आनंद लिया।

इन पुरस्कार विजेता छात्राओं को प्रख्यात बाल साहित्यकार एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनीता भटनागर जैन की हस्ताक्षरित पुस्तक कुक्करू भेंट की जाएगी, जो बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने में सहायक मानी जाती है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा अब केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्हें इस दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। ऐसे आयोजन न केवल उनकी सोच को विस्तार देते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन करते हैं।

यूपी की विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं अपराधियों को दिला रही सख्त सजा

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की दिशा कई बड़े कदम उठाए हैं। इसी के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराधियों को साक्ष्य के जरिये कठोर से कठोर सजा दिलाने के लिए अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं को निर्माण किया। इसके जरिये पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने 75 हजार से अधिक अपराधियों को साक्ष्यों के आधार पर कठोर सजा दिलाई है। वहीं वर्ष 2017 से साक्ष्य के अभाव में दुर्दांत अपराधी और माफिया बरी हो जाते थे, अब अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयो-गशालाओं से अभियोजन पक्ष को मजबूत आधार मिल रहा है, जिससे अपराधियों को सजा दिलाने में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले केवल 4 विधि विज्ञान प्रयोगशा-लाएं (लखनऊ, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद) थीं, जिससे सीमित जिलों को ही वैज्ञानिक परीक्षण की सुविधा मिल पाती थी।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। बीते आठ वर्षों में 8 नए जिलों (झांसी, कन्नौज, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ व मुरादाबाद) में प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं, जिससे अब इनकी संख्या 12 हो गई है। इसके अलावा अयोध्या, बरेली, बांदा, आजमगढ़, मिर्जापुर और सह-ारनपुर में 6 नई प्रयोगशालाओं की स्थापना दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है, जो जल्द ही शुरू हो जाएंगी। सीएम योगी के प्रयासों से प्रदेश की विधि विज्ञान प्रयो-गशालाओं के कार्यों में तेजी का सीधा असर अभियोजन पर भी पड़ा है। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में प्रयोगशालाओं द्वारा अधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिससे अभियोजन पक्ष को अपराधियों को सजा दिलाने में मजबूती मिली।

योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कई नये कीर्तिमान भी स्थापित किये हैं। इसके जरिये प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल ऑटोमेटेड फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (नफीस) के तहत अंगुली छाप डाटाबेस को राज्य स्तर पर हाईस्पीड सर्वर से जोड़ा गया है। एनसीआरबी, नई दिल्ली के अनुसार अंगुली छाप एनरोलमेंट में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 4,14,473 अंगुली छापों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया जा चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि किस प्रकार प्रदेश ने अपराधियों के खिलाफ सबूत जुटाने और उनके डिजिटल रिकॉर्ड को एकत्र करने में तकनीकी दक्षता हासिल की है। इससे अभियानों में तेज़ी और अपराध नियंत्रण में स्पष्ट सफलता मिली है। नफीस के संचालन के लिए योगी सरकार ने केंद्र से समन्वय स्थापित कर एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। प्रदेश स्तर पर स्थापित सर्वर के ज़रिए सभी जिलों से वास्तविक समय में अंगुली छापों का विश्-लेषण संभव हो रहा है। इसके लिए अधिकारियों व तकनीकी स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। वहीं, बॉयोलॉजिकल नमूनों के विश्लेषण के लिए नई तकनीकों को अपनाया गया है, जिनमें कानून के प्रावधानों के अनुसार अनुसंधान किया जा रहा है। इससे साक्ष्य की वैधता और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है।

योगी सरकार स्थापित की गई नयी प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिकों द्वारा लगातार रिसर्च और परीक्षण किए जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रणाली को त्वरित और तथ्यपरक निर्णय लेने में मदद मिल रही है। इसमें हत्या, बलात्कार, चोरी, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वैज्ञानिक साक्ष्य अभियोजन के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

यूपी में इको टूरिज्म बढ़ाने के लिए शुरू हो रही बफर में सफर योजना

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। वन एवं वन्य जीव विभाग उत्तर प्रदेश को इको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित कर रहा है। वन एवं वन्यजीव विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि विभाग प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता को संरक्षित करते हुए बफर में सफर योजना शुरू की जा रही है। जिसके तहत प्रदेश के टाइगर रिजर्वों में नये सफारी रूटों के साथ भीरा और मोहम्मदी जैसे क्षेत्रों में ईको टूरिज्म की नई संभावन-ाओं को विकसित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय लोगों को गाइड, रेस्टोरेंट संचालक के रूप में प्रशिक्षित कर स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इन प्रयासों का परिणाम है कि यूपी में पिछले वर्षों में इको टूरिज्म के पर्यटकों की संख्या में भी तीव्र वृद्धि हुई है।

प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने मानसून के दौरान बफर में सफर योजना शुरू करने की घोषणा की है। प्रदेश के टाइगर रिजर्वों के बफर जोन में सफारी के नए रूटों को विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, और उत्तर खीरी बफर जोन में नए सफारी रूट विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत सोहागीबरवा, उत्तर खीरी और पीलीभीत में बफर जोन क्षेत्रों के नए मार्गों का चयन किया गया है। इन बफर जोन में पर्यटक बरसात के दिनों में भी सफारी का आनंद ले सकेंगे। साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टाइगर रिजर्वों को अधिक दिन खोलने की भी व्यवस्था की जा रही है। बफर में सफर योजना का सबसे बड़ा लाभ मानव और वन्य जीवों के संघर्ष में कमी लाते हुए पर्यटकों को जंगल के रोमांच अनुभव प्रदान करना है। वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए टाइगर रिजर्व और अभ्यारण्यों के अतिरिक्त अन्य नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। इस दिशा में लखीमपुर खीरी के भीर और मोहम्मदी के क्षेत्रों को भी ईको टूरिज्म के स्पाट के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दक्षिणी खीरी के गोला, मोहम्मदी रेंज और भीर में टूरिस्ट सर्किट का निर्माण किया गया है। साथ ही इस क्षेत्र में पड़ने वाली सेमराई झील, जो पक्षियों के प्रवास के लिए प्रसिद्ध है, इसको भी सर्किट में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शामिल किया जाएगा। नेपाल सीमा से सटे हुए कर्तनिया घाट के बफर जोन में भी जंगल सफारी की शुरुआत की गई है। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता के साथ वन्य जीवों की समृद्धि पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी।

वन एवं वन्य जीव विभाग सीएम योगी के विजन के मुताबिक उत्तर प्रदेश को ईको टूरिज्म का हब बनाने की दिशा में कई और नवीन प्रयास कर रहा है। इस दिशा क्रम में दुधवा पर्यटन परिसर में एक आधुनिक सूचना केंद्र की स्थापना की गई है, जो पर्यटकों को क्षेत्र की जैव विविधता, वन्य जीव, और स्थानीय संस्कृति की जानकारी प्रदान करेगा और लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी करेगा। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए नेचर गाइड, कैंटीन कर्मियों, और खानसामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण न केवल उनकी कौशल क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं भी सुनिश्चित करेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी प्रदान करेगा। इन प्रयासों के चलते उत्तर प्रदेश जल्द ही देश और दुनिया के नक्शे पर इको टूरिज्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

यूपी में एआई-ड्रोन सीख रहे श्रमिकों के बच्चे

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। जो बच्चे कभी स्कूल तक नहीं पहुंच पाते थे, आज वे इसरो के वैज्ञानिकों के सामने अपनी टेक्नोलॉजी पेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह उत्तर प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों में संभव हो रहा है। मजदूरों और कोविड काल में अनाथ हुए बच्चों के लिए शुरू किए गए इन विद्यालयों ने महज शिक्षा नहीं, बल्कि नवाचार और आत्मविश्वास की नींव रख दी है।

प्रदेश के 17 मंडलों में अटल आव-ासीय विद्यालय संचालित हैं। मुरादाबाद में इसका उद्घाटन होना है। वर्तमान में इन विद्यालयों में 10,947 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। खास बात यह है कि यहां लड़कों और लड़कियों का समान अनुपात (50:50) सुनिश्चित किया गया है जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल है। ये विद्यालय बीओ-सीडब्ल्यू बोर्ड से पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों और कोविड-19 में निराश्रित हुए बच्चों के लिए समर्पित हैं।

अटल विद्यालय सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं। यहां एआई, ड्रोन और स्पेस टेक्नोलॉजी की पढ़ाई हो रही है। छात्र-छात्राएं न केवल टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं, बल्कि उसका अभिनव प्रयोग भी कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है 25 जनवरी 2025 को आयोजित स्पेसटेक एक्सपो 2025 में, जो अटल आवासीय विद्यालय, लखनऊ में हुआ। इस आयोजन में प्रदेश के सभी मंडलों के विद्यालयों ने भाग लिया और बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट्स से सबको चौंका दिया। बच्चों की इस प्रतिभा प्रदर्शन को सराहने स्वयं इसरो (एसएसी) के निदेशक अटल विद्यालय लखनऊ पहुंचे। उन्होंने बच्चों को सम्मानित किया और विद्यालय की व्यवस्था की खुले मन से प्रशंसा की। इससे पहले कई मेधावी छात्र-छात्राओं को इसरो भ्रमण पर भी भेजा गया था, जिससे उनका आत्मविश्वास और जिज्ञासा दोनों को नई उड़ान मिली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते मार्च में बरेली में अटल आवासीय विद्यालय के उद्घाटन के अवसर पर अटल विद्यालयों को शिक्षा का मॉडल बताते हुए कहा कि यह एक ऐसा इंटीग्रेटेड परिसर है, जहां छात्रों को शिक्षा के साथ रहने, भोजन, खेल, लाइब्रेरी और कौशल विकास के सभी अवसर समान रूप से मिलते हैं।सीएम योगी ने कहा कि पहले इस सेस का दुरुपयोग होता था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्देश पर इसे बच्चों के भविष्य निर्माण में लगाया जा रहा है।

श्रमिक वर्ग के जिन बच्चों को पहले मुख्यधारा से बाहर माना जाता था, वही आज तकनीकी दुनिया में नई पहचान बना रहे हैं। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का आत्मविश्वास, उनके विचार और उनका कौशल दर्शाता है कि यदि सही दिशा और संसाधन मिलें, तो वे राष्ट्र निर्माण के सशक्त वाहक बन सकते हैं। उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय अब केवल स्कूल नहीं, बल्कि टैलेंट की प्रयोगशाला बन चुके हैं, जहां हर बच्चा अपने भीतर एक वैज्ञानिक, इंजीनियर या राष्ट्रसेवक का सपना संजो रहा है, और उसे पूरा भी कर रहा है। इन विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयनित बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण और ओरियंटेशन कोर्स आयोजित किए जाते हैं, ताकि बच्चों की शिक्षा और रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम को सरल और प्रभावी बनाया जा सके।

सरकार का उद्देश्य मजदूरों के सिर्फ सम्मान तक ही सीमित नहीं हैं, सरकार की योजनाएं और इसके सफलता के आंकड़े खुद ही सरकार की श्रमिकों के प्रति मंशा को जाहिर कर रहें हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया, उनके लिए योगी सरकार ने संवेदनशी-लता का परिचय देते हुए एक अभिनव कदम उठाया।

पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों एवं कोविड काल में निराश्रित हुए बच्चों के व्यवस्थित पठन-पाठन के लिए प्रदेश के सभी मंडलों में सर्व सुविधायुक्त अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। अटल आवासीय विद्यालय, मुरादाबाद का लोकार्पण कराया जाना प्रस्तावित है

जून से शुरू होगा इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण

यमुना एक्सप्रेस-वे पर 1000 एकड़ में बन रही है फिल्म सिटी

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक या फिर अगले माह से शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए चयनित निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने तैयारी पूरी कर ली है। जिस भूमि पर निर्माण होना है उसका जियो-टेक्निकल सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है और कंपनी आने वाले दो-तीन दिनों में अपना बिल्डिंग प्लान सबमिट कर देगी। इस बीच भूमि को समतल करने का कार्य जारी है और सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। साफ-सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। सभी अप्रूवल मिलते ही निर्माण कार्य का शुभारंभ हो जाएगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलो से कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी स्थापित की जा रही है, जिसका उद्देश्य राज्य को फिल्म निर्माण, मीडिया, मनोरंजन और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है।

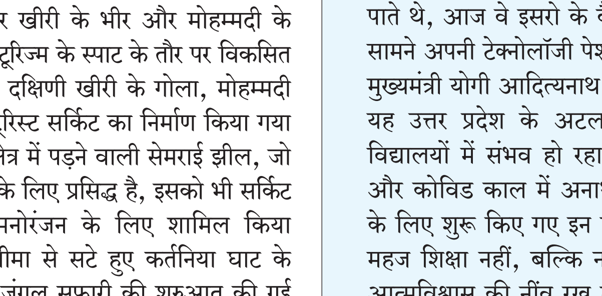

बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा के अनुसार, जैसे ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिलती है, निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण (फेज-1) में कंपनी 13 से 14 अत्याधुनिक फिल्म साउंड स्टूडियो और लगभग 3 लाख वर्ग मीटर में फैला फिल्म इंस्टीट्यूट स्थापित करेगी। इस पूरी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में 8 वर्षों के भीतर किया जाएगा। राजीव अरोड़ा ने कहा, हम ऐसी फिल्म सिटी बनाएंगे, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म सिटी के शिलान्यास का कार्य स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से समय निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है।

यीडा क्षेत्र में विकसित होने जा रही फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर यीडा भी काफी उत्साहित है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यीडा इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने को तैयार है। इसके बीच में आने वाली हर तरह की अड़चन को दूर किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण से लेकर किसानों को मुआवजे तक की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है। यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश को एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी, बल्कि राज्य में रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभाएगी। योगी सरकार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश की छवि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

फिल्म सिटी परियोजना को यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्थित सेक्टर-21 में विकसित किया जा रहा है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1000 एकड़ है। परियोजना के पहले चरण (फेज-1) में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड विगत वर्ष ही जारी किया जा चुका है। 27 जून 2024 को यीडा और कंसेशनेयर प्रतिनिधि बोनी कपूर के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं, जिसके अनुरूप, 27 फरवरी 2025 को साइट का राइट ऑफ वे कंसेशनेयर को हस्तांतरित कर दिया गया है। इस परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान 30 जनवरी 2025 को अनुमोदित किया गया। भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज-2 और फेज-3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा।

योगी सरकार की सुपोषण पहल

यूपी में 347 नई टीएचआर इकाइयां स्थापित होंगी

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार की उत्तर प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ जंग तेज हो रही है। वर्तमान में 43 जनपदों में 204 टेक होम राशन (टीएचआर) इकाइयों से 288 परियोजनाओं को आपूर्ति हो रही है और अब 2026-27 तक 347 नई टीएचआर इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के लिए 273.50 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई है, जिससे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक पौष्टिक आहार सुनिश्चित होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने टीएचआर उत्पादन इकाइयों को विकेंद्रीकृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले चरण में 43 जनपदों में 204 इकाइयां कार्यरत हैं, जो 288 परियोजनाओं को पौष्टिक राशन उपलब्ध करा रही हैं। इन इकाइयों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती और धात्री माताओं को गुणवत्तापूर्ण पोषण समय पर मिल रहा है। सरकार ने अब दूसरे चरण में 2026-27 तक 347 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य तय किया है, जिससे हर जिले में टीएचआर इकाइयां स्थापित हो सकें। योजना के तहत विकेंद्रीकृत भुगतान व्यवस्था लागू की गई है, जिसके लिए कुल 273.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। संतकबीर नगर, अंबेडकरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, अलीगढ़, बांदा, इटावा, प्रतापगढ़, ललितपुर, औरैया और महोबा जैसे जनपदों ने शत-प्रतिशत भुगतान पूरा कर लिया है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है।

रोबोट हमारे दोस्त

बच्चो, आने वाले समय में हो सकता है हमारे रोजमर्रा के कई काम रोबोट्र्स करते नजर आएं। अब रोबोट्र्स कल्पना की चीज नहीं रहे, वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। अब तो हमारे देश में भी रोबोट्र्स पर काम होने लगा है। रोबोट्र्स द्वारा किए जाने वाले कार्यो के बारे में जानना अपने आप में बहुत रोचक है। तो क्या-क्या कर सकते हैं ये, पढ़ें...

बच्चो, रोबोट्स के बारे में तो आपने सुना ही होगा। टीवी पर आपने इन्हें देखा भी जरूर होगा। वाकई यह बड़े काम की चीज हैं। जब हम कहीं यह पढ़ते हैं कि आने वाले समय में रोबोट्स हमारे घरों में होंगे और कई तरह का काम निपटा रहे होंगे, तो सोचकर हैरानी होती है। निकट भविष्य में हो सकता है ऐसा संभव हो जाए। वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। आखिर रोबोट्स हैं क्या और कैसे काम करते हैं, इस बारे में जानना अपने आम में बहुत ही रोचक है। वैसे देखा जाए, तो रोबोट्स की दुनिया अपने आप में बहुत ही हैरान कर देने वाली है। अब तो वैज्ञानिक ऐसे दावे भी कर रहे हैं कि भविष्य में मानवीय संवेदनाओं वाला रोबोट भी बनाया जा सकेगा। हाल ही में रजनीकांत की फिल्म 'रोबोट' भी आई थी। इसमें भी रोबोट के बारे में बहुत रोचक जानकारी दी गई है। इसमें असल में रोबोट की कहानी को ही पेश किया गया है। तो आइए आज रोबोट्स की दुनिया के बारे में कुछ रोचक जानें–

पिछले दिनों तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में रोबोकप–2011 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें दुनियाभर के कई रोबोट्स ने हिस्सा लिया और फुटबॉल के मैदान में अपने जलवे दिखाए। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ विदेशी रोबोट्स ही फुटबॉल खेल सकते हैं। हमारे देश में भी ऐसे रोबोट्स बनाए जाने लगे हैं, जो फुटबॉल खेलने के अलावा आपका भरपूर मनोरंजन भी कर सकते हैं।

सॉकरबोट और आइसोटॉप ऐसे ही रोबोट्स हैं, जिन्हें बनाया है दिवाकर ने। 19 साल के दिवाकर शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक सैकेंड इयर के स्टूडैंट हैं। उनकी कोशिश है चूमनॉयड रोबोट्स को इस काबिल बनाया जाए कि वह मानव द्वारा किए जाने वाले सारे काम कर सके। सॉकरबोट की प्रोग्रामिंग करने में उन्हें 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगा। उनके मुताबिक सॉकरबोट ऑर्टिफिशियल सेमी इंटैलिजेंट रोबोट है जिसमें गायरोस्कोप और एसीलेरोमीटर सैंसर लगे हैं।

सॉकरबोट को चलने–फिरने में मदद करने के लिए 18 सर्वो और 250 से 300 स्क्रू लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये सर्वो मनुष्यों की मसल्स की तरह काम करते हैं। इन सर्वो में कार्बोनाइट गियर्स होते हैं जो उसे चलने–फिरने में मदद करते हैं। सॉकरबोट बिल्कुल मनुष्य की तरह चल–फिर सकता है। वह बेहतरीन फुटबॉल खेल सकता है, बॉल को किक मार सकता है। इसके अलावा एक फिटनेस फ्रीक की तरह पुशअप्स और यहां तक कि शीर्षासन भी कर सकता है। बाकी रोबोट्स के मुकाबले सॉकरबोट की खूबी है कि वह फुटबॉल खेलने के दौरान गिरने पर बिना किसी की मदद के खुद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। फुटबॉल खेलने के दौरान रोबोट्स के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है मूवमेंट्स की, लेकिन फुटबॉल खेलने के दौरान सॉकरबोट अपने आप घूम सकता है। दिवाकर पिछले साल सितंबर में बैंगलुरु में हुई फीरा यानी फैडरेशन ऑफ इंटरनेशनल रोबोटसॉकर एसोसिएशन वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने खासतौर पर 3 रोबोट्स डिफेंडर, गोलकीपर और अटैकर डैवलप किए थे। सॉकरबोट अगर स्पोर्ट्स और फिटनेस–फ्रीक है तो आइसोटॉप डांसिंग रोबोट है। आइसोटॉप विभिन्न गानों की धुनों पर जबर्दस्त डांस कर सकता है। यहां तक कि आइसोटॉप कमर मटकाते हुए ठुमके भी लगा सकता है। वह दुनिया का पहला अकेला ऐसा रोबोट है, जो भांगडा भी डाल सकता है। इन खूबियों

के चलते उसे खूब वाहवाही मिलती है। आइसोटॉप में 16 सर्वो लगे हैं और उसका माइक्रो–कंट्रोलर 32 सर्वो को कंट्रोल कर सकता है।

दिवाकर का मानना है कि रोबोट बनाने से ज्यादा मुश्किल काम है रोबोट की प्रोग्रामिंग करना। उनके मुताबिक इसकी तुलना इंसान से की जा सकती है। जैसे छोटे बच्चे को पहले छोटे–छोटे शब्दों से प्रैक्टिस कराई जाती है और फिर बड़े–बड़े शब्द सिखाए जाते हैं। वैसे ही रोबोट को भी प्रोग्रामिंग के जरिए चलना, मुड़ना और उठना जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। उनका कहना है कि एक मिनट की प्रोग्रामिंग करने में 2 महीने तक का वक्त लग सकता है और एक मिनट की प्रोग्रामिंग 600 पन्नों तक की हो सकती है। आइसोटॉप को सामने लाने में उन्हें 6 माह से ज्यादा का वक्त लगा। आइसोटॉप और सॉकरबोट में गायरोस्कोप सैंसर लगा है, जिससे वे डायनेमिक मोशन जैसे झुकाव और उबड़–खाबड़ वाली सतह पर आसानी से चल सकते हैं।

कविता

जोड़ी गजब बनाई

सोनू–मोनू जुड़वां भाई,
रब ने जोड़ी ख़ूब बनाई।

कौन बड़ा है छोटा कौन?
इस पर सब हो जाते मौन।

चेहरा देखो एक समान,
मुश्किल से होती पहचान।

दोनों बड़े खिलाड़ी हैं,
चढ़ते रो ा पहाड़ी हैं।

टीचर जी को करें प्रणाम,
सदा समय पर करते काम।

बच्चे जब गफलत में पड़ते,
सोनू–मोनू तब हंस पड़ते।

व्यर्थ नहीं वे समय गंवाते,
कक्षा में भी अव्वल आते।

अपनी सेहत स्वयं बनाते,
नित्य सवेरे दौड़ लगाते।

मम्मी की आंखों के तारे,
सारे घर के राज दुलारे।

जंगल बुक

दि जंगल बुक 1967 की एक अमरीकी एनिमेटेड फिल्म है, जिसका निर्माण डिजनी एनिमेशन स्टूडियो द्वारा किया गया था। 18 अक्तूबर, 1967 को जारी की गई यह फिल्म वॉल्ट डिजनी की एनिमेटेड क्लासिक्स श्रृंखलाओं की 19वीं एनिमेटेड फिल्म है। यह रुडयार्ड किपलिंग द्वारा लिखित इसी नाम की पुस्तक में वर्णित मोगली नामक जंगली बच्चे की कहानियों से प्रेरित थी। फिल्म में 'द बेयर नेसेसिटीज (The Bare Necessities) और 'आई वान्ना बी लाइक यू (I Wan'na Be Like You) सहित कई उत्कृष्ट गीत हैं। अधिकांश गीत रिचर्ड एम. शेरमेन और रॉबर्ट बी. शेरमेन द्वारा लिखित थे। वुल्फगैंग रीदरमैन द्वारा निर्देशित यह फिल्म, वॉल्ट डिजनी के अंतर्गत निर्मित होने वाली अंतिम फिल्म थी, जिनका इसके निर्माण के दौरान निधन हो गया था। अपनी पहली रिलीज पर फिल्म ने अमरीका में कुल 73 मिलियन डॉलर तथा फिर से जारी दो संस्करणों पर भी इतनी ही कमाई की। 14 फरवरी, 2003 को ऑस्ट्रेलिया में डिज्नी टून स्टूडियो ने द जंगल बुक 2 के नाम से 1967 क्लासिक की एक उत्तरकथा जारी की, जिसमे मोगली मनुष्यों के उस गांव से, जिसमे वह फिल्म के अंत में लौटता है, अपने जानवर दोस्तों से मिलने के लिए भाग लिया।

रंग भरो

बच्चो, यह मस्त हाथी अपने रंग घर में ही भूल आया है और यहां आकर गुबारों से खेलने लगा है। क्या आप अपने रंगों से इसे सजा सकते हैं। तो ले आइए अपने रंग...

भैंस पर बगुला सवार

दुनिया एकदम नई–नई थी और इसी दुनिया में भैंस और बगुला भी रहा करते थे। एक दिन ऐसे ही किसी बात पर उन दोनों का झगड़ा हो गया। बहस खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। तभी भैंस ने कहा, 'बहस को खत्म करने के लिए एक शर्त लगाते हैं।'

'ठीक है, पर शर्त क्या होगी?', बगुले कहा। 'हम दोनों नदी का पानी पिएंगे। ज्यादा पानी पीने वाला विजेता और दूसरा गुलाम होगा।' भैंस ने उत्तर दिया।

'लेकिन पता कैसे चलेगा कि किसने ज्यादा पानी पिया?', बगुले ने सवाल किया। 'जो पानी को छिछला करे दे, उसी ने ज्यादा पानी पिया।', भैंस ने कहा। बगुले ने कहा, 'तुम्हारा पेट इतना बड़ा है, तुम्हारे लिए तो आसान है। फिर भी मैं इसके लिए तैयार हूं।'

यह सुनते ही भैंस ने झट से कहा, 'तो चलो, नदी की ओर।' 'इतनी जल्दबाजी किस बात की? अभी तो हमने निर्णायक भी तय नहीं किए हैं, जो हार–जीत का फैसला करें, कल तक रूको।'

इस बात पर हामी भर कर भैंस वहां से चली गई। बगुला नदी को निहारता रहा। फिर उसने पशु आसैर पंक्षियों को इस मुकाबले के लिए निर्णायक बनाया। अगले दिन निर्णायकों की एक लम्बी कतार लग गई। बदंर प्रतियोगिता शुरू का इशारा किया।

ऐलान होते ही भैंस ने बगुले से कहा, 'तुम शुरू करो, क्योंकि मैंने प्रतियोगिता शुरू की तो तुम्हारे लिए तो कुछ पानी बचेगा ही नहीं।' बगुला बोला, 'उसकी चिंता तुम न करो।' कहते ही वह निर्णायकों की ओर मुड़ा और उनसे कहा, 'माननीय निर्णायकों, हममे में से कौन पहले पानी पिए?'

निर्णायकों ने कहा, 'होड़ का सुझाव भैंस ने दिया था, तो भैंस शुरू करे।'

भैंस ने पानी में मुंह डाला और पानी पीना शुरू किया। जितना पीती, उतना ही पानी और भरने लगता। यह देखकर सभी निर्णायक भी हैरान थे। पानी के इस रहस्य को सिर्फ बगुला ही जानता था। उसे मालूम था कि इस समय ज्वार चढ़ रहा है, जिससे समुद्र का पानी भी नदी में मिल रहा था। अब भैंस लगभग डूब चली थी। अब भैंस करती भी तो क्या? इसलिए पानी से बाहर निकलने आई और बगुले से पानी पीने को कहा।

'ठहरो! मैं पहले जरा अपने पंख ठीक कर लूं।', बगुले ने कहा और अपने पंख संवारता रहा। असल में वह बहाव के पलटने का इंतजार कर रहा था। जैसे ही उसने देखा पानी वापस समुद्र में जा रहा है तो वह तुरंत पानी पीने आया। पानी में चोंच लगाया ही था कि निर्णायकों ने देखा कि पानी कम होता जा रहा है। बगुले ने कुछ देर बाद पानी से अपनी चोंच बाहर निकाली और निर्णायकों से कहा, 'माननीय निर्णायकों, अपना फैसला सुनाएं।' सब ने खुशी में चिल्लाते हुए कहा, 'बगुला जीत गया, भैंस हार गई। अब भैंस को बगुले का गुलाम बनना होगा।'

कहते हैं, इसी प्रतियोगिता के कारण बगुला भैंस की पीठ पर बैठकर सैर करता है। उसकी आंखे अधमुंदी होती हैं और सिर पीछे की ओर होता है। कहते हैं वह अब भी, पानी की उस होड़ के बारे में सोचता रहता है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट पारित, भारत पैसा भेजने पर लगेगा 3.5 प्रतिशत टैक्स

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका में कमाए पैसों को भारत भेजने पर 3.5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट' पारित कर दिया है। इस बिल में विदेशी कामगारों द्वारा अमेरिका में कमाए गए पैसों को अपने देश भेजने पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय पर प्रतिवर्ष 1.6 बिलियन डॉलर(8,750 करोड़) का अतिरिक्त कर लगाया जाएगा। पूरे 1,116 पन्नों के इस कानून में सीमा सुरक्षा, टैक्स और खर्च को लेकर ट्रंप की नीतियों की झलक मिलती है। यह बिल ट्रंप के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की इस नई पॉलिसी का सबसे बड़ा प्रभाव भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय प्रवासी अमेरिका से सबसे अधिक रेमिटेंस भेजते हैं। रेमिटेंस यानी, प्रवासियों द्वारा अपने देश भेजा गया धन।

भारतीय प्रवासियों को सालाना 1.6 बिलियन डॉलर का झटका!

भारतीय प्रवासी अमेरिका से भेजते हैं सबसे ज्यादा पैसे

सीनेट की मंजूरी के बाद 1 जनवरी 2026 से ये लागू हो जाएगा।

रेमिटेंस टैक्स में की गई इतनी कटौती – इस बिल में अमेरिका में रहकर काम कर रहे लाखों की संख्या में उन विदेशी कामगारों को राहत दी गई है, देश के बाहर पैसा भेजते हैं। बिल के फाइनल वर्जन में रेमिटेंस टैक्स को 5 परसेंट से घटाकर 3.5 परसेंट कर दिया गया है। यह 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। रेमिटेंस टैक्स का मतलब होता है किसी देश से दूसरे देश में पैसे भेजने पर लगाया जाने वाला टैक्स। इसका असर अमेरिका में बड़ी संख्या में रह रहे भारतीय प्रवासियों पर भी पड़ेगा। माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट की डेटा के मुताबिक, 2023 तक अमेरिका में रहने वाले अप्रवासी भारतीयों की संख्या 2.9 मिलियन से अधिक थी। इसी के साथ अमेरिका दुनिया में संयुक्त अरब अमीरात के बाद दूसरा सबसे पॉपुलर डेस्टिनेशन बन गया। मैक्सिकन के बाद भारतीय अमेरिका में रहने वाले दूसरे सबसे बड़े विदेशी मूल के समूह का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जो देश के 47.8 मिलियन विदेशी मूल के निवासियों का 6 परसेंट है।

अमेरिकी नागरिकों को मिली छूट – ट्रंप के इस नए बिल के तहत रेमिटेंस टैक्स केवल गैर-अमेरिकी नागरिकों पर लागू होगा। अमेरिकी नागरिकों को इससे छूट दी गई है। प्रभावित होने वालों में ग्रीन कार्ड होल्डर और एम्प्लॉयमेंट वीजा पर रहने वाले लोग शामिल होंगे। यानी कि अमेरिका में रहकर कमाने वाले कोई भारतीय व्यक्ति अगर अपनी कमाई में से 5000 रुपये भी अपने गांव या शहर भेजेगा, तो उसे उस पर टैक्स देना होगा। रेमिटेंस टैक्स में यह कटौती कई हफ्ते तक चली बातचीत के बाद की गई।

हाल के वर्षों में भारत द्वारा प्राप्त धन – विश्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से, 2004, 2005 और 2007 को छोड़कर, भारत प्राप्त धन के मामले में शीर्ष स्थान पर रहा है। अमेरिका सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है, जो 2023-24 में कुल प्रेषण का 27.7 प्रतिशत हिस्सा होगा. 2016-17 में कुल प्रेषण का 22.9 प्रतिशत और 2020-21 में 23.4 प्रतिशत अमेरिकी प्रेषण था। आरबीआई का अनुमान है कि 2029 में धनप्रेषण बढ़कर लगभग 160 बिलियन डॉलर हो जाएगा। वित्त वर्ष 24 में भारत का आधे से अधिक धन प्रेषण संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आया, जो वैश्विक धन प्रेषण परिदृश्य में बदलाव का संकेत देता है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन के बीच साझेदारी की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को यूएस स्टील और जापान स्थित निप्पॉन स्टील के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूएस स्टील का मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित अमेरिकी स्टील निर्माता जापान की निप्पॉन को खरीदने को तैयार है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि यूएस स्टील अमेरिका में ही रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग के महान शहर में रहेगा। यह यूनाइटेड स्टेट्स स्टील और निप्पॉन स्टील के बीच एक नियोजित साझेदारी है। इससे कम से कम 70,000 नौकरियां पैदा होंगी। बताया गया है कि ट्रंप की इस घोषणा के बाद यूएस स्टील के शेयरों में 21 फीसद का उछाल आया है और आफ्टरमार्केट ट्रेडिंग में लगातार इजाफा हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह 30 मई को पिट्सबर्ग में यूएस स्टील के मुख्यालय का दौरा करेंगे। उधर, इस पर व्हाइट हाउस ने तुरंत कोई और स्पष्टीकरण नहीं दिया और ना ही यह स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था के तहत यूएस स्टील पर स्वामित्व किसका होगा। यूएस स्टील ने ट्रंप की प्रशंसा की है। यूएस स्टील ने कहा कि वह साहसी नेता और सफल व्यवसायी हैं। वह जानते हैं कि अमेरिका, अमेरिकी श्रमिकों और अमेरिकी विनिर्माण के लिए सबसे अच्छा सौदा कैसे प्राप्त किया जा सकता है। यह साझेदारी अमेरिका के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा उत्तर कोरिया की रणनीतिक स्थिति हुई काफी मजबूत

वाशिंगटन,24 मई । उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों की तुलना में अपनी सबसे मजबूत स्थिति में है। इसकी वजह यह है कि उत्तर कोरिया लगातार उन्नत हथियार बना रहा है, जो उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की मुख्य भूमि में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। अमेरिका के रक्षा विभाग की खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट का नाम है 2025 वर्ल्डवाइड थ्रेट असेसमेंट यानी 2025 वैश्विक खतरे का आकलन। इसमें उत्तर कोरिया, चीन, रूस, ईरान और अन्य देशों या संगठनों से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों के बारे में जानकारी दी गई है।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों को लेकर चिंता बढ़ रही है। साथ ही, पिछले साल जून में रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य रिश्तों को लेकर भी चिंता जताई गई है।डीआईए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन को अब अपने शासन की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को लेकर पहले से ज्यादा भरोसा हो गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों में अपनी सबसे मजबूत स्थिति में है। उसके पास अब ऐसे हथियार और सैन्य ताकत है जो पूर्वोत्तर एशिया में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकती है।

कनाडा में विदेशी छात्रों का पढ़ाई करना मुश्किल हुआ

ओटावा। कनाडा ने इंटरनेशनल स्टूडेंट को दिए जाने वाले स्टडी परमिट की संख्या में कटौती की है। पिछले

साल की समान अवधि के मुकाबले 2025 की पहली तिमाही में भारतीय स्टूडेंट को दिए गए परमिट में 31त्न की गिरावट आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी-मार्च 2025 के बीच सिर्फ 30,640 स्टूडेंट को स्टडी परमिट दिया गया। जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 44,295 थी। सरकार कम परमिट जारी कर रही, भारतीय छात्रों की संख्या में 31 प्रतिशत गिरावट जनवरी 2025 में, कनाडा की आबादी 4 करोड़ 15 लाख थी, जिसमें अस्थायी निवासियों की संख्या 3 करोड़ 2 लाख थी। यह लगभग 7.25 प्रतिशत है। कनाडा सरकार इसे 2028 तक 5 प्रतिशत से कम पर ले जाना चाहती है। यही वजह है कि आईआरसीसी ने 2025 के लिए स्टडी परमिट की लिमिट 437,000 कर दी है, जो 2024 के मुकाबले 10 प्रतिशत कम है। यह सीमा 2026 तक लागू रहेगी। इंटरनेशनल स्टूडेंट 40 प्रतिशत तक कम हुए कनाडा ने साल 2023 से ही इंटरनेशनल स्टूडेंट की संख्या को कम करने के लिए कोशिश शुरू कर दी थी। कनाडा ने 2023 में कुल 6.81 लाख स्टडी परमिट जारी किए, जिनमें से 2.78 लाख भारतीय छात्रों के लिए थे। 2024 में कुल परमिट की संख्या घटकर 5.16 लाख हो गई।

रूस ने यूक्रेन में मचाई तबाही, राजधानी कीव में त्राहिमाम-त्राहिमाम

कीव,24 मई (एजेंसियां)।

रूस ने शुक्रवार देररात यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के हिस्सों में भारी तबाही मचाई। रूस ने बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलें दागकर पिछले दिनों मॉस्को में किए गए हमलों का माकूल जवाब दिया। इस हमले में पूरी राजधानी चपेट में आ गई। कीव में कई जगह विस्फोट के बाद आग लग गई। त्राहिमाम-त्राहिमाम मच गया। जब जान पर बन आई तो सैकड़ों लोगों ने भागकर भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण ली।

रूस का हवाई हमला सुबह होने के बाद थमा। बताया गया है कि रूस का हमला दोनों देशों के कैदियों की अदला-बदली शुरू करने के कुछ घंटों बाद हुआ। पिछले सप्ताह इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने कैदियों की अदला-बदली पर सहमति व्यक्त की थी। पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा है कि आज सुबह कीव के कम से कम चार शहरी जिलों में इंटरसेप्ट की गई मिसाइलों और ड्रोन का मलबा गिरा है। छह लोग रक्तरंजित मिले हैं।कीव के सोलोमियांस्की जिले में दो जगह आग लग गई। हमले से पहले, मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने सुबह कहा कि ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक आवासीय इमारत पर गिरा। कैदियों की अदला-बदली पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पहले चरण में 390 यूक्रेनियों को घर वापस लाया गया। सप्ताहांत में और लोगों की रिहाई की उम्मीद है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे यूक्रेन से भी इतनी ही संख्या में कैदी मिले हैं। एक यूक्रेनी अधिकारी के अनुसार, यह अदला-बदली उत्तरी यूक्रेन में बेलारूस की सीमा पर हुई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रिहा किए गए रूसियों को उपचार के लिए बेलारूस ले जाया गया।

उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन के युद्ध में अब तक दसियों हजार सैनिक मारे गए हैं। 16 मई की इस्तांबुल में बैठक के बाद तुर्किये के विदेशमंत्री हकन फिदान ने दोनों पक्ष प्रथम चरण की अदला-बदली के बाद फिर से मिलने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। लेकिन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को कहा कि लड़ाई समाप्त करने के लिए अगले दौर की वार्ता के स्थल पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, क्योंकि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने 20 मई से 23 मई के बीच युद्ध के मैदान से दूर 788 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है।

पहलगाम हमला के बाद ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जर्मनी ने भारत का खुलकर समर्थन किया

बर्लिन,24 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जर्मनी ने कहा है कि किसी भी देश को आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा कि हम सभी 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से स्तब्ध हैं। हम नागरिकों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी गहरी संवेदना सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ है। जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि सैन्य हमलों के बाद दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू है, हम इसकी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण है कि यह युद्धविराम लागू रहे और द्विपक्षीय समाधान खोजने के लिए बातचीत हो सके। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल के आगे कभी नहीं झुकेगा। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ पूरी तरह से द्विपक्षीय तरीके से निपटेगा और इस संबंध में किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर वर्तमान में तीन देशों की यूरोप यात्रा के तहत जर्मनी में हैं। उन्होंने कहा, मैं पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया के तुरंत बाद बर्लिन आया था। मैं आपको वह बताना चाहता हूं जो मैंने उस संदर्भ में वेडफुल को बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जर्मनी की इस समझ को महत्व देता है कि हर देश को आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का अधिकार है। उन्होंने साथ ही कहा कि जर्मनी हमारे लिए वास्तव में एक महत्वपूर्ण साझेदार है। हाल के वर्षों में हमारे सहयोग ने कई आयाम हासिल किए हैं और तेजी से आगे बढ़ा है। हम यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापक संबंधों को आकार देने में जर्मनी की अमूल्य भूमिका को अत्यधिक महत्व देते हैं।

एयरपोर्ट पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

रूस की राजधानी मॉस्को गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का विमान गुरुवार को काफी देर तक आसमान में चक्कर काटता रहा। दरअसल मॉस्को के आसमान में यूक्रेन के ड्रोन मौजूद थे। इस डेलिगशन का नेतृत्व डीएमके सांसद कनिमोझी कर रह थी। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, रूसी एयर डिफेंस फोर्स ने रातभर में 105 ड्रोन मार गिराए, जिनमें से 26 मॉस्को की तरफ उड़ रहे थे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने टेलीग्राम पर बताया कि गिरते मलबे के कारण कुछ जगहों पर नुकसान हुआ है, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

आईएमएफ ने राहत पैकेज देकर पाकिस्तान का किया बचाव कहा- सभी शर्तें की पूरी

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को दिए गए बेलआउट पैकेज का बचाव किया है। भारत की आपत्ति के बावजूद आईएमएफ ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की नई किश्त जारी की थी। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इस किश्त को प्राप्त करने के लिए सभी जरुरत लक्ष्यों को पूरा किया है।

भारत ने इस बेलआउट को लेकर चिंता जताई थी, जिसमें उसने कहा था कि पाकिस्तान इस तरह के कर्ज का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है। भारत ने आईएमएफ से आग्रह किया था कि वह पाकिस्तान को 2.1 अरब डॉलर के राहत पैकेज पर पुनर्विचार करे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस सहायता को आतंक को परोक्ष रूप से वित्तपोषण करार दिया था। पाकिस्तान को यह राशि आईएमएफ के विस्तारित निधि सुविधा कार्यक्रम के तहत दो किस्तों में जारी की गई है। दोनों के बीच पिछले साल 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ था।

आईएमएफ ने कहा कि उसका बोर्ड इस बात से संतुष्ट है कि पाकिस्तान ने फंडिंग के लिए तय सभी शर्तों को पूरा किया है। कुछ सुधारों में प्रगति भी हुई है और इसी आधार पर कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। आईएमएफ की फंडिंग केवल भुगतान संतुलन की समस्याओं को हल करने के लिए है। पाकिस्तान को दी गई सभी ईएफएफ राशि सीधे केंद्रीय बैंक के भंडार में जाती है। इन फंडों का इस्तेमाल सरकारी बजट के लिए नहीं

किया जाता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईएफएफ के पहले रिव्यू के लिए मार्च 2025 में स्टाफ स्तर पर पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच समझौता हुआ था, जिसे 9 मई को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने मंजूरी दी। इसके बाद पाकिस्तान को यह किश्त जारी की गई।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने बेलआउट प्रोग्राम की अगली किश्त के लिए 11 नई शर्तें जोड़ी हैं, जिससे कुल शर्तों की संख्या 50 हो गई है। इनमें 17.6 ट्रिलियन रुपए के नए बजट को संसद से पारित कराना, बिजली बिलों पर कर्ज सेवा अधिभार बढ़ाना, और तीन साल से अधिक पुराने इस्तेमालशुदा वाहनों के आयात पर से प्रतिबंध हटाना शामिल है। एक अन्य शर्त के मुताबिक पाकिस्तान सरकार को 2027 के बाद की वित्तीय रणनीति का विस्तृत खाका तैयार कर उसे प्रकाशित करना होगा। साथ ही, कैप्टिव पावर लेवी ऑर्डिनेंस को स्थायी कानून में बदलने के लिए इस महीने के अंत तक संसद से विधेयक पारित कराना होगा।

भारत ने आईएमएफ की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में मतदान से परहेज किया था, जहां पाकिस्तान के लिए 1 बिलियन डॉलर की किश्त को मंजूरी दी गई थी। भारत ने पाकिस्तान के आईएमएफ ऋणों के दुरुपयोग के इतिहास और बार-बार बेलआउट पर निर्भरता पर सवाल उठाए थे।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय को संघीय अदालत से अस्थायी राहत

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी विद्यार्थियों के सपने को टूटने से फिलहाल अमेरिका की संघीय अदालत ने बचा लिया। संघीय अदालत ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द करने के गुरुवार के फैसले पर अस्थायी रोक लगा दी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ संघीय अदालत का दरवाजा खटखटाया। हार्वर्ड ने कहा यह कदम प्रथम संशोधन, उचित प्रक्रिया खंड और प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है।

यूएस जिला न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन के फैसले पर अस्थायी रोक लगाते हुए अगली सुनवाई मंगलवार सुबह निर्धारित की। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन गार्बर ने शुक्रवार दोपहर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

निकाय को भेजे गए पत्र में संघीय न्यायाधीश के आदेश को हमारे अंतरराष्ट्रीय छात्रों और विद्वानों के अधिकारों और अवसरों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम कहा।

सर्वेक्षण में अधिकांश अमेरिकियों (66 प्रतिशत) ने इस टकराव में हार्वर्ड का पक्ष लिया। 32 प्रतिशत लोगों ने ट्रंप प्रशासन का पक्ष लिया। यह सर्वेक्षण हार्वर्ड विश्विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने से रोकने के प्रशासन के कदम से पहले किया गया। सनद रहे कुछ समय से चल रहे टकराव के बाद ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया था। सीएनएन चैनल की खबर में कहा गया था कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन की नीतिगत मांगों के आगे झुकने से इनकार करने की कड़ी सजा मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा था, हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता है और मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा या अपनी कानूनी स्थिति खोनी होगी।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा था ,विदेशी छात्रों का नामांकन एक विशेषाधिकार है। वह अधिकार नहीं है। साथ ही हार्वर्ड अपनी महानता खो चुका है। परिसर अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों का अड्डा बन गया है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन ने बयान में कहा, हार्वर्ड देश के छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करा पाया है। अब उसे इस ढिलाई की कीमत तो चुकानी ही होगी।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की थी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने फैसले को गैरकानूनी बताया था। उन्होंने बयान में कहा था कि विश्वविद्यालय 140 से अधिक देशों से आने वाले छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रंप प्रशासन की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हार्वर्ड समुदाय और अमेरिका को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय विश्वविद्यालय में 9,970 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 6,793 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए बिरेन्द्र लाकड़ा

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां) ।

हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी बिरेन्द्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है।35 वर्षीय अनुभवी डिफेंडर अब टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे।

खिलाड़ी से कोच बनने की इस नई भूमिका में लाकड़ा का अनुभव टीम की डिफेंस संरचना और मैच टेम्परामेंट को मजबूत करने में सहायक होगा। यह नियुक्ति खास तौर पर एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 को ध्यान में रखते हुए की गई है, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगा।

बिरेन्द्र लाकड़ा ने 2010 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया और जल्द ही देश के सबसे भरोसेमंद डिफेंडर्स में शुमार हो गए। उन्होंने लंदन 2012 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

अपने शानदार करियर में उन्होंने एशियन गेम्स 2014 में गोल्ड, 2018 में ब्रॉन्ज, एशिया कप 2013 में सिल्वर, कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सिल्वर, चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 में सिल्वर जैसे कई महत्वपूर्ण पदक भारत को दिलाए। ओडिशा के रहने वाले लाकड़ा हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में टीम गोणासिका की ओर से खेले, जिससे उनकी फिटनेस और हॉकी के प्रति जुनून झलकता है।

नई भूमिका को लेकर बिरेन्द्र लाकड़ा ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैंने भारत की जर्सी पहनने की कीमत को समझा है और अब मैं अगली पीढ़ी को इसके लिए तैयार करने के लिए उत्सुक हूं।

श्रीजेश के साथ काम करना, जो मेरे साथी और प्रेरणा रहे हैं, एक रोमांचक चुनौती है। हम एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं जो निडर होकर खेल सके और देश को गर्व महसूस करा सके। टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, बिरेन्द्र का टीम से जुड़ना हमारे लिए बहुत बड़ा फायदा है। उनके पास जबरदस्त अनुभव, रणनीतिक समझ और शांत नेतृत्व है, जो इन युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान होगा। हमने मैदान पर कई मुकाबले एक साथ खेले हैं और अब कोच की भूमिका में भी वही जोश और समर्पण लेकर आएंगे। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनाना है जो आने वाले टूर्नामेंट्स, खासकर जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करे।

न्यूज ब्रीफ

मलेशिया मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत ने तीन साल बाद किसी फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने शनिवार को जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में हराकर यह सफलता हासिल की। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 32 वर्षीय श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुराने अंदाज़ की झलक दिखाई। तेज़ नेट प्ले और आक्रामक शॉट्स के दम पर उन्होंने विश्व नंबर 23 तनाका को 21-18, 24-22 से हराया। यह श्रीकांत की छह साल में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर पहली फाइनल एंट्री है। इससे पहले वह 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे। श्रीकांत ने आखिरी बार 2017 में चार खिताब अपने नाम किए थे। एक समय के विश्व नंबर 1 रह चुके श्रीकांत की मौजूदा रैंकिंग 65वीं है। बीते कुछ सालों में वह फॉर्म और फिटनेस के कारण संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन इस प्रदर्शन से उन्होंने वापसी के संकेत दिए हैं।

आईपीएल 2025: क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। लखनऊ में शुक्रवार को खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले में एक अनोखा और दुर्भाग्यपूर्ण विकेट देखने को मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से बल्लेबाजी कर रहे क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में यह दूसरा मौका है जब कोई बल्लेबाज इस अंदाज़ में आउट हुआ है। क्रुणाल पांड्या इस सीज़न हिट विकेट आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले अभिनव मनोहर को इसी तरह का अजीबो-गरीब आउट देखा गया था। पूरे आईपीएल इतिहास की बात करें तो पांड्या अब इस तरह आउट होने वाले 17वें बल्लेबाज हैं। यह घटना दूसरे इनिंग्स के 19वें ओवर में घटी जब पांड्या पैट कमिंस की गेंद का सामना कर रहे थे। वह यॉर्कर गेंद को खेलने के लिए क्रीज में काफी पीछे चले गए, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनका बल्ला स्टंप्स से टकरा गया। गेंद बल्ले से नहीं लगी, लेकिन बल्ले से लगी गिल्लियां जरूर गिर गईं। इसके बाद पांड्या सिर हिलाते हुए मात्र 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आईपीएल में सबसे पहले हिट विकेट का शिकार मुसाविर खोते बने थे। यह घटना 2008 में लीग के पहले सीज़न में हुई थी। तब से अब तक 17 खिलाड़ी इस तरीके से आउट हो चुके हैं। इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में 189 रन पर ही ढेर हो गई।

जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, 22वीं बार टॉप-2 में खत्म किया मुकाबला

नई दिल्ली। पोलैंड में शुक्रवार को हुए जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के स्टार

एथलीट नीरज चोपड़ा ने दमदार वापसी करते हुए आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में जर्मनी के जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया, जो उन्होंने दूसरे राउंड में फेंका। वहीं, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में बाजी मारते हुए पीटर्स को पीछे धकेला। ओलंपिक चैंपियन नीरज की शुरुआत इस बार फीकी रही। उन्होंने पहला प्रयास फाउल किया, जबकि दूसरे राउंड में 81.28 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे और चौथे प्रयास में भी वे फाउल कर बैठे। हालांकि, पांचवें राउंड में उन्होंने खुद को बेहतर करते हुए 81.80 मीटर तक पहुंचे और आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर की दूरी तय कर टॉप-2 में अपनी जगह सुनिश्चित की। नीरज चोपड़ा के लिए यह लगातार 22वां इवेंट रहा, जिसमें उन्होंने टॉप-2 में जगह बनाई है। आखिरी बार वे 26 जून 2021 को फिनलैंड में हुए कूओर्तान गेम्स में टॉप-2 से बाहर रहे थे। नीरज चोपड़ा अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लेंगे, जहां वे एक बार फिर पोडियम फिनिश की कोशिश करेंगे।

दिल्ली ने पंजाब को छह विकेट से हराया

समीर रिजवी का अर्धशतक, नायर ने बनाए 44 रन

जयपुर,24 मई (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंच चुकी टीमों के हार का सिलसिला जारी है। गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बाद पंजाब किंग्स को भी हार झेलनी पड़ी है। दिल्ली कैपिटल्स ने सवाई मान सिंह स्टेडियम पर पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए पंजाब किंग्स ने 8 विकेट पर 206 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। बल्ले से दिल्ली के लिए समीर रिजवी और करुण नायर हीरो रहे। यह सीजन में दिल्ली का आखिरी मुकाबला था। 15 पॉइंट के साथ टीम टेबल में 5वें स्थान पर रही।

युवा बल्लेबाज समीर रिजवी ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। 22 गेंदों पर रिजवी फिफ्टी तक पहुंचे। वह 25 गेंद पर 58 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में रिजवी ने 3 चौके और 5 छक्के लगाए। उन्होंने मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर छक्का लगाकर मैच फिनिश किया। करुण नायर के बल्ले से 27 गेंद पर 44 रनों की पारी निकली। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के मारे।

पंजाब किंग्स के लिए मार्कस स्टोइनिस के 16 गेंद में नाबाद 44 रन और श्रेयस अय्यर ने 34 गेंद में 53 रन बनाये। स्टोइनिस ने अपनी पारी में चार छक्के और तीन चौके जड़कर पंजाब को 200 रन के पार पहुंचाया। दिल्ली को पहली सफलता जल्दी ही मिली जब प्रियांश आर्य (छह) ने मुस्तफिजुर रहमान की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर ट्रिस्टन स्टब्स को कैच थमा दिया। जोश इंगलिस ने मुकेश कुमार को दो चौके लगाकर शुरुआत की जबकि प्रभसिमरन सिंह ने मुस्तफिजुर को चौका लगाया।प्रभसिमरन ने मोहित शर्मा को दो चौके लगाये। पावरप्ले के आखिरी ओवर में विराज निगम को इंगलिस ने एक छक्का और एक चौका लगाया लेकिन फिर गुगली पर चकमा खा गए और स्टब्स ने कुशल स्टम्पिंग का नमूना पेश करके उन्हें पवेलियन भेजा। उन्होंने 12 गेंद पर 32 रन ठोके। इसके बाद पंजाब के कप्तान अय्यर क्रीज पर आये और चौके के साथ खाता खोला। इस बीच प्रभसिमरन ने कुलदीप यादव की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया और फिर निगम को भी नहीं बख्शा। निगम ने हालांकि उनकी पारी का नौवे ओवर में अंत किया।

इसके बावजूद अय्यर विचलित नहीं हुए और कुलदीप को स्लॉग स्वीप पर डीप मिडविकेट में छक्का लगाया।

जिनेवा ओपनः जोकोविच 100वें एटीपी खिताब के एक कदम दूर, सेमीफाइनल में नॉरी को हराया

जिनेवा,24 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को कैमरन नॉरी को हराकर जिनेवा ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 100वें खिताब से महज एक कदम दूर पहुंच गए हैं।

24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबले में ब्रिटेन के नॉरी को 6-4, 6-7 (6/8), 6-1 से हराया। पहला सेट जोकोविच ने सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में वह 5-2 से पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेक तक मुकाबला ले गए, लेकिन एक मैच पॉइंट गंवाकर सेट 6-7 से गंवा दिया।

निर्णायक सेट में जोकोविच पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने शुरुआती तीन गेम लगातार जीतते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः दूसरा मैच पॉइंट भुनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

अब फाइनल में जोकोविच का सामना पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज से होगा। अगर वह यह खिताब जीतते हैं, तो एटीपी टूर में 100 खिताब जीतने वाले जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के बाद तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

38 वर्षीय जोकोविच का यह इस सीजन में पहला फाइनल है। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन उसके बाद से कोई खिताब नहीं जीता। यह टूर्नामेंट उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए चुना है।

जोकोविच अब रविवार से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में उतरेंगे, जहां उनका पहला मुकाबला अमेरिका के मैकेंज़ी मैकडॉनल्ड से होगा। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चौथी बार खिताब जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना चाहेंगे।

मिक्स डबल्स बैडमिंटन क्वार्टरफाइनल

क्वालालंपुर में मिक्स डबल्स बैडमिंटन क्वार्टरफाइनल में खेलती हुई थाईलैंड की जोड़ी।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: उद्घाटन मुकाबले में इंडियन वॉरियर्स से भिड़ेंगे अफ्रीकन लायंस

ग्रेटर नोएडा,24 मई (एजेंसियां) ।

शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्रेटर नोएडा में 27 मई से शुरू हो रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) का उद्घाटन मुकाबला इंडियन वॉरियर्स और अफ्रीकन लायंस के बीच 27 मई को शाम खेला जाएगा। इसके बाद 28 मई से प्रतिदिन डबल हेडर मुकाबले देखने को मिलेंगे। दिन का पहला मैच दोपहर 3:30 बजे से, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। लीग चरण 3 जून को समाप्त होगा, जिसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले 4 जून को क्रमशः दोपहर 3:30 बजे और शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद 5 जून को भव्य समापन समारोह के साथ ग्रैंड फिनाले मुकाबला खेला जाना तय है। आईएलसी के संस्थापक और निदेशक प्रदीप सांगवान ने

कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, यह सिर्फ लीग नहीं बल्कि, 6 महाद्वीपों का समागम है, जो दर्शकों को रोमांच और पुरानी यादों का बेहतरीन मेल देने जा रहा है। शेड्यूल को इस तरह से तैयार किया गया है कि रोमांच बना रहे और दुनियाभर के दर्शक हर दिन स्क्रीन से जुड़े रहें। जहां पूर्व दक्षिण अफ्रीकी धाकड़ बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकन लायंस की कप्तानी करेंगे, तो वहीं एशियन किंग्स की अगुवाई सुरेश रैना के हाथों में है।

एशिया की इस टीम में रैना के साथ पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी जलवा बिखेरते नजर आएंगे। छह महाद्वीपों की 6 टीमों के बीच खेली जा रही इस चैंपियनशिप का मजा दर्शक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव ले सकेंगे। एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित इस लीग का लेखा-जोखा जिस तरह से तैयार किया गया है, निश्चित तौर पर यह क्रिकेट के नए इतिहास की इबारत लिखने जा रहा है।

हरमनप्रीत की कप्तानी में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां) ।

अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड के एम्सटेलीवन और बेल्जियम के एंटवर्प में 7 से 22 जून तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इसके लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम की उपकप्तानी मिडफील्डर हार्दिक सिंह को दी है।

भारतीय टीम अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत में सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों खेलेंगा। इसके बाद 11 और 12 जून को एम्सटेलवीन में अर्जेंटीना से उसके दो मैच होंगे। भारतीय टीम टीम 14 और 15 जून को एंटवर्प जाएगी और फिर 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी। टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को शामिल किया गया है। वहीं सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, कप्तान हरमनप्रीत सिंह,जरमनप्रीत सिंह, संजय और यशदीप सिवाच रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मिडफील्ड में राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, उप कप्तान हार्दिक सिंह, युवा प्रतिभावान राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह को शामिल किया गया है। फॉरवर्ड के तौर पर गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह रहेंगे। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर खुशी जतायी ओर कहा कि टीम को प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना रहेगा।

आरबीसी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले क्लब में पहुंचे ईशान

मुम्बई । सनराजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड बनाया है। ईशान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में शामिल हो गये हैं। आरसीबी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ अब तक सबसे अधिक 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटलस के केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस सूची में ईशान भी शामिल हो गये हैं। ईशान के नाम 32 छक्के हैं। ईशान ने 14 मैच में ही ये आंकड़ा हासिल किया है। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। बटलर और कीरोन पोलार्ड ने भी 32-32 छक्के लगाये हैं। ईशान किशन ने कहा कि जब आप पारी की शुरुआत के के लिए पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप रन गति बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे।

पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की, एफटीए पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं की एक महीने के भीतर दूसरी मुलाकात थी, जिसमें भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की गई।

गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी।

यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर इस मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी है। यूरोपीय संघ के अधिकारी मारोस सेफकोविक ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा, अपने मित्र और समकक्ष पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम लगातार प्रगति कर रहे हैं। आइए, हम कड़ी मेहनत और स्पष्ट फोकस के साथ गति बनाए रखें। मैं जल्द ही हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मारोस सेफकोविक के पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर लिखा है, मेरे मित्र, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। हम भारत और यूरोपीय संघ की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस गति को जारी रखें!

अमेरिका के दौरे पर गए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23 मई को वाशिंगटन से ब्रुसेल्स पहुंचे, जबकि भारत के मुख्य वार्ताकार एल. सत्य श्रीनिवास और उनकी टीम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता के लिए पहले से ही यूरोपीय संघ मुख्यालय में मौजूद हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के अनुसार ईयू-भारत व्यापार वार्ता गति पकड़ रही है, दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 के अंत तक एक समझौते को पूरा करना है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में तेजी लाने के लिए डच समर्थन भी मांगा, जिसे भारत 2025 के अंत तक पूरा करने की उम्मीद करता है। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हाल ही में 16 मई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ग्यारहवें दौर की वार्ता पूरी की है।

न्यूज ब्रीफ

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराएः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जानें अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉरस्पोंडेंट की मदद भी ली जा सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अन्रोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियां या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को 'निष्क्रिय' श्रेणी में रखा जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करे। ग्राहकों को निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

अब बेंगलुरु मेट्रो रेल पर शौचालय सुविधा के लिए देने होंगे पैसे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के मेट्रो यात्रियों को अब शौचालय सेवाओं का उपयोग करने के लिए पैसे देने होंगे, इस अपवादपूर्ण निर्णय से समाज में उत्पन्न विवाद का हुआ आयोजन। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने 12 स्टेशनों पर शौचालय से संबंधित सुविधाओं के लिए सुलभ इंटरनेशनल को भेजा किया है। इसके साथ ही यात्रियों से यूरिन के लिए 2 रुपये और शौचालय उपयोग के लिए 5 रुपये वसूले जाएंगे। इस निर्णय को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की कड़ी आलोचना हुई है, जिन्होंने इसे मानवीय जरूरतों का व्यवसायीकरण बताया। मेट्रो यात्रियों को 12 स्टेशनों पर चुकानी पड़ेगी कीमत सरकार को मिल रही आलोचना का मुख्य कारण यह है कि पहले ही मेट्रो किरायों में 71 फीसदी की वृद्धि की गई थी। सुविधाओं के लिए अत्यधिक पैसे वसूलने पर सामाजिक संगठनों और जनता में कई उतार-चढ़ाव देखा गया है।

27 मई को चीन में लॉन्च होंगे वनप्लस एसीई 5 रेसिंग और अल्ट्रा एडिशन

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वनप्लस द्वारा वनप्लस एसीई 5 रेसिंग एडिशन और वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन 27 मई को चीन में लॉन्च किए जाएंगे। एसीई 5 रेसिंग एडिशन, मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400ई प्रोसेसर के साथ आने वाला पहला फोन होगा। अब कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400 प्लस प्रोसेसर और खास फेंगची गेमिंग कोर देखने को मिलेगा।वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन को पांच वेरिएंट में पेश किया जाएगा, जिनमें 12जीबी + 256जीबी, 16जीबी + 256जीबी, 12जीबी + 512जीबी, 16जीबी + 512जीबी और 16जीबी + 1टीबी शामिल हैं। यह फोन तीन रंगों फैंटम ब्लैक, ब्रीज ब्लू और टाइटेनियम गोल्ड में उपलब्ध होगा। वहीं एसीई 5 रेसिंग एडिशन चार वेरिएंट्स 12जीबी + 256जीबी, 16जीबी + 256जीबी, 12जीबी + 512जीबी और 16जीबी+ 512जीबी में आएगा और यह रॉक ब्लैक, वाइट और विल्डरनेस ग्रीन कलर में मिलेगा। फीचर्स की बात करें तो एसीई 5 रेसिंग एडिशन में 6.77 इंच का 1.5के एलटीपीएस ओलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। इस फोन में 7000 एमएएच की बैटरी होगी, जो 100डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और गेमिंग को बेहतर बनाने के लिए कस्टमाइजेबल मैजिक क्यूब फीचर भी मिलेगा।

फोर्ड की नई कॉम्पैक्ट क्रॉस ओवर लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

लग्जरी कार निर्माण क्षेत्र की कंपनी फोर्ड यूरोप में एक नई कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। नई एसयूवी में स्पोर्टी और बोल्ड डिजाइन होगा, जो फोर्ड की लेटेस्ट डिजाइन भाषा का अनुसरण करेगा, जैसा कि टेरिटरी मॉडल में देखा गया था।

इस कार में होरिजोंटल स्लैट्स, शार्प एलईडी डीआरएलएस और एक बड़ा ग्रिल प्रमुख रूप से देखने को मिलेगा। यह मस्कुलर प्रोफाइल और कर्वी बॉडी पैनलिंग के साथ आएगी। आकार में यह फोर्ड प्यूमा से थोड़ी छोटी होगी, जिसकी लंबाई लगभग 4,000एमएम से 4,100 एमएम के बीच हो सकती है। नई क्रॉसओवर मल्टी-एनर्जी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी, जो माइल्ड हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, फुल हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वर्जन को सपोर्ट करेगी। इसका मतलब यह है कि यह भविष्य की मांगों के अनुरूप एक आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल वाहन होगा। उत्पादन स्पेन के अल्मुसफेस प्लांट में होगा। फोर्ड का यह नया मॉडल यूरोपीय बाजार के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है, जहां कॉम्पैक्ट एसयूवी की डिमांड काफी अधिक है। यह लगभग 20,000 से 24,000 यूरो (करीब 19.18 लाख से 23 लाख रुपए) के बीच कीमत पर उपलब्ध होगा और डेसिया डस्टर, रेनो कैप्चर और वोक्सवैगन टी-क्रॉस जैसी कारों को टक्कर देगा। भारत में इकोस्पोर्ट 2013 में लॉन्च हुई थी और 4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में लोकप्रिय रही, लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कम बिक्री के कारण 2022 में इसे बंद कर दिया गया। फोर्ड ने भारत में अपने चेन्नई प्लांट की गतिविधियां भी 2022 में बंद कर दी थीं, लेकिन अब एक्सपोर्ट के लिए उत्पादन फिर से शुरू करने पर विचार चल रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। बता दें कि इकोस्पोर्ट, जो कभी भारतीय बाजार में काफी पसंद की जाती थी, अब बंद हो चुकी है, लेकिन इसके स्थान पर आने वाली नई एसयूवी फोर्ड की बंद हो चुकी फिएस्टा और फोकस जैसी कारों की कमी भी पूरी करेगी।

महिंद्रा ने बोलेरो और बोलेरो नियो को किया अपडेट

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवीएस बोलेरो और बोलेरो नियो को महिंद्रा ने अपडेट कर दिया है। यह अपडेट मॉडल डीलर-लेवल एक्सेसरीज पैक के साथ बोल्ड एडिशन के रूप में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 20,500 रुपए से लेकर 40,000 रुपए तक जाती है। इस नई पेशकश में मुख्य रूप से कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बोलेरो के बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स के ऊपर डार्क क्रोम फिनिश, फ्रंट ग्रिल, डोर हैंडल और रियर फेंडर पर वेंटिलेटर दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लैक-आउट फॉग लाइट सराउंड और फ्रंट बंपर पर भी नए एलिमेंट्स देखे जा सकते हैं। इंटीरियर में नई सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ बेज हाइलाइट्स दिए गए हैं। इस एडिशन में नए डोर सिल प्लेट और मैट भी शामिल हैं। बोलेरो बोल्ड एडिशन की कीमत 10.02 लाख रुपए से लेकर 11.14 लाख रुपए तक है, जबकि एक्सेसरीज पैक की कीमत 20,500 रुपए है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स, नोज और डोर हैंडल पर डार्क क्रोम एलिमेंट्स, ब्लैक-आउट रूफ रेल्स, फ्रंट फॉग लाइट सराउंड और व्हील आर्च जैसे बदलाव किए गए हैं। इसके केबिन में नई ब्लैक सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ नेक कुशन और नए मैट्स भी जोड़े गए हैं। सबसे खास फीचर इस मॉडल में रियर कैमरा का जुड़ना है। बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन की कीमत 11.90 लाख रुपए से 12.58 लाख रुपए तक है, और एक्सेसरी पैक की कीमत 40,000 रुपए है।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ 28 मई को खुलेगा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर

स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मई को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर तय किया। आईपीओ 30 मई को बंद होगा। गुजरात की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंकर (बड़े) निवेशक 27 मई को बोली लगा सकेंगे।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ पूर्णतः इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम है, जिसकी कुल राशि 220 करोड़ रुपये है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग ट्यूब और पाइप के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्य लगभग 840 करोड़ रुपये है। निर्गम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार में आ रही कमी

नई दिल्ली। कोलकाता से 80 किलोमीटर दूर, पेट्रापोल लैंड पोर्ट उचित व्यवसायिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है जो भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पार व्यापार के लिए प्रमुख सड़क परिवहन सेवा उपलब्ध कराता है। मगर हाल ही में दोनों देशों के बीच राजनितिक तनाव और माल ढुलाई में गिरावट के कारण व्यापारिक गतिविधियों में कमी आई है। पेट्रापोल भारत एवं बांग्लादेश के बीच व्यापार और यात्रियों की आवाजाही के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण भूमि बॉर्डर क्रॉसिंग है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि मार्ग से होने वाला करीब 70 फीसदी व्यापार (मूल्य के लिहाज से) इसी लैंड पोर्ट के जरिये होता है। बिल्कुल सीमा पर अपने मेहराबों के साथ खड़ा यहां का विशाल कार्गो गेट दोनों देशों के बीच व्यापार में संभावित उछाल का प्रतीक है। मैत्री द्वार की क्षमता रोजाना करीब 2,000 ट्रकों को संभालने की है। यह आधुनिक सुविधाओं से लैस है जहां नंबर प्लेट की स्वचालित पहचान से लेकर बूम बैरियर, फेशियल रिकॉग्निशन मशीन, प्रवेश एवं निकास के लिए ऐक्सेस कंट्रोल आदि लगे हैं। मगर सवाल यह है कि दोनों तरफ से लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों कारण यह प्रवेश द्वार अपनी वास्तविक क्षमता को कब महसूस करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विकसित भारत...

किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें इस तरह से काम करना चाहिए कि लागू की गयी नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव लायें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव को मजबूत करता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है।

उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक शानदार अवसर है। हमें इस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो।

उन्होंने कहा, अगर हम इन सभी दिशाओं में मिल कर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

उन्होंने पर्यटन क्षेत्र के विकास के लाभ को भी रेखांकित किया और एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य का नारा दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप और सभी सुविधायें और बुनियादी ढांचा प्रदान करके हर राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस रणनीति से पर्यटन स्थल के आस पास के शहरों का पर्यटन स्थल के रूप में विकास भी होगा।

उन्होंने कहा, भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।

नीति आयोग के अनुसार आज की बैठक का मुख्य विषय है- 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्यएट 2047।' राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इस बैठक में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों के विकास पर विशेष चर्चा हो रही है।

आयोग का मानना है कि राज्यों को मानव विकास, आर्थिक विकास, स्थिरता, प्रौद्योगिकी और शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने अद्वितीय भौगोलिक और जनसांख्यिकीय लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) भाग ले रहे हैं।

हंसी ठहाके...

इस दौरान वह चाय की चुस्की का आनंद लेते हुए भी नजर आए। विपक्ष शासित मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की हंसते-मुस्कुराते फोटो सामने आईं। कई तस्वीरें ऐसी भी आई जिसमें पीएम मोदी गर्मजोशी से विपक्षी मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं।

तस्वीरों में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पीएम मोदी पीठ थप-थपाते हुए भी नजर आ रहे हैं। वही भगवंत मान के साथ उनके अच्छी चर्चा भी दिख रही है। हालांकि, सभी मुलाकातों में एक सामान्य चीज यह रही कि प्रधानमंत्री के साथ हमेशा चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे। हाल में देखें तो केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच तनातनी की स्थिति देखने को मिली। आज एमके स्टालिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बॉन्डिंग भी अच्छी लगी जब दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ भारत की शत्रुता के बाद प्रधानमंत्री की राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ यह पहली बैठक थी।

इस बैठक में पुडुचेरी, कर्नाटक और केरल के दक्षिणी मुख्यमंत्रियों ने भाग नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री - एन चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और रेवंत रेड्डी - मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सुखू भी बैठक में शामिल हुए।

सिर्फ 50 लाख में ...

पूर्व विधायक अली शब्बीर ने भी 20 लाख रुपये का दान दिया, जबकि तत्कालीन तेलंगाना कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पी सुदर्शन ने 15 लाख रुपये दिए। कथित तौर पर सबसे अधिक एकल दान, 25 लाख रुपये, तेलंगाना कांग्रेस के तत्कालीन कार्यकारी अध्यक्ष से आया था। ये सभी योगदान एक महीने के भीतर किए गए थे। ईडी की जांच में कर्नाटक और पंजाब में भी इसी तरह के दान पैटर्न का पता चला है। सूत्रों के मुताबिक, दिग्गज कांग्रेस नेता पवन बंसल ने कथित तौर पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और उनके भाई, सांसद डीके सुरेश को अप्रैल 2022 में 25-25 लाख रुपये दान करने का निर्देश दिया था। उसी महीने, शिवकुमार से जुड़े एक ट्रस्ट, नेशनल एजुकेशन ट्रस्ट ने यंग इंडियन को 2 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के पास...

सभी ने भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति लाने के प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा ही इस दिशा में पहल की है, लेकिन दुर्भाग्य से, जब भी शांति वार्ता चल रही होती है, तो भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी हमलों के कारण हमें भी नुकसान उठाना पड़ता है, और हर बार इसका संबंध पाकिस्तान से ही होता है। आखिरकार, अब समय आ गया है कि हम किसी भी बहाने को स्वीकार न करें और सच को सच कहें। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद और आतंकवाद को प्रायोजित करना दो अलग-अलग चीजें नहीं हैं।

सांसद कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके), राजीव राय (एसपी), कैप्टन बृजेश चौटा (बीजेपी), प्रेम चंद गुप्ता (आरजेडी), डॉ. अशोक कुमार मित्तल (आप) और पूर्व राजदूत मंजीव एस पुरी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को में भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रूसी संघ में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

अगर आतंकवाद ...

मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान एक दुष्ट संचालक है। हमें सबसे पहले इस जंगली संचालक से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की जरूरत है। अन्यथा, यह जंगली संचालक और अधिक पागल कुत्तों को पालेगा और बड़ा करेगा। बनर्जी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष को जिम्मेदारी से संभाला है और यह सुनिश्चित किया है कि उनकी कार्रवाई सटीक तथा तनाव बढ़ाने वाली प्रकृति की न हो।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। टीएमसी सांसद ने कहा कि भारत ने जापान से संपर्क किया था क्योंकि वह एक रणनीतिक साझेदार है और उसने देश को आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, हम अलग-अलग पार्टियों से यहां आए हैं और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट हैं। हम सबूतों के साथ आए हैं। आज यह भारत है, कल यह कोई और देश होगा।

पाक ने किया ...

भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की यात्रा कर रहा है. इसके लिए 7 दल बनाए गए हैं, जिनमें सांसदों के अलावा कई राजनयिक और पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद सरकार को चालू वित्त वर्ष के लिए कोई अतिरिक्त रक्षा बजट की आवंटन की आवश्यकता नहीं दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने रक्षा बजट पर्याप्त रखा है।

मुश्किल में ...

एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। इस मामले का रिकॉर्ड फिर से चाईबासा की एमपी एमएलए कोर्ट में भेजा गया। यहा न्यायिक दंडाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया था। इसके बाद राहुल गांधी को समन जारी किया गया था।

आज से 3 जून तक रहेगा नौतपा

रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश करने से बनता है गर्मी का अनोखा योग

नौतपा तब होता है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है । यह हर साल आता है और इस दौरान 9 दिनों तक सूर्य देव उग्र रूप में रहते हैं। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य 25 मई को 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद नौ दिन का नौतपा रहेगा। इसके साथ ही सूर्य देव 8 जून को 1:04 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। 8 जून को ही सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जायेंगे और 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश से नौतपा भी प्रारंभ हो जाएंगे। नौतपा से आशय सूर्य का नौ दिनों तक अपने सर्वोच्च ताप में होना है यानि इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है।

चंद्र देव रोहिणी नक्षत्र के स्वामी हैं, जो शीतलता का कारक हैं, परंतु इस समय वे सूर्य के प्रभाव में आ जाते हैं। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 15 दिनों के लिए आता है तो उन पंद्रह दिनों के पहले नौ दिन सर्वाधिक गर्मी वाले होते हैं। इन्हीं शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। ज्येष्ठ मास की ग्रीष्म ऋतु में नवतपा को अधिक गर्मी का संकेत माना जाता है। नवतपा शुक्ल पक्ष में आर्द्रा नक्षत्र से 9 नक्षत्रों तक यानी 9 दिनों तक रहता है। यह आवश्यक नहीं है कि नवतपा में अधिक गर्मी हो। आर्द्रा के 10 नक्षत्रों तक, जो सबसे अधिक गर्मी प्राप्त करता है, बाद में सूर्य उस नक्षत्र में 15 दिनों तक रहता है और अच्छी वर्षा होती है। नौतपा की शुरुआत भी रोहिणी नक्षत्र से होगी। नवतपा में तेज हवा के साथ बवंडर और बारिश की संभावना रहती है। नौतपा समय की ग्रह स्थिति तेज हवा, बवंडर और बारिश का संकेत दे रही है। इस बार 25 मई से नौतपा शुरू होंगे और 3 जून तक रहेंगे।

नौतपा कब होगा शुरू

जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो ग्रीष्म ऋतु शुरू हो जाती है, जो हर साल 25 मई से 3 जून तक रहती है । इस बार भी सूर्य 25 मई की सुबह 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा और 8 जून तक यहीं रहेगा । 8 जून के बाद यह मृगशिरा नक्षत्र में चला जाएगा। सूर्य जितने दिनों तक रोहिणी नक्षत्र में रहता है। पृथ्वी भी उतने ही दिनों तक अत्यधिक गर्मी का अनुभव करती है । ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गर्मी का मौसम 9 दिनों तक रहता है। यानी पृथ्वी पर लोगों को 9 दिनों तक अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है ।

प्रभाव

नौतपा के कारण संक्रमण में कमी आयेगी। संक्रमण का असर न्यूनतम होगा। लोगों में अनुकूलता और आरोग्यता भी बढ़ेगी। खगोल विज्ञान के अनुसार इस दौरान धरती पर सूर्य की किरणें सीधी लम्बवत पड़ती हैं। जिस कारण तापमान अधिक बढ़ जाता है। यदि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है।

पौराणिक महत्व

नौतपा का ज्योतिष के साथ-साथ पौराणिक महत्व भी है। ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत और श्रीमद् भागवत में नौतपा का वर्णन आता है। कहते हैं जब से ज्योतिष की रचना हुई, तभी से ही नौतपा भी चला आ रहा है। सनातन संस्कृति में सदियों से सूर्य को देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। नौतपा को लेकर लोक मान्यता है कि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो आगे के दिनों में अच्छी बारिश होती है। ज्योतिषों का कहना है कि चंद्रमा जब ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में आर्द्रा से स्वाति नक्षत्र तक अपनी स्थितियों में हो और इसके साथ ही अधिक गर्मी पड़े, तो वह नौतपा कहलाता है। वहीं अगर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस दौरान बारिश हो जाती है तो इसे रोहिणी नक्षत्र का गलना भी कहा जाता है।

मानसून का गर्भकाल

मान्यता है कि सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण यह मानसून का गर्भ आ जाता है और इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल माना जाता है। ऐसे में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं।

परंपरा

परंपरा के अनुसार नौतपा के दौरान महिलाएं हाथ पैरों में मेहंदी लगाती हैं। क्योंकि मेहंदी की तासीर ठंडी होने से तेज गर्मी से राहत मिलती है। इन दिनों में पानी खूब पिया जाता है और जल दान भी किया जाता है ताकि पानी की कमी से लोग बीमार न हो। इस तेज गर्मी से बचने के लिए दही, मक्खन और दूध का उपयोग ज्यादा किया जाता है। इसके साथ ही नारियल पानी और ठंडक देने वाली दूसरी और भी चीजें खाई जाती हैं।

क्या करें और क्या न करें

ग्रहों और नक्षत्रों के प्रभाव में नवत्पा 25 मई से शुरू हो रहा है। नौतपा के दिनों में विवाह जैसी मांगलिक यात्रा में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ग्रहों की स्थिति को देखते हुए देश के पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में प्राकृतिक आपदाएं पैदा हो रही हैं। यह नौतपा 02 जून तक चलेगा। .नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रहता है। इसके फलस्वरूप सूर्य की सीधी किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं, इस दौरान अत्यधिक भीषण गर्मी देखी जा सकती है। सूर्य की मौजूदा स्थिति अशुभ फल दे सकती है। वृष राशि वालों के लिए वर्तमान समय खराब है।

सूर्य की आराधना

रोहिणी नक्षत्र के दौरान सूर्य की आराधना करना विशेष फलदायी होता है। सुबह सूर्योदय के पहले स्नान कर सूर्य को अर्घ दें। जलपात्र में कंकूम डाले और सूर्य को जल चढ़ाए। जल चढ़ाते समय सूर्यदेव का मंत्र ऊं घृणि सूर्याय नमः, या ऊँ सूर्यदेवाय नमः का निरंतर जाप करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सूर्य रोहिणी नक्षत्र में, गर्मी में कर लीजिए ये काम अगले जन्म में भी सुख और आराम

आज यानी 25 मई से सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आ पहुंचे हैं। इस नक्षत्र में सूर्य के आने पर पृथ्वी से सूर्य की दूरी कम हो जाती है जिससे गर्मी बढ़ जाती है। रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश से 9 दिनों तक यह स्थिति बनी रहती है। शास्त्रों में कहा गया है कि गर्मी के इन दिनों में अगर आप चाहें तो अपने अगले जन्म और इस जन्म के साथ ही परलोक को भी सुखमय बना सकते हैं। इस समय किए गए कुछ आसान से काम मृत्यु के बाद यममार्ग में सुख प्रदान करते हैं और जीवात्मा आसानी से कष्टकारी यममार्ग को पार कर जाता है।

अगले जन्म में होते हैं धनवान

घर के बाहर पानी का मटका और ग्लास रख दीजिए जिससे प्यासे मुसाफिरों को जल आसानी से मिल जाए। मटकी के अलावा अगर हो सके तो घर के बाहर टब में पानी भरकर रख दीजिए ताकि प्यासे जीव जंतु को जल मिल जाए। पुराणों कथा मिलती है कि जो व्यक्ति गर्मी के दिनों में प्सासे जीवों के लिए जल की व्यवस्था करता है उसे कई पाप यम देवता क्षमा कर देते हैं। जो गाय के लिए जल की व्यवस्था करता है वह स्वर्ग में स्थान पाता है और अगले जन्म में धनवान होता है।

यममार्ग में नहीं जलाते सूर्यदेव

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि यममार्ग बहुत ही कष्टकारी है। इस मार्ग एक साथ कई सूर्य चमकते हुए नजर आते हैं। रास्ते तांबे जैसे तपे हुए रहते हैं। जो व्यक्ति गर्मी के दिनों में जरूरतमंदों को जूते चप्पलों का दान करता है उसे यम मार्ग के तपे हुए रास्ते भी शीतल जान पड़ते हैं। नौतपा को दौरान जो 25 मई से आरंभ हुआ है और 2 जून तक रहने वाला है इस बीच इनका दान बहुत ही कल्याणकारी माना गया है।

वंश और सुख की वृद्धि

शास्त्रों में कहा गया है कि फल का दान सुख और धनदायक होता है। ग्रीष्म काल में सभी जीव सूर्य के ताप से कष्ट में रहते हैं फलों का रस सूर्य के ताप से होने वाले कष्ट को कम करता है और सुख देता है। इसलिए ग्रीष्म काल में फलों का दान खास तौर पर रसीले फलों का दान बहुत ही उत्तम माना गया है। इन दिनों फल देने वाले वृक्षों को जल देना और उनकी सेवा करना पितरों की सेवा करना माना गया है। इससे पितृगणों की कृपा प्राप्त होती है जिससे वंश की वृद्धि होती है और सुख प्राप्त होता है।

ऐसे लोग होते हैं छत्रधारी

गर्मी के महीने में छत्र का दान यानी छाते का दान करने के लिए शास्त्रों में कहा गया है। इस मौसम में छाते का दान जरूरतमंदों को दिया जाए तो यह बहुत ही सुखकारी माना गया है।

छाता दान लेना वाला छाता लेकर जितने कदम धरती पर चलता है व्यक्ति का यश उतना ही बढ़ता है। अगले जन्म में व्यक्ति छत्रधारी यानी समाज में वरिष्ठ सम्मानित व्यक्ति होता है।

प्राचीन काल छत्रधारी राजा और सामंत माने जाते थे। मृत्यु के बाद छाता दान करने वाले को यम के दूत सम्मान पूर्वक यममार्ग पर लेकर जाते हैं।

चंदन का दान और लेपन करने का लाभ

ग्रीष्म काल में चंदन का लेपन ताप को दूर करता है। इसलिए इन दिनों में चंदन की लकड़ी का दान करना चाहिए। अगर दान नहीं कर सकते तो नियमित अपने ईष्ट देव को चंदन का लेपन करें। इससे देवता की कृपा प्राप्त होती है जिसे सुख और आनंद में वृद्धि करने वाला माना गया है।

अब 9 दिन पड़ेगी झुलसा देने वाली गर्मी, इस बात की आशंका

नौतपा 25 मई से शुरू हो चुका है। ऐसे में अगले नौ दिन सूर्य और धरती के बीच की दूरी सबसे कम होगी। इस दौरान लोगों को उमस भरी तीखी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के संस्कृत साहित्याचार्य महेन्द्र कुमार पाठक ने बताया कि ज्येष्ठ महीना सोमवार 17 जून तक रहेगा। इस दौरान नौ दिन सबसे ज्यादा तपिश वाले होते हैं। इन्हें नौतपा कहा जाता है। इस साल यह 25 मई से शुरू होगा।

ये दिन कहलाते हैं नौतपा

इस दिन सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रात 12:52 में प्रवेश करेगा और 8 जून की रात 12:11 बजे तक रहेगा, लेकिन नौतपा 25 मई से 3 जून तक ही रहेंगे। रोहिणी नक्षत्र की दृष्टि साल में एक बार सूर्य पर पड़ती है। यह नक्षत्र 15 दिन रहता है, लेकिन शुरू के पहले चंद्रमा जिन 9 नक्षत्रों पर रहता है वह दिन नौतपा कहलाते हैं। इस दौरान सूर्य, मंगल, बुध का शनि से समसप्तक योग होने से धरती के तापमान में इजाफा होगा।

तूफान के मिल रहे हैं संकेत

नौतपा के दौरान धरती जितनी ज्यादा तपेगी, आने वाले समय में बारिश के योग उतने ही अच्छे मिलेंगे। यानी शास्त्रों में नौतपा की तपिश से बारिश का अनुमान लगाया जाता है। हालांकि इस दौरान कुछ जगहों पर आंधी, लू और तूफान आने के भी संकेत मिल रहे हैं। नौतपा के बाद अच्छी बारिश होगी, जिससे धरती फिर हरी-भरी हो जाएगी।

इनका दान करना कल्याणकारी

रोहिणी नक्षत्र को वृषभ राशि का मस्तक कहा गया है। इस नक्षत्र में तारों की संख्या पांच है। साथ ही इस दौरान चार ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन भी होगा।

इस दौरान शीतलदायक वस्तुओं का दान कल्याणकारी रहता है। सुबह स्नान-पूजन करने के बाद सत्तू, घड़ा, सुराही, पंखा और छाता आदि का दान करना चाहिए। इसमें आटे से भगवान ब्रह्मा की मूरत बनाकर पूजा की जाती है।

मौसम वैज्ञानिकों ने भी जताए आसार

मौसम वैज्ञानिकों ने भी अगले कुछ दिन भीषण गर्मी के आसार जताए हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि अगले दो दिन शहर में लू चलने और तापमान में दो से तीन डिग्री बढ़ोतरी का अनुमान है।

नौतपा में क्यों झुलसता है आसमान? भीषण गर्मी का राज और इसके पीछे छिपा वैज्ञानिक सच

हर साल मई के आखिरी सप्ताह में जब तापमान चरम पर पहुंचता है, तब एक विशेष कालखंड शुरू होता है जिसे नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश सबसे तीव्र मानी जाती है और ऐसा कहा जाता है कि इन 9 दिनों में मानो आसमान से आग बरसती है। ग्रामीण मान्यताओं से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, नौतपा को लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। जहां एक ओर लोग इससे बचने के लिए तरह-तरह के उपाय करते हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि अगर नौतपा में पर्याप्त गर्मी नहीं पड़ी, तो वर्षा ऋतु प्रभावित हो सकती है, जिससे कृषि पर बड़ा असर पड़ता है।

नौतपा के 9 दिन क्यों पड़ते हैं सबसे गर्म?

नौतपा सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ शुरू होता है। इस दौरान सूर्य पृथ्वी के बेहद करीब होता है, जिससे इसकी किरणें सीधी और तीव्र होकर जमीन पर गिरती हैं। इससे तापमान तेजी से बढ़ता है। साथ ही, इन दिनों में आर्द्रता बहुत कम होती है, जिससे गर्मी और अधिक झुलसाने वाली महसूस होती है।

विज्ञान कहता है कि पृथ्वी की कक्षा और सूर्य की स्थिति के कारण मई-जून का यह समय उत्तरी गोलार्द्ध में सबसे गर्म होता है। परंपराओं में इसे नौतपा कहा गया है क्योंकि यह आग जैसी गर्मी लाता है।

अगर नौतपा में न पड़ी गर्मी, तो हो सकता है बड़ा नुकसान

कई बार लोग सोचते हैं कि अगर गर्मी कम हो तो अच्छा है, लेकिन कृषि विशेषज्ञ मानते हैं कि नौतपा का गर्म होना मानसून के लिए बेहद जरूरी है। जब जमीन और वातावरण पूरी तरह गर्म हो जाता है, तब बादलों को खिंचाव मिलता है और अच्छी बारिश होती है।

अगर नौतपा ठंडा रहा या बादल छाए रहे, तो यह संकेत हो सकता है कि मानसून कमजोर रहेगा। इससे धान, मक्का, कपास जैसी फसलों पर असर पड़ सकता है और खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट आ सकती है। ङ्ग

नौतपा केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि भारतीय कृषि और पारंपरिक ज्ञान का एक अहम हिस्सा है। इसकी गर्मी जितनी कष्टदायक होती है, उतनी ही जरूरी भी है – खासकर एक अच्छे मानसून और फसल उत्पादन के लिए।

नौतपा से बचने के लिए करें ये उपाय नहीं पड़ेंगे बीमार

आज से नौतपा की शुरुआत हो रही है। यह 25 मई से शुरू होकर 3 जून तक चलेगा। इन 9 दिन भीषण गर्मी पड़ने वाली है। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले इस नौतपा में सूरज अपने प्रचंड रूप में होता है। जिसके चलते डॉक्टर लोगों को सलाह देते हैं कि वो दिन के समय बाहर निकलने से बचे। नौतपा में सूरज की ताप इतनी ज्यादा होती है कि इससे शरीर से झुलसने तक का खतरा रहता है। ऐसे में आपको अपनी सेहत के साथ-साथ अपनी त्वचा का भी ध्यान रखना काफी जरूरी है।

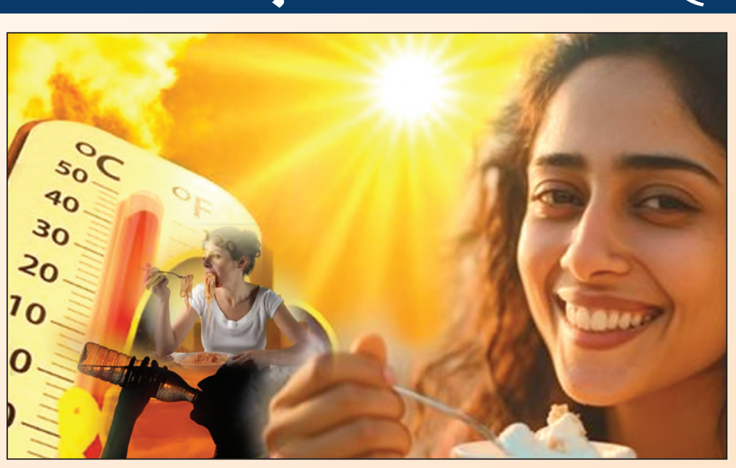

पानी पिएं

गर्मियों में आपको बार-बार पानी पीते रहना चाहिए। पानी शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। भीषण गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीने की कोशिश करें। अगर आप इन दिनों में ट्रैवल करने वाले हैं, तो आपको अपने पास पानी की बॉटल जरूर रखनी चाहिए।

चेहरे को ठंडे पानी से धोएं

अपने चेहरे को दिन में कई बार सिर्फ ठंडे पानी से धोएं। चेहरे के साथ-साथ हाथ-पैरों को भी धोते रहें। ताकि गर्मी का प्रभाव आपकी त्वचा पर न पड़ सके। ध्यान रखें कि बाहर से आते ही तुंरत ठंडा पानी इस्तेमाल न करें, ये नुकसानदायक हो सकता है। पहले 10 मिनट आराम करें, फिर हाथ-मुंह धोएं।

हेल्दी खाना

आप अपनी डाइट में हेल्दी फल और सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। नौतपा के दौरान आपको अपने खान-पान में ऐसी चीजों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करने की कोशिश करनी चाहिए जिनके अंदर पानी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती हो।

कूलिंग मास्क

आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए कूलिंग मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। फेस मास्क में चंदन, खीरा, एलोवेरा और मुल्तानी मिट्टी जैसे तत्व होने चाहिए, क्योंकि ये ही आपकी त्वचा को ठंडा करने में मदद करेंगे। ये सनबर्न से भी राहत दिलाएंगे।

हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स

गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए आप नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऐसी ड्रिंक्स भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। जो कि आपकी बॉडी को हाइड्रेट रखें। हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल करने की वजह से आप भीषण गर्मी में भी तबीयत खराब होने के खतरे को कम कर सकते हैं।

स्किन केयर

नौतपा में रात के समय स्किन केयर अवश्य करें। ऐसा कहा जाता है कि रात से समय त्वचा खुद को हील करती है। इसलिए दिन भर की थकान को दूर करने के लिए रात में सही स्कन केयर रुटीन फॉलो करें। खासतौर पर यदि सनबर्न हुआ है, तो रात में स्किन केयर करें, ताकि आपको राहत मिल सके।

नौतपा में क्या खाना चाहिए क्या नहीं खाना चाहिए

25 मई से 3 जून तक ना खाएं से 7 चीजें, सेहत पर पड़ सकती हैं भारी बैंगन नौतपा के नौ दिन आयुर्वेद बैंगन ना खाने की सलाह देता है। तेल-मसाले घी और तेल मसाले गर्मी के मौसम में आपका पेट बिगाड़ सकते हैं। दही,अंडा (नॉन-वेज), कॉफी-चाय, शराब-सोडा, ज्यादा सोडियम वाले फूड।

नेशनल ब्रदर्स डे : करण अर्जुन से लेकर रक्षा बंधन तक भाई-बहन के अटूट रिश्ते को दर्शाती 5 फ़िल्में

नेशनल ब्रदर्स डे भाई-बहनों के बीच अटूट रिश्ते को मनाने का सबसे खास समय है। चाहे वो टीवी का रिमोट हो या मिठाई का बड़ा टुकड़ा, भाई-बहन की नोकझोंक के बावजूद, ये रिश्ता वक्त की सबसे बड़ी कसौटियों पर भी खरा उतरता है। बॉलीवुड ने हमेशा ऐसे किस्से गढ़े हैं जिन्होंने हमें हंसाया, रुलाया और ये यकीन दिलाया कि एक ऐसा भाई होना कितना खास है जो हर हाल में हमारे साथ खड़ा हो। इस मौके पर, पेश हैं पांच ऐसी फिल्में जिनके ऑन-स्क्रीन भाइयों को हम हकीकत में भी पाना चाहते!

करण अर्जुन –भाईचारे के प्यार की कालातीत कहानी जो मौत जैसी सच्चाई को भी मात दे दी। करण अर्जुन एक आइकॉनिक फिल्म थी! शाहरुख खान और सलमान खान की जोड़ी ने पुनर्जन्म लेकर अपने परिवार के सम्मान का बदला लिया। राखी गुलज़ार का वो डायलॉग – मेरे करण अर्जुन आएंगे – आज भी दर्शकों के दिल में गूंजता है। इस फिल्म ने साबित किया कि सच्चे भाईचारे का रिश्ता इतना मजबूत होता है कि उसे मौत भी तोड़ नहीं सकती।

कभी खुशी कभी ग़म – करण जौहर की इस बेहतरीन पारिवारिक ड्रामा में ऋतिक रोशन और शाहरुख खान के बीच भाईयों के रिश्ते को दिखाया गया है, जो दशकों तक अलग रहते हैं, लेकिन उनका रिश्ता कभी नहीं टूटता। घ3ऋ सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और ऋतिक रोशन के मामले में, अपने भाई से फिर से मिलने और फिर अपने पूरे परिवार को फिर से मिलाने के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, उस पर आधारित थी। यह फिल्म एक बड़ी सफलता थी और इसे 'टाइमलेस क्लासिक' का दर्जा मिला, क्योंकि यह आज भी कई पीढ़ियों के दर्शकों को पसंद आती है।

रक्षा बंधन – अक्षय कुमार एक ऐसे बड़े भाई की भूमिका में हैं जो अपनी बहनों की खुशी को हर चीज से ऊपर रखता है। छोटे शहर की भावनाओं को बड़े पर्दे पर लाने के लिए मशहूर आनंद एल राय द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक प्यार करने वाले भाई और उसकी बहनों के बीच के रिश्ते के खूबसूरत सार को दर्शाती है। यह फिल्म भाई-बहन के रिश्ते के उस अनकहे प्यार और समर्पण को बयां करती है, जो 'रक्षाबंधन' की असली भावना है – रक्षा, बलिदान और बिना शर्त प्यार।

अग्निपथ – विजय दीनानाथ चौहान के रूप में ऋतिक रोशन के दमदार अभिनय ने एक बड़े भाई की अपने छोटी बहन के प्रति सुरक्षात्मक प्रवृत्ति को उजागर किया, जो मुस्किल में फंस जाती है। फिल्म का भावनात्मक केंद्र इस बात के इर्द-गिर्द घूमता है कि एक भाई अपने परिवार के सम्मान की रक्षा और अपनी बहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किस हद तक जा सकता है, जिससे यह बलिदान और सम्मान की एक मनोरंजक कहानी बन जाती है।

ब्रदर्स – अक्षय कुमार और सिद्धार्थ मल्होत्रा की यह फिल्म दो बिछड़े भाइयों की इंटेंस और संवेदनशील कहानी है। चच- की पृष्ठभूमि में बनी इस फिल्म में पारिवारिक त्रासदी और दर्द को दिखाया गया है जिसने दोनों भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर देता है, लेकिन अंत में वही दर्द उन्हें फिर से जोड़ता है। यह फिल्म क्षमा, समझ और पुनर्मिलन का भावनात्मक चित्रण को दर्शाता है।

बॉलीवुड ने बार-बार दिखाया है कि भाई-बहन का रिश्ता सबसे मजबूत और टिकाऊ रिश्तों में से एक है। इस नेशनल ब्रदर्स डे पर, ये सिनेमाई रत्न हमें याद दिलाते हैं कि भाई वाकई जीवन के सबसे बड़े वरदानों में से होते हैं।

जैकलीन फर्नांडीज ने कान्स में जेसिका अल्बा से मुलाकात की

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने खांटी फैन होने का प्रमाण अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया है। उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में पसंदीदा कलाकार जेसिका अल्बा के साथ खींची गई तस्वीर साझा की। भारतीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जेसिका अल्बा से मिलकर वह बहुत हैरान और खुश हो गईं। उन्होंने जेसिका अल्बा, फ्रांसीसी अभिनेत्री जूलियट बिनोचे और सऊदी अरब के फिल्म निर्माता मोहम्मद अल तुर्की के साथ कई तस्वीरें भी शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा: अपने सभी पसंदीदा सितारों से मिलना और इतने खास इवेंट का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा था। यह सब रेड सी की वजह से मुमकिन हुआ! मुझे सम्मान के साथ दुनिया भर की शानदार महिला कलाकारों से मिलने और फिल्मों के भविष्य पर बात करने का मौका मिला। हम सभी अलग-अलग तरीके से कहानियां सुनाने का एक जैसा जुनून रखते हैं! अभिनेत्री ने कहा कि यह अनुभव उन्हें बहुत प्रेरणा देने वाला लगा।

उन्होंने लिखा, मैं खुद को बहुत प्रेरित महसूस कर रही हूं। अब मैं और आगे बढ़ना और नई चीजें सीखना चाहती हूं। इतनी शानदार और खूबसूरत महिलाओं के साथ मुझे यह मौका देने के लिए रेड सी फिल्म का बहुत धन्यवाद। मैं अब भी हैरान हूं!रेड सी फिल्म फेस्टिवल का मकसद कान्स फिल्म फेस्टिवल के साथ मिलकर अलग-अलग देशों की संस्कृति और रचनात्मक कामों को बढ़ावा देना है। जैकलीन भी इस फेस्टिवल में कई फिल्म निर्माताओं, कहानीकारों और दुनिया भर की मशहूर हस्तियों के साथ रेड कार्पेट पर नजर आएंगी। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने हर साल होने वाले 'वुमेन इन सिनेमा' कार्यक्रम के लिए सात खास महिलाओं के नाम घोषित किए हैं। यह कार्यक्रम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली महिला फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, लेखकों और अन्य प्रोफेशनल्स के योगदान को सम्मान देने के लिए होता है। डेडलाइन डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समारोह में जिन सात महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, उनमें जाम्बिया और वेल्स की लेखक-निर्देशक रुंगानो न्योनी, दक्षिण एशियाई अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, मिस्र की अभिनेत्री अमीना खलील, सऊदी अभिनेत्री एल्हम अली, थाई अभिनेत्री एंगफा वराहा, सीरिया की फिल्म निर्माता गया जीजी और सऊदी फिल्म निर्माता व कलाकार सारा तैबा शामिल हैं।जैकलीन इन दिनों 'हाउसफुल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने अपने प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है। यह फिल्म 6 जून को रिलीज होगी। 'हाउसफुल' फिल्म की पहली फिल्म 2010 में रिलीज़ हुई थी और दूसरी फिल्म 2012 में आई थी।

अभिनेत्री पायल घोष ने तुर्की यात्रा की रद्द, कहा–

पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते

अभिनेत्री पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया। पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता।पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती।

अभिनेता मुकुल देव का निधन

आर... राजकुमार और जय हो जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मुकुल देव एक लोकप्रिय और मेहनती कलाकार थे, जिन्होंने अपने करियर में कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया। उन्होंने अपनी प्रतिभा से कई लोगों का दिल जीता था। उन्होंने न केवल मुख्य भूमिकाएं निभाई, बल्कि सहायक भूमिकाओं में भी अपनी छाप छोड़ी। शुक्रवार रात को अभिनेता ने 54 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। खबर लिखे जाने तक अभिनेता के निधन के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उनकी करीबी दोस्त और एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आरआईपी।

उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म अंत द एंड में देखा गया था। वह अभिनेता राहुल देव के भाई थे। मुकुल देव ने साल 1996 में तनुजा चंद्रा के धारावाहिक मुमकिन के जरिए टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। उस समय महेश भट्ट ने उन्हें देखा और उन्हें साइकोलॉजिकल थ्रिलर दस्तक में सुष्मिता सेन और शरद कपूर के साथ कास्ट किया। उनके काम को लोगों ने काफी सराहा। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह कई फिल्मों में नजर आए, जिनमें इसकी टोपी उसके सर, मेरे दो अनमोल रतन, किला, वजूद, कोहराम, इत्तेफाक और मुझे मेरी बीवी से बचाओ जैसी फिल्में शामिल हैं।

फिल्मों के साथ-साथ वह टीवी पर काम करते रहे। उन्होंने घरवाली ऊपरवाली, एक टुकड़ा चांद का, कहीं दिया जले कहीं जिया, कुटुंब, 'भाभी', 'कशिश', 'कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन और 'शशश.. फिर कोई है' जैसे टीवी शोज का हिस्सा रहे। उन्होंने फियर फैक्टर इंडिया के पहले सीजन को होस्ट भी किया था।

2003 में, मुकुल ने पंजाबी फिल्मों में कदम रखा और फिल्म हवाएं में बब्बू मान और माही गिल के साथ काम किया। उन्होंने कई पंजाबी फिल्में की, जैसे बुर्राह, हीर एंड हीरो, बाज, शरीक, इश्क विच: यू नेवर नो, साका: द मार्टर्स ऑफ ननकाना साहिब, जोरावर, जोरा 10 नंबरिया, डाका, साक और सराभा: क्राई फॉर फ्रीडम।वह दस्तक, किला, वजूद, कोहराम, इत्तेफाक, मुझे मेरी बीवी से बचाओ, यमला पगला दीवाना, सन ऑफ सरदार, आर.. राजकुमार और जय हो जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय के लिए जाने गए। उन्होंने हिंदी और पंजाबी के अलावा, बंगाली, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु सिनेमा में भी काम किया था। उनके निधन की खबर के बाद से सोशल मीडिया पर उनके साथी और फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं आकांक्षा शर्मा, जिन्होंने फिल्म केसरी वीर से बॉलीवुड में रखा कदम

सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय की फिल्म केसरी वीर आखिरकार 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सूरज पंचोली ने 4 साल बाद बॉलीवुड में वापसी की है।अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हो रही है। ऐसे में हर ओर उनकी चर्चा है।आइए जानें आखिर आकांक्षा हैं कौन।आकांक्षा पेशे से एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं।

उन्होंने साल 2020 में आई कन्नड़ फिल्म त्रिविक्रम के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।अपने शुरुआती दिनों में ही आकांक्षा ने साउथ इंडस्ट्री के बड़े-बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की है।वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ विज्ञापन में भी काम कर चुकी हैं।आकांक्षा को बॉलीवुड में पहचान रैपर बादशाह के सुपरहिट गाने जुगनू से मिली, जिसमें वह बेहतरीन डांस करती दिखीं।इसके अलावा आकांक्षा, टाइगर श्रॉफ के साथ कैसेनोवा और आई एम ए डिस्को डांसर 2.0 जैसे म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दे चुकी हैं।इन दोनों गानों में आकांक्षा और टाइगर की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।बता दें, आकांक्षा सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा सुपर डांसर सीजन 5

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे।बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष त्रिपाठी होंगे।शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन में नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला में जाकर सेवा करें और दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाएं। अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तकरीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज आप अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नज़रअंदाज़ करना आपको नुकसानदेह साबित हो सकता है पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी ज़रूरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत ख़ुश ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही ख़ुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इसका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढल-ते-ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग पर छा सकता है। कार्य-क्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएं। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा उठाना चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढ़ाई पर आप को बहुत महनत करनी पड़ेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खासा धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। जब आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है और आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन ज़्यादा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खूबियों पर ग़ौर फ़र्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, वो आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह ही आज आप प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी कद्र करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ-बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 03:54 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 11:13 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 11:05 तक
करण : वणिज सायं 03:54 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , रोहिणी में रवि प्रातः 09:31 से, रोहिणी तपन काल आरंभ , भद्रा सायं 03:52 से रात्रि 02:03 तक, गण्डमूल प्रातः 11:13 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान ने जल और ऊर्जा सुरक्षा के बिन्दुओं पर केन्द्र सरकार से और अधिक सहयोग का किया अनुरोध

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'विकसित राजस्थान2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रदेश में निवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्-वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं तथा इन प्रस्तावों में से सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर प्रारम्भ हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025, लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025, डाटा सेंटर पॉलिसी 2025 को तैयार करके राजस्थान में समावेशी विकास और रोजगार के अवसर सृजन करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी शीघ्र जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, ट्रेडिंग सेक्टर के विकास और संवर्धन के लिए राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 15 औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 2000 करोड रुपए से अधिक के कार्य प्रारंभ किए गए हैं तथा 20 नए औद्योगिक क्षेत्र भूखंड आवंटन हेतु खोले गए हैं जिससे राज्य के औद्योगिक विकास एवं विकास दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा। शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी ऐतिहासिक विरासत एवं स्थापत्य समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात है। पर्यटन का राजस्थान की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है इसलिए पर्यटन विकास को गति देने के लिए नवीन पर्यटन नीति शीघ्र जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं को स्टार्टअप स्थापित करने और रोजगार प्रदाता बनने हेतु प्रोत्साहन देने के लिए अटल इन्टरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षा आयोजित करवाकर 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई है तथा 1 लाख 87 हजार पदों हेतु प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा क्षमता में 10000 मेगावाट की वृद्धि की गई है तथा राजस्थान सौर ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में पीएम कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ,नवीन राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति की बेहतर क्रियान्विति के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लाई जा रही है जिसके अंतर्गत रिसाइक्लिंग, रीयूज के क्षेत्र में रिसर्च एवं डवलपमेंट के लिए 2 करोड रुपए का अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कार्यरत एमएसएमई, स्टार्टअप को विभिन्न योजनाओं में दिए जा रहे ऋण अनुदान में 0.5 की अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 वर्ष से पुराने वाहनों का उपयोग निषिद्ध करने तथा नई टेक्नोलॉजी के प्रदूषण रहित वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी लाई जा रही है।

भजनलाल सरकार के सारे दावे खोखले, जनता बेहाल : गहलोत

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार की तरफ से निवेश के दावे किए जाने को शनिवार को खोखला बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री जी यह सब अपने मन से नहीं कह रहे हैं, बल्कि उनसे कहलवाया जा रहा है। वह जो कुछ भी बोल रहे हैं, उसकी सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने प्रदेश में लोगों को हो रही पेयजल समस्या का भी जिक्र किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, सरकार का दोहरा पैमाना देखिए, कि एक तरफ जहां ये लोग सार्वजनिक मंचों पर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आम जनता को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? उन्होंने मनरेगा श्रमिकों पर कहा कि मौजूदा समय में उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, प्रशासन की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए कि श्रमिकों से एक घंटा कम काम कराया जाए। हमारे श्रमिकों के ऊपर काम का अत्यधिक बोझ डाला जा रहा है, जिससे उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत हमारी पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। उन पर राजनीतिक हमले करके हमारे हौसले को पस्त करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमारा हौसला पस्त नहीं होगा।

प्रमुख शासन सचिव ने की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेशभर में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को पब्लिक एवं पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा तथा इनकी और अधिक प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जाएगी। लू-तापघात, जांच, दवा एवं उपचार सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता पर विभाग का विशेष रूप से फोकस रहेगा। राजधानी से लेकर गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही सामने आई तो जिम्मेदारी तय की जाएगी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि जन-जन को स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रदायगी बिना किसी कठिनाई के हो और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलीं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रास रूट लेवल तक प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करें। सेवाओं की प्रदायगी में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य स्तरीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार सुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे।

विपक्षी विधायकों का अनादर बर्दाश्त नहीं होगा– भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस विधायकों अशोक अरोड़ा और चंद्र प्रकाश के साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि जनता के चुने हुए विपक्षी विधायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुरुक्षेत्र में पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक अशोक अरोड़ा के साथ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जो गुंडागर्दी की, वह सबने देखी। यह किसी एक विधायक पर नहीं बल्कि लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं पर हमला है। नगर परिषद हाउस की बैठक में खुद सरकार ने दिशा निर्देश जारी किए थे कि कोई बाहरी तत्व हिस्सा नहीं लगा। लेकिन हाउस में पार्षदों के अलावा बीजेपी के कई कार्यकर्ता भी बैठे हुए थे।

वो विधायक के साथ दुर्व्यवहार करने की मंशा के साथ ही मीटिंग में पहुंचे थे। कांग्रेस ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। इन लोगों की जल्द से जल्द पहचान करके दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि ऐसा ही अमर्यादित व्यवहार ग्रीवेंस मीटिंग में आदमपुर से विधायक चंद्र प्रकाश के साथ। बीजेपी नेताओं ने अमर्यादित व अशोभनीय आचरण करके बैठक की गरिमा को तार-तार कर दिया। मंत्री की मौजूदगी में एक जनप्रतिनिधियों का अनादर करना, लोकतंत्र को ठेस पहुंचाने से कम नहीं है। क्योंकि ग्रीवेंस मीटिंग आमजन की समस्याएं सुनकर उनका निदान करने का मंच है। इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाना जनता के हितों से खिलवाड़ करने के समान है।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में फ्रेंच की शुरुआत

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। अब तक आपने निश्चित रूप से नमस्ते और हैलो दोनों ही सुने होंगे लेकिन कल्पना कीजिए कि कैसा होगा जब हरियाणा के सरकारी स्कूलों के बच्चे अब आपको बोनजोर (हैलो) या कमेंट का वा? (आप कैसे हैं?) कहकर अभिवादन करेंगे? चौंकिए नहीं; यह हकीकत होने जा रही है। हरियाणा सरकार का लक्ष्य अपने स्कूलों में बच्चों को दुनिया की भाषा सिखाना है – फ्रेंच से शुरुआत करना – और सिर्फ किताबों तक ही सीमित नहीं।

जब देश में इतनी सारी भाषाएं हैं, तो फ्रेंच क्यों? दरअसल, आज दुनिया वैश्वीकृत हो चुकी है। इन दिनों सिर्फ अंग्रेजी बोलना ही काफी नहीं है। भाषा की यह समझ भविष्य में उन बच्चों के लिए दरवाजे खोल सकती है जो विदेश में पढ़ना, काम करना या कारोबार करना चाहते हैं। दुनिया की उन भाषाओं में से फ्रेंच कई देशों में बोली और समझी जाती है। और यही वजह है कि हरियाणा प्रशासन अब युवाओं को किताबी ज्ञान के बजाय दुनिया से रूबरू कराना चाहता है।

इसकी शुरुआत राज्य के मॉडल संस्कृति स्कूलों से होगी। नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को फ्रेंच भाषा की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार ने फ्रांस सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसका मतलब है कि जमीनी काम भी शुरू हो गया है, यह सिर्फ घो-षणा नहीं है। यह कोर्स सिर्फ भाषा सिखाने से कहीं आगे जाएगा। छात्रों को फ्रांसीसी भोजन, संस्कृति, जीवन शैली, भाषा, कला और सोचने के तरीके के बारे में भी सिखाया जाएगा। यानी जब छात्र बोनजोर कहेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि इसके पीछे क्या भावना है। असली सीख भाषा के साथ-साथ विचारों को जानना है।

इन संस्थानों में फ्रेंच पढ़ाने वाले शिक्षकों को फ्रांस में प्रशिक्षण मिलेगा, जो सबसे दिलचस्प पहलू है। प्रशिक्षक पहले खुद सीखेंगे; फ्रांस से भी! ताकि जब वे वापस लौटें, तो बच्चों को किताबों में लिखी बातों के बजाय अनुभव के आधार पर पढ़ाएं।

फरीदाबाद से एक और बड़ी खबर है: फ्रेंच के अलावा, जापानी, कोरियाई, जर्मन और चीनी भाषाएं भी अगले सत्र से पढ़ाई जाएंगी। इसका मतलब है कि भाषा की बाधा हरियाणा के किसी युवा को आने वाले सालों में टोक्यो, पेरिस या बर्लिन जाने से नहीं रोक पाएगी।

नीति आयोग बैठक : सीएम सैनी ने रखा हरियाणा का रोडमैप

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'विकसित भारत 2047' की अवध-ारणा में राज्य के सक्रिय योगदान को रेखांकित करते हुए हरियाणा का विजन डॉक्यूमेंट-2047 प्रस्तुत किया, जिसमें वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीयत, नीति और निर्णय हमेशा राष्ट्रहित में निर्णायक रहे हैं। विकसित भारत का विजन आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त, सक्षम, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण का है। इस विजन को साकार करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें हरियाणा राज्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार ने राज्य का विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार किया है, जो राष्ट्र के विजन डॉक्यूमेंट से सामंजस्य करते हुए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने का हमारा लक्ष्य है। मेरा अनुरोध है कि हरियाणा विजन-2047 को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत डैशबोर्ड में एकीकृत किया जाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए छः महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष बल दिया है। इन बिंदुओं का राज्य के इस वित्त वर्ष के बजट में भी समावेश किया गया है। हमने हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए 'डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर' नाम से एक नया विभाग बनाया है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसी नवीनतम तकनीकों द्वारा विकास की संभावनाओं की तलाश करेगा। डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर हरियाणा के विजन-2047 के अनुरूप एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक पहल, तकनीकी दूरदर्शिता और एकीकृत नीति बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए हरियाणा ए.आई. मिशन की स्थापना कर रहे हैं। हाल ही में, हरियाणा ने इसके लिए विश्व बैंक से समझौता किया है। युवाओं को स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंटर्नशिप, मेंटरशिप और सस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 'हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड' तेजी से कार्य कर रहा है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने निजी निवेशकों को 2 हजार करोड़ रुपये का एक 'फंड ऑफ फंड्स' बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह स्टार्टअप्स में निवेश करके हरियाणा को नवाचार व उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अर्थव्यवस्था के तेज विकास में तकनीकी बाधा बड़ी समस्या है और कौशल की शेल्फ लाइफ कम होती जा रही है। इसलिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'इंटिग्रेटिड स्किल हब' विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने गत वर्ष 'मिशन हरियाणा-2047' नामक एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की शुरुआत की है। इसने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने व 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लिए काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की प्रगति के बारे में साझा करते हुए बताया कि पी.एम. गति शक्ति में हरियाणा ने लगातार तीन वर्षों-2022, 2023 और 2024 के लिए लीड्स सर्वेक्षण में लैंड लॉक्ड राज्यों में 'अचीवर' श्रेणी को लगातार बरकरार रखा है। हमने 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत की सभी परियोजनाओं का पी.एम. गति शक्ति के राष्ट्रीय मास्टर प्लान से एकीकरण अनिवार्य कर दिया है। विनियामक बोझ को कम करने के लिए 1,100 से अधिक जटिल अनुपालनों को सरल किया है। इससे प्रदेश में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। जल्द ही राज्य सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सेल' की स्थापना भी करने जा रही है। हम 37 विभागों में 230 से अधिक अधिनियमों के छोटे-छोटे प्रावधानों से अपराधीकरण को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए, एक राज्य स्तरीय 'जन विश्वास विधेयक' का मसौदा तैयार किया जा रहा है। इसे दिसंबर, 2025 तक अधिसूचित किया जाएगा। इससे विश्वसनीय, पारदर्शी और कुशल शासन प्रणाली सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए केंद्र सरकार जो कदम उठाएगी, उस के अनुरूप हरियाणा भी विकसित भारत में अधिकतम योगदान देने के लिए कार्य करेगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने दोहरे चरित्र का लगाया आरोप

कांग्रेस ने आंबेडकर को सम्मान नहीं दिया

हाजीपुर (एजेंसियां)।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को हाजीपुर में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कांग्रेस की नीतियों को दोहरा चेहरा करार दिया। यह सम्मेलन हाजीपुर के अंजानपीर चौक स्थित एक निजी विवाह भवन में आयोजित किया गया था, जिसमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भी मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति दिखावटी प्रेम कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि आंबेडकर को कांग्रेस

शासन में दिल्ली में स्मारक के लिए जगह तक नहीं दी गई।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर को उनके जीवनकाल में सम्मान नहीं दिया, लेकिन आज संविधान की किताब लेकर घूम रहे हैं। यह दोहरे चरित्र के लोग हैं। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई, तब जाकर डॉ. आंबेडकर के लिए दिल्ली में स्मारक बनाने के लिए भूमि दी गई और अब राजधानी में भव्य स्मारक बनकर तैयार है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गरीबों के साथ जुड़ना होगा, उनके बीच बैठना होगा, तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना 'सबका साथ, सबका विकास' साकार हो सकेगा। 2025 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की तैयारी के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने बूथ सशक्तिकरण पर जोर दिया और कहा कि अगर बूथ मजबूत होंगे, तभी चुनाव में जीत संभव है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुशासन और एकजुटता के साथ काम करने की अपील की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे थे। मंच से प्रदेश अध्यक्ष ने जिला अध्यक्ष को भी स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अगर कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया तो संगठन चुप नहीं बैठेगा।

उन्होंने कहा कि ऊपर वाला सब देखता है। अगर आप लोगों से संगठन परेशान हुआ, तो फिर आपको भी परेशान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में नित्यानंद राय ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया और सभी से आगामी चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने की अपील की।

पटना पुलिस ने फतुहा डकैती कांड का किया खुलासा, सात अपराधी गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में 16 मई (शुक्रवार) को आभूषण व्यवसायी के घर हुई भीषण डकैती कांड का पटना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में एक आभूषण विक्रेता भी शामिल है, जिसने लूटे गए आभूषण खरीदे थे। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देसी कट्टे और लूटे गए आभूषण भी बरामद किए हैं। घटना के तुरंत बाद फतुहा थानाध्यक्ष अंबुज कुमार ने इस मामले की जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक पटना अवकाश कुमार, ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

(एसडीपीओ) फतुहा निखिल कुमार को दी। उनके निर्देशन में थानाध्यक्ष अंबुज कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने तकनीकी जांच, सूचना तंत्र और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर मामले का सफलतापूर्वक उद्भेदन किया। ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है, जिसकी जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि डकैतों ने फतुहा थाना क्षेत्र के गौरैयास्थान में रहने वाले आभूषण व्यवसायी राजकुमार के घर धावा बोलकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया था और बड़ी मात्रा में जेवरात लूट लिए थे। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और उनके अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है।

रसोई गैस रिसाव से लगी आग में मां-बेटे की मौत

सिवान (एजेंसियां)।

बिहार के सिवान जिले के आंदर बाजार में शनिवार सुबह 6:00 बजे गैस रिसाव के कारण एक मकान में भीषण आग लग गई। घटना में पूरा मकान जलकर गया और नाश्ता बना रही महिला और उसके 12 वर्षीय बेटे की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

मृतकों की पहचान मदेशिला-पुर गांव निवासी अजीत सिंह की पत्नी सरिता देवी (30) और उनके पुत्र अर्जुन कुमार (12) के रूप में हुई है। आग में मां-बेटे बुरी तरह जल गए थे, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही आंदर थाना के सब-इंस्पेक्टर परमानंद मंडल और अग्निशमन वाहन तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। कड़ी मशक्कत के बाद जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक पूरा मकान गल गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सरिता देवी सुबह नाश्ता तैयार कर रही थीं, इस दौरान सिलेंडर से हुए गैस रिसाव के कारण अचानक आग लग गई। इस दर्दनाक घटना से इलाके में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सहायता प्रदान करने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अग्निशमन विभाग ने लोगों से गैस सिलेंडर की नियमित जांच और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

कैंसर पीड़ित ने पूरे परिवार के साथ की आत्महत्या

जमशेदपुर में कराना था कीमोथेरेपी, तभी लगा ली फांसी

जमशेदपुर (एजेंसियां)।

टाटा स्टील गम्हरिया में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत कृष्ण कुमार (40) ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों के साथ आत्महत्या कर ली। यह हृदयविदारक घटना जमशेदपुर के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्रगुप्त नगर में सामने आई, जिसने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चारों शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटके हुए पाए गए। मृतकों में कृष्ण कुमार, उनकी पत्नी डोली देवी, 13 वर्षीय पुत्री पूजा और

छह वर्षीय पुत्री मैया शामिल हैं। घटना की जानकारी तब हुई जब पड़ोसियों को घर से दुर्गंध आने लगी और सूचना देने पर स्थानीय लोगों ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

कृष्ण कुमार कुछ समय पहले मुंबई में कैंसर का इलाज कराकर लौटे थे। परिवार वालों के अनुसार, डॉक्टरों ने उन्हें कीमोथेरेपी की सलाह दी थी, जो जमशेदपुर में भी उपलब्ध है। पिता शोभिंदो तिवारी ने बताया कि मुंबई से लौटने के बाद उनका बेटा काफी तनाव में रहने लगा था और घर से बाहर नहीं निकलता था। न ही वह किसी से बात कर रहे थे। अनुमान है कि इसी मानसिक दबाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया।

पिता ने बताया कि बेटे की गंभीर स्थिति को देखते हुए बहू डोली देवी ने इलाज के लिए मुंबई ले जाने की पहल की थी। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें नियमित कीमोथेरेपी की जरूरत है।

चूंकि यह सुविधा जमशेदपुर में भी उपलब्ध थी, इसलिए वे फ्लाइट से वापस लौट आए। कृष्ण कुमार ने टाटा स्टील में इलाज के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसके बाद पूरा परिवार घर में सिमट कर रह गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी तक घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है।

कृष्ण कुमार की आत्महत्या की खबर से टाटा स्टील और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है। उन्हें एक ईमानदार और जिम्मेदार अफसर के रूप में जाना जाता था। पड़ोसियों के अनुसार, उनका परिवार बेहद सुलझा हुआ और सौम्य स्वभाव का था। किसी को अंदाजा नहीं था कि वे इतने गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

नीतीश सरकार के मंत्री बोले-

तेजस्वी यादव फर्जी हिंदू, जरूरत पड़ने पर मंदिर गए, फिर टीका मिटाया

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार को 15 साल तक लूटने वाले अब खुद को जनता का हितैषी बताने का ढोंग कर रहे हैं। एक जाति, एक परिवार की पार्टी चलाने वाले आज लोकतंत्र की बात कर रहे हैं, जबकि सच यह है कि उनके शासनकाल में व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर तक घर छोड़कर पलायन कर गए थे। बिहार की जनता आज भी वह दौर नहीं भूली है।

संजय सरावगी ने कहा कि

विपक्ष के नेता खुद विधानसभा में नजर नहीं आते, लेकिन बयानबाज़ी में सबसे आगे रहते हैं। मिथिला क्षेत्र में तेजस्वी यादव अहिल्या महोत्सव में शामिल हुए, जहां उन्होंने धार्मिक टीका-चंदन तो लगवाया लेकिन बाद में उसे मिटा दिया। यह उनकी दिखावटी आस्था को दर्शाता है। जरूरत पड़ने पर मंदिर जाते हैं और फिर बाहर निकलते ही टीका मिटा देते हैं। जनता अब इन फर्जी हिंदुओं को पहचान चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, जिनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक सजा सुना चुका है, वे आज फिर सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं। बिहार की जनता इन्हें पहले भी नकार चुकी है और आगे भी नकार देगी, उन्होंने कहा।

जब मंत्री से डेलिगेशन भेजने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भारत सरकार का प्रतिनिधिमंडल माननीय सांसदों के नेतृत्व में विदेश गया है, जिसमें विपक्ष के नेताओं को भी शामिल किया गया था। लेकिन वहां भी आपसी खींचतान दिखी, कौन जाएगा, कौन नहीं। कांग्रेस ने चार नाम दिए थे लेकिन केवल एक को भेजा गया। इससे यह साफ है कि अब विपक्ष भी मोदी सरकार के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की होड़ में है। इससे वैश्विक मंचों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता और नेतृत्व की ताकत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

मंत्री सरावगी ने इशारों-इशारों में तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई खुद को मुख्यमंत्री बताता है, तो कोई उपमुख्यमंत्री बनकर घूम रहा है। लेकिन बिहार की जनता पहले ही नीतीश कुमार को अपना मुख्यमंत्री और सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री मान चुकी है। जनता सब देख रही है और ऐसे फर्जी दावों को स्वीकार नहीं करेगी।

दाखिल-खारिज के लिए मांगी 20 लाख रुपये की रिश्वत

अचंल निरीक्षक को तीन लाख लेते निगरानी ने दबोचा

पटना (एजेंसियां)।

मधुबनी में निगरानी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जयनगर अंचल के अंचल निरीक्षक अजय कुमार मंडल को टीम ने तीन लाख रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अजय कुमार मंडल् ने दाखिल-खारिज के लिए 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में की थी। इसी शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई हुई। इधर, अंचल निरीक्षक की गिरफ्तारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। निगरानी की टीम अजय कुमार मंडल को लेकर पटना रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि अजय कुमार मंडल ने एक जमीन के दाखिल-खारिज के मामले में 20

लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने एक साथ पूरी रकम देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित को किस्त में रिश्वत देने बात कही गई। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी में की। निगरानी की टीम ने पहले शिकायत की जांच करवाई। मामला सही पाया गया। इसके बाद डीएसपी सुजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। शनिवार को निगरानी की अलग-अलग टीम जयनगर अंचल कार्यालय और अंचल निरीक्षक के आवास पर पहुंची। इसके बाद पीड़ित को किस्त की पहली रकम लेकर पहुंचने के लिए कहा। निगरानी की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके बाद जैसे ही पीड़ित ने रिश्वत के नाम पर तीन लाख की रकम आरोपी को दिया वैसे ही निगरानी के अधिकारियों ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद अजय मंडल को आगे की पूछताछ के लिए पटना ले जाया गया।मामले में डीएसपी सुजीत कुमार ने बताया कि अजय कुमार मंडल के खिलाफ एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें रिश्वत मांगने की जानकारी दी गई थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता की संभावना है, जिसकी गहराई से जांच की जा रही है।

भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

सीवान में भीषण सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं कार चालक की हालत गंभीर है। घटना गोरयाकोठी थाना क्षेत्र के अफराद मोड़ के पास शनिवार सुबह हुई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और सभी सवारियां गाड़ी में फंस गईं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को एक-एक कर बाहर निकाला, लेकिन तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घायल चालक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार, कार सवार लोग पटना एयरपोर्ट से किसी को रिसीव करने गए थे, जो विदेश से आ रहा था। सीवान लौटते समय किसी अज्ञात वाहन से टक्कर होने के कारण यह भीषण हादसा हुआ। घटनास्थल से एक पासपोर्ट बरामद हुआ है, जिस पर अबरार नाम और जीबी नगर थाना क्षेत्र का पता अंकित है। पुलिस को आशंका है कि मृतक और घायल जीबी नगर थाना क्षेत्र के निवासी हो सकते हैं। फिलहाल, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया है और मरने वालों की पहचान करने में जुट गई है।

बक्सर में अपराधियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर बरसाईं गोलियां, तीन की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बक्सर में शनिवार की सुबह अपराधियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को भून डाला। इसमें तीन सगे भाइयों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है।

घटना जिले के राजपुर थाना क्षेत्र स्थित अहियापुर गांव में शनिवार सुबह हुई। वारदात के बाद इलाके सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों और परिजनों ने घटना के विरोध में जमकर बवाल किया। लोगों ने ट्रक लगाकर सड़क जाम कर दिया। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों

को समझाने में जुट गई है। मरने वालों की पहचान विनोद सिंह यादव, सुनील सिंह यादव और वीरेंद्र सिंह यादव के रूप में हुई है।

स्थनीय लोगों का कहना है कि अहियापुर गांव के विनोद सिंह यादव और सुनील सिंह यादव का शुक्रवार को गांव के ही कुछ लोगों से गिट्टी-बालू के व्यवसाय को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद आज सुबह लगभग पांच बजे नहर के पास तीनों टहल रहे थे। इसी बीच कार से कुछ अपराधी आए और गोलीबारी करने लगे। इसमें तीनों भाइयों की गोली मार दी। इन्हें बचाने आए परिवार के अन्य सदस्यों को भी गोली मार दी। इस घटना में विनोद सिंह यादव और सुनील सिंह यादव की मौत हो गई, जबकि वीरेंद्र सिंह यादव, पुंज सिंह यादव समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल कोचस स्थित एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें बनारस रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान वीरेंद्र सिंह यादव की भी मौत हो गई है। प्रशासन ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है। एक अन्य घायल पुंज सिंह यादव की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद अहियापुर गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीण सहमे हुए हैं।

इधर, राजपुर थानेदार संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूर्व से चली आ रही दुश्मनी का परिणाम है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी शुभम आर्य और सदर एसडीपीओ धीरज कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने कहा कि सूचना मिली कि दो गाड़ियों से अपराधी आए थे। इन लोगों ने ही वारदात को अंजाम दिया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। एसडीपीओ को निर्देश दिया गया है कि विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तार करें। मामले की आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com